दैनिक
नवप्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — राजधानी का देवेन्द्र नगर इलाका कंटेनमेंट...
4 अभिव्यक्ति — नेहरू और पटेल बैलों की एक जोड़ी...
9 मनोरंजन/खेल — रणवीर ने पूरा नहीं किया दीपिका से किया...
11 व्यापार — थम नहीं रहा कर्मचारियों की छंटनी का...

www.navpradesh.com | बिलासपुर, बुधवार 27 मई 2020, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष-पंचमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-06 अंक-47 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

कोरोना का कहर क्या कम था जो अब नवतपा ने भी प्रचंड प्रहार शुरू कर दिया है। कई राज्यों में पारा 47 के पार जा चुका है। आने वाले दिनों में तापमान और बढ़ने की संभावना है। जितनी ज्यादा गरमी पड़ेगी उतना ही जल संकट गहराएगा। ऐसी स्थिति में कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने बार-बार हाथ धोना मुश्किल हो जाएगा। वैसे भीषण गर्मी कोरोना का संक्रमण रोकने में सहायक हो सकती है। बेशक आग उगलती गर्मी कोरोना वायरस को भस्म न करें लेकिन लोगों को लॉकडाउन का पालन करने और घरों में दुबकने को जरूर मजबूर कर देगी।

भारत में 6 महीने में शुरू हो जाएगा कोरोना वैक्सीन का परीक्षण

नई दिल्ली। भारत वैश्विक संक्रमण सूची में 10वें स्थान पर आ गया है और यह कोरोना वायरस के प्रारंभिक हॉटस्पॉट रहे ईरान को पछाड़ रहा है। भारत के शीर्ष चिकित्सा निकाय ने कहा है कि कोविड-19 वैक्सीन के लिए कम से कम 6 महीने में मानव परीक्षण शुरू हो सकते हैं। रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर के निदेशक और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च के प्रमुख डॉ. रजनी कांत ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से कहा, पुणे में नेशनल

कोरोना वायरस का स्ट्रेन अलग किया गया : आईसीएमआर

इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (एनआईवी) प्रयोगशाला में वायरस का स्ट्रेन पृथक किया गया है, अब इसका वैक्सीन बनाने में उपयोग किया जाएगा। इस स्ट्रेन को सफलतापूर्वक भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) में स्थानांतरित कर दिया गया है। उम्मीद है कि कम से कम छह महीनों में वैक्सीन के मानव परीक्षण शुरू हो जाएंगे।

संसाधन और रणनीतियों को विकसित करने की जरूरत

कांत ने आगे कहा, हमें कोविड-19 मामलों के बढ़ने से नहीं डरना चाहिए। बुजुर्गों और ऐसे लोग जो पहले से ही किसी बीमारी से ग्रसित हैं, उन लोगों की सुरक्षा की आवश्यकता है। यह अत्यधिक कमजोर समूह है, और हमें इस समूह में मृत्युदर को कम रखने के लिए पयार्प्त संसाधन लगाने और रणनीतियों को विकसित करने की जरूरी है। शुरुआत में यह माना गया था कि देश को हजारों वेंटिलेटर की जरूरत होगी, लेकिन पिछले हफ्ते, स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 के केवल 0.45 प्रतिशत मामलों में वेंटिलेटर सपोर्ट की जरूरत है।

मुंबई, दिल्ली और अहमदाबाद में सबसे ज्यादा मामले

रिकवरी दर के महत्व पर, कांत ने कहा कि कोविड-19 रोगियों की रिकवरी दर 41 प्रतिशत है, जो कि इस घातक संक्रमण के खिलाफ भारत की लड़ाई में एक अहम चीज है। मुंबई, दिल्ली और अहमदाबाद में बड़े पैमाने पर सामने आ रहे मामलों को लेकर कांत ने कहा कि इन क्षेत्रों में जनसंख्या घनत्व बहुत अधिक है, जो वायरल संक्रमण फैलने के लिए सही वातावरण साबित होता है।

कोविड-19 से ग्रस्त और मुक्त जोन की नई सूची अपडेट

रेड में 9 जिले और ऑरेंज जोन में 19

कंटेनमेंट जोन की संख्या प्रदेश में 95 पहुंची, सूची में 53 विकासखंड रेड-ऑरेंज लिस्ट में

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। राज्य शासन के स्वास्थ्य विभाग ने रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन वाले विकासखंडों की नई सूची अधिसूचित की है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के मुताबिक प्रदेश के सभी विकासखंडों और शहरी क्षेत्रों में कोविड-19 के सक्रिय मामलों की संख्या, इनके दोगुने होने की दर तथा प्रति एक लाख जनसंख्या पर सैंपल जांच की ताजा स्थिति के आधार पर उन्हें रेड, ऑरेंज और ग्रीन जोन में पुनः वर्गीकृत किया गया है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 25 मई की स्थिति के आधार पर नया वर्गीकरण किया गया है। इसे हर सोमवार को अद्यतन किया जाएगा। विभाग ने कलेक्टरों एवं जिला दंडाधिकारियों द्वारा घोषित कोविड-19 प्रभावित कंटेनमेंट जोन की सूची भी जारी की है। प्रदेश में 25 मई की स्थिति में कंटेनमेंट जोन घोषित क्षेत्रों की संख्या 95 है। रेड, ऑरेंज व ग्रीन जोन तथा कंटेनमेंट जोन घोषित

14 नए पॉजिटिव मरीज मिले, एक्टिव मरीज 235

छत्तीसगढ़ में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। मंगलवार 26 मई को फिर 14 नये कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं। स्वास्थ्य विभाग के ट्वीट के मुताबिक राजनांदगांव में 12 व बेमेतरा में 2 मरीज पाये गये है। इसी के साथ कुल एक्टिव मरीजों की संख्या अब प्रदेश में 235 हो गयी है। बता दें कि कल 42 पॉजिटिव मरीज मिले थे। जिसमें मुंगेली में सर्वाधिक 26 था। रात में 1 रायगढ़ और 1 रायपुर में मेकाहारा अस्पताल की स्टाफनर्स पाजिटिव पाई गई थी। जिसके बाद देवेंद्र नगर को कंटेनमेंट जोन ■ शेष पृष्ठ 8 पर

सीएम भूपेश ने 28 जिलों को कोरोना से लड़ने दिए 24.50 करोड़

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम के लिए प्रदेश के सभी जिलों को कुल 24 करोड़ 50 लाख रूपए की राशि जारी की है। यह राशि मुख्यमंत्री सहायता कोष से संबंधित जिले के खाते में जमा कर दी गई है। मुख्यमंत्री सचिवालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर, बलौदाबाजार, राजनांदगांव, कबीरधाम और बिलासपुर जिले को 2-2 करोड़ रूपए, मुंगेली जिले को 1.50 करोड़ रूपए, बस्तर, कोरिया, बलरामपुर-रामानुजगंज और सूरजपुर जिले को 1-1 करोड़ रूपए, गरियाबंद, धमतरी, महासमुन्द, दुर्ग, बालोद, बेमेतरा, कोण्डगांव, कांकेर, दंतेवाड़ा, सुकमा, नारायणपुर, बीजापुर, कोरबा, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, जशपुर, सरगुजा और गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही जिले को 50-50 लाख रूपए की राशि आबंटित की गई है। इसके पहले मुख्यमंत्री सहायता कोष से प्रदेश के 11 जिलों को 20-20 लाख रूपए कुल 2 करोड़ 20 लाख रूपए, सभी 28 जिलों को 25-25 लाख रूपए कुल 7 करोड़ और प्रदेश के सभी 146 विकासखण्डों को 10-10 लाख रूपए कुल 14 करोड़ 60 लाख रूपए की राशि कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जारी की जा चुकी है।

सीएम फंड से मिलेगी जिलों, विकासखंडों को राशि

रेड जोन में ये जिले

बालोद, कोरबा, मुंगेली, रायगढ़, राजनांदगांव, अंबिकापुर, बिलासपुर, कवर्धा, बलौदाबाजार, जांजगीर, बस्तर, बेमेतरा, दंतेवाड़ा, धमतरी, दुर्ग,

विकासंखड- *डौंडीलोहारा, कोरबा, मुंगेली, रायगढ़ शहरी, छुरिया, अंबिकापुर, बिलासपुर शहरी, कोटा, तखतपुर, मस्तुरी, बिल्हा, पंडरिया और बलौदाबाजार*

आरेंज जोन के जिले

सरगुजा, कांकेर, कोरिया, गरियाबंद, गौरेला-पेंड्रा, मरवाही, बलरामपुर

विकासखंड- *बालोद, डौंडी, गुण्डरदेही, बलौदा, बम्हनीडीह, नवागढ़, सक्ती, बिलाईगढ़, सिमगा, पलारी, कसडोल, बकावंड, बस्तानार, साजा, नवागढ़, गीदम, गुजरा, कुरुद, नगरी, धमतरी शहरी, पाटन, निकुम, लोरमी, लैलूंगा, मोहला, घुमका, पैनपाट, दुर्गुकोन्दल, कांकेर, गरियाबंद, खडग़वां, लैलूंगा, मरवाही, बलरामपुर, राजपुर, कुसमी, शंकरगढ़, रामानुजगंज, वाड्रफनगर*

नोट:-शेष विकासखंड क्षेत्र ग्रीन जोन में हैं।

23 जिलों के कलेक्टरों समेत 50 से अधिक आईएएस के तबादले

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने 23 जिलों के कलेक्टरों सहित भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) 50 से अधिक अधिकारियों का आज तबादला कर दिया। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा आज जारी आदेश के अनुसार अपर मुख्य सचिव वित्त अमिताभ जैन को लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त कर जल संसाधन विभाग का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। शेष प्रभार यथावत् रहेगा। डॉ. आलोक शुक्ला, प्रमुख सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग एवं अतिरिक्त प्रभार-अध्यक्ष, छग. माध्यमिक शिक्षा मंडल तथा अध्यक्ष, छग. व्यावसायिक परीक्षा मंडल को उनके वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ-साथ प्रमुख सचिव, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। रेणु पिल्ले, अपर मुख्य सचिव, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग तथा अतिरिक्त कार्यभार-महानिदेशक, छग. प्रशासन अकादमी, रायपुर को अपर मुख्य सचिव, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग के कार्यभार से मुक्त करते हुए अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग के पद पर पदस्थ किया गया है। शेष प्रभार यथावत् रहेगा। रेणु पिल्ले,, द्वारा अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग का कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से निहारिका बारिक, केवल सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग के कार्यभार से मुक्त होंगी। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग का प्रभार यथावत् रहेगा। मनोज कुमार पिंगुआ, प्रमुख सचिव, वाणिज्य एवं उद्योग तथा सार्वजनिक उपक्रम विभाग व अतिरिक्त कार्यभार-प्रमुख सचिव, वन विभाग एवं विशेष कर्त्तव्यस्थ अधिकारी सह निवेश आयुक्त, सीएसआईडीसी, मुख्यालय नई दिल्ली को उनके वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ-साथ आवासीय आयुक्त, छत्तीसगढ़ भवन, नई दिल्ली का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। मनोज कुमार पिंगुआ,, द्वारा आवासीय आयुक्त, छत्तीसगढ़ भवन, नई दिल्ली का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से डॉ. मनिंदर कौर द्विवेदी, केवल आवासीय आयुक्त, छत्तीसगढ़ भवन, नई दिल्ली के अतिरिक्त कार्यभार से ■ शेष पृष्ठ 8 पर

चिंता

किसानों का राष्ट्रव्यापी विरोध दिवस आज

नयी दिल्ली (वार्ता)। देश के 200 किसान संगठन कृषि लागत दर, खाद, कीटनाशक, बीज एवं डीजल के दामों के बढ़ोतरी के खिलाफ कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए जारी लॉकडाउन के बीच बुधवार को राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करेंगे। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अखिल भारतीय किसान सभा के महासचिव अतुल कुमार अनजान ने यह जानकारी एक विज्ञपति मे दी। उन्होंने कहा है कि कोरोना वायरस के इस दौर में रबी की फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य तो दूर बाजार में उन्हें औने पौने दामों पर बेचना पड़ा। कोरोना महामारी के चलते फलो, सब्जियों, दलहन, तिलहन को बाजार के अंदर लागत दर से नीचे बेचने पर मजबूर होना पड़ा।

कोरोना अपडेट

देश	टोटल केस	मौत
भारत	147,144	4,197
अमेरिका	1,709,393	99,909
ब्रिटेन	265,227	37,048
इटली	230,158	32,877
स्पेन	282,480	26,837
फ्रांस	182,942	28,432
ब्राजील	376,669	23,522
बेल्जियम	57,455	9,334
जर्मनी	181,062	8,448
ईरान	139,511	7,508
मैक्सिको	71,105	7,633
नीदरलैंड	45,578	5,856
कनाडा	85,711	6,545
टर्की	157,814	4,369
स्वीडन	34,440	4,125
रूस	362,342	3,807

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 30609.30
निफ्टी- 9029.05
गोल्ड- 46442 (10 ग्रा.)
सिल्वर- 48108 (1 कि ग्रा.)

प्रवासी मजदूरों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, केंद्र और राज्य सरकारों को नोटिस

कहा-प्रवासी मजदूर अभी भी हाइवे और रेलवे स्टेशन पर फंसे हैं इनके लिए उठाए गए कदम नाकाफी- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ए.। देश भर में फंसे प्रवासी मजदूरों की समस्या और उन पर आई विपत्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने खुद संज्ञान लिया है और केंद्र सरकार और देश भर के राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि केंद्र सरकार बताए कि अभी तक प्रवासी मजदूरों के लिए क्या-क्या कदम उठाए गए हैं। अदालत ने कहा है कि अभी तक के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। प्रवासी मजदूरों के लिए ये कठिन दौर है और इस स्थिति से उबारने के लिए प्रभावकारी ठोस कदम उठाने की जरूरत है। ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मजदूरों के लिए ये कठिन दौर

अदालत ने कहा कि प्रवासी मजदूरों के लिए ये कठिन दौर है और इन्हें मदद की दरकार है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उन्हें तमाम लेटर और प्रतिवेदन दिए गए और प्रवासी मजदूरों की समस्या के बारे में अवगत कराया गया है। प्रवासी मजदूरों की समस्या अभी भी बरकरार है। बड़ी संख्या में प्रवासी मजदूर राज्य के बॉर्डर, सड़क, रेलवे स्टेशन और हाइवे पर फंसे हुए हैं। वैसे तो राज्य और केंद्र की सरकार ने कई कदम उठाए हैं लेकिन अभी भी ये तमाम प्रयास अपर्याप्त हैं और इसमें कमियां हैं। हम इस मामले में एकमत हैं कि प्रवासी मजदूरों के लिए प्रभावकारी व ठोस कदम उठाने की जरूरत है ताकि उन्हें मुसीबत से छुटकारा मिले।

देश में लॉकडाउन असफल रहा : राहुल

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना को नियंत्रित करने के लिए देश से 21 दिन का समय मांगा था लेकिन अब लॉकडाउन को दो महीने होने जा रहे हैं और महामारी घटने की बजाय तेजी से बढ़ रही है जिससे साबित होता है कि भारत में लॉकडाउन असफल रहा है।

श्री गांधी ने मंगलवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मोदी 21 दिन में कोरोना को रोकने में असफल रहे तथा फिर इसे तीन बार बढ़ाया गया। अब लॉकडाउन को 60 दिन होने वाले हैं लेकिन स्थिति सुधरने की बजाय बहुत ज्यादा बिगड़ गयी है। सरकार के पास कोरोना से लड़ने के लिए कोई ठोस रणनीति नहीं है इसलिए इसे नियंत्रित करने में हम असफल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना से लड़ने के दुनिया के अनुभव को देखें तो भारत ही एक मात्र देश है जहां इसके तेजी से फैलने के बीच लॉकडाउन को खोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन का लक्ष्य हासिल नहीं हुआ है। इस बारे में पहली रणनीति फेल हुई है लेकिन सरकार को बताना चाहिए कि वह अब लॉकडाउन किस तरह से ■ शेष पृष्ठ 8 पर

कोरोना संक्रमण पर राजनीति कर रही कांग्रेस

नई दिल्ली। *कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तरफ से मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करने पर केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने उन पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस वक्त पूरा देश कोविड-19 की चुनौतियों का सामना कर रहा है, यह उदाहरण है कि किस तरह से कांग्रेस पार्टी कोरोना संक्रमण पर राजनीति कर रही है। जावड़ेकर ने कहा, उन्होंने गलत बयान दिया है, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि जब लॉकडाउन लागू किया गया था उस समय 3 दिन में कोरोना संक्रमण की दर दोगुनी थी। अब इस संक्रमण की दर 13 दिनों में दोगुनी हो रही है। यह भारत और हर व्यक्ति की सफलता है।*

गरमा-गरम

स्पष्टीकरण › हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन : डब्ल्यूएचओ की रोक के पीछे साजिश? आईसीएमआर ने दिया जवाब

हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन कोरोना की रोकथाम में मददगार

■ आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने हाइड्रोक्सी-क्लोरोक्वीन पर स्थिति स्पष्ट की

कहा-कई अध्ययनों के बाद पाया गया कि हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन कोविड-19 की रोकथाम में मददगार हो सकता है

नई दिल्ली ए.। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड-19 की रोकाथाम के लिए भारत में तैयार होने वाली मलेरिया रोधी दवा हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन के क्लीनिकल ट्रायल पर रोक लगा दी। क्या इसके पीछे कोई साजिश है? इस सवाल पर भारतीय आर्युविज्ञान अनुसंधान संस्थान का कहना है कि हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन को लेकर पिछले डेढ़ महीनों में कई स्तर पर जांच हुई जिनमें उसके कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने की क्षमता की पुष्टि हुई है। साथ ही, अध्ययन में यह भी स्पष्ट हुआ है कि इस दवा के इस्तेमाल का कोई बड़ा साइड इफेक्ट नहीं है। डॉ. भार्गव आगे कहा, 'हमने उसी तरह की स्टडी फिर से टेस्ट ट्यूब में की और पाया कि ■ शेष पृष्ठ 8 पर

डॉ. भार्गव ने नहीं दिया कोई सीधा जवाब

आईसीएमआर के महानिदेशक (डीजी) डॉ. बलराम भार्गव ने कोरोना पर प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पूछे गए सवाल का सीधा-सीधा जवाब तो नहीं दिया कि डब्ल्यूएचओ के पीछे कोई साजिश है या नहीं, लेकिन उनके जवाबों से इतना स्पष्ट हो गया है कि क-से-कम भारत में चिकित्सा क्षेत्र के विशेषज्ञ वैश्विक संगठन के फैसले से सहमत नहीं हैं। आईसीएमआर के चीफने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'अभी बायॉलजी की नजर से इसमें संक्रमण रोधी (एंटी वायरल) दवाई के रूप में काम करने की संभावना दिख रही है। जब हमने प्रयोगशालाओं में टेस्ट ट्यूब के जरिए अध्ययन किया तो रिजल्ट में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन के एंटी वायरल क्वॉलिटी का पता चला। ऐसी स्टडीज पहले भी हुईं और रिजल्ट नेचर मैगजीन समेत अन्य जगहों पर भी प्रकाशित हुईं।

एलएसी पर चीन के बराबर सैनिक बढ़ाता रहेगा भारत

नई दिल्ली ए.। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ तनावपूर्ण माहौल के बीच आज चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत और तीनों सेनाओं के प्रमुखों के साथ अहम मीटिंग की। इस मीटिंग में एलएसी के जमीनी हालात की समीक्षा की गई और आगे रणनीति पर विचार किया गया।

चार घंटे चला महामंथन

सूत्रों ने बताया कि चार घंटे से ज्यादा वक्त तक महामंथन हुआ जिसमें रक्षा मंत्री ने चीन की तरफसे सैनिकों की संख्या बढ़ाने पर भारत की प्रतिक्रिया का खाका पेश किया। इस महामंथन के दौरान स्पष्ट कर दिया गया कि संघर्षविराम के लिए बातचीत तो चलती रहेगी, लेकिन भारतीय सेना वहां अपनी संप्रभुता से बिल्कुल भी समझौता नहीं करते हुए अपनी पकड़ कायम रखेगी।

खराब मौसम से टल सकती है स्पेसएक्स की पहली लॉन्चिंग

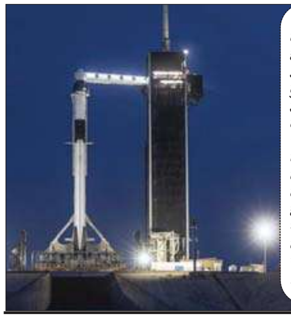

केप केनवरल (अमेरिका) ए.। मौसम खराब होने के कारण स्पेसएक्स का पहला प्रक्षेपण टाला जा सकता है। स्पेसएक्स का एक रॉकेट नासा के पायलट डग हर्ली और बॉब बेन्कन के साथ ड्रैगन कैप्सूल को ले कर बुधवार दोपहर को कैनेडी अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से उड़ान भरने वाला है। यह पहला मौका है जब सरकार के बजाय कोई निजी कंपनी अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजेगी। पिछले नौ वर्ष में पहली बार अंतरिक्ष यात्री फ्लोरिडा से उड़ान भरेंगे। नासा के वाणिज्यिक कार्यक्रम की प्रबंधक कैथी लुएडर्स ने कहा कि अब तक सभी काम सही ढंग से हो रहे हैं। स्पेसएक्स के एक उपाध्यक्ष हैंस कोइन्समैन ने कहा कि प्रक्षेपण करना सुरक्षित है या नहीं यह निर्धारित करने के लिए प्रक्षेपण नियंत्रक टीम वैश्विक मौसम परिवर्तन के पैटर्न पर गौर करेगी। यदि स्पेसएक्स बुधवार को प्रक्षेपण नहीं कर पाती है तो अगला प्रयास शनिवार को किया जाएगा।

वेस्ट बैंक के बाकी बचे हिस्से पर कब्जा करेगा इजरायल

नेतन्याहू को अपनो से मिला विरोध

यरूशलम ए.। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वह कब्जे वाले वेस्ट बैंक के बचे अन्य हिस्सों को भी अपने देश में शामिल करेंगे। यह एक ऐसी योजना है जिसका विरोध उनके महत्वपूर्ण सहयोगी भी कर रहे हैं। वहीं व्यापक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन के साथ फिलिस्तीनी लोगों का मानना है कि पूरा वेस्ट बैंक उनका है। वह लगातार इसे लौटाने की मांग करते रहे हैं। फिलिस्तीन के लोग इस क्षेत्र को अपने भविष्य के स्वतंत्र देश का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हैं। इस क्षेत्र के बड़े हिस्से पर कब्जा करना पूरी तरह से 'दो देश समाधान' की उम्मीद को क्षीण कर देगा। प्रत्यक्ष तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के साथ दोस्ताना संबंध का हवाला देते हुए नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल के पास मध्यपूर्व के मानचित्र को फिर से बनाने का ऐतिहासिक मौका है और इसे गंवाना नहीं चाहिए। नेतन्याहू ने कहा कि वह जुलाई में कदम उठाएंगे। उन्होंने अपने रूढ़िवादी लिकुड पार्टी के सदस्यों से कहा, यह एक ऐसा अवसर है जिसे हम जाने नहीं देंगे।

अरब, यूरोप से बढ़ेंगे मतभेद

प्रधानमंत्री ने कहा कि वेस्ट बैंक को कब्जे में लेने का इससे बड़ा ऐतिहासिक अवसर इजराइल की 1948 में हुई स्थापना के बाद से अब तक नहीं मिला था। इन टिप्पणियों से अरब और यूरोपीय सहयोगियों के साथ इजराइल के मतभेद बढ़ सकते हैं और वॉशिंगटन में भी इजराइल को लेकर पार्टियों के बीच विवाद और भी गहरा सकता है। इजराइल ने मध्यपूर्व युद्ध में 1967 में वेस्ट बैंक पर कब्जा कर लिया था और वहां करीब 500,000 यहूदियों को बसा दिया था लेकिन अंतरराष्ट्रीय विरोध की वजह से कभी भी उसने औपचारिक तौर पर इसे इजराइल का क्षेत्र करार नहीं दिया। लेकिन अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपतियों की तुलना में ट्रंप का रुख इसको लेकर नरम रहा है।

नागपुर में 47 तो अमृतसर में पारा 44 डिग्री के पार

विदर्भ समेत देश के कई जगहों के लिए जारी रेड अलर्ट

नई दिल्ली ए.। देश में एक तरफ जहां कोरोना संक्रमण के चलते लोगों का जीना मुहाल है और ज्यादातर लोग अपने घरों से बाहर निकलने से परहेज कर रहे हैं तो वहीं दूसरी तरफ गर्मी भीषण गर्मी का लगातार सितम जारी है। विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश समेत देश के कई हिस्सों में रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। देश के अलग-अलग हिस्सों में तापमान रिकॉर्ड तोड़ रहा है और मौसम विभाग की मानें तो अगले 24 घंटे तक इस झुलसा देनेवाली गर्मी से कोई राहत के आसार नहीं नजर आ रहे हैं।

हरियाणा, राजस्थान, विदर्भ के लिए रेड अलर्ट

मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉक्टर नरेश कुमार ने कहा कि देश के कई हिस्सों में गर्मी बहुत ज्यादा पड़ रही है। यह अगले दो दिनों तक रह सकती है। हरियाणा, पश्चिमी मध्य प्रदेश, विदर्भ और राजस्थान के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। 2 दिनों के बाद पश्चिमी विक्षोभ के चलते तापमान में गिरावट आएगी।

नागपुर में पारा 47 डिग्री पार

कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र में कई स्थानों पर भारी गर्मी पड़ रही है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, यहां पर कई जगह अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या फिर उससे ऊपर है। नागपुर में मंगलवार को तापमान 47 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

अमृतसर में तापमान 44 डिग्री पार, 3-4 दिन बढ़ेगा पारा

पंजाब में स्थिति कुछ अलग नहीं है। मौसम विभाग के मुताबिक, अमृतसर में तापमान आज बढ़कर 44 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। ऐसा अनुमान लगाया गया था कि यहां पर तापमान 32 डिग्री सेल्सियस से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है। चंडीगढ़ आईएमडी के डायरेक्टर सुरेन्द्र पॉल ने कहा, पंजाब और हरियाणा में आने वाले 3-4 दिनों में तापमान बढ़ने वाला है। तापमान 45 डिग्री से ज़्यादा हो जाएगा। अधिकतम तापमान मुख्यतः पंजाब और हरियाणा के साउथ वेस्टर्न में रहेगा। साथ ही पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में लू चलने की संभावाना है।

भोपाल में 45 डिग्री पहुंचा तामपान

मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आज अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। ऐसा अनुमान लगाया गया था कि यहां पर तापमान 43 से 45 के बीच पहुंच सकता है। नागरिक क्षेत्रीय मौसम केन्द्र के एम.एल. साहू ने कहा, विदर्भ के लिए अगले 3 दिनों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। पांचवें दिन तापमान में गिरावट आ सकती है। पश्चमी और उत्तरी मध्य प्रदेश के लिए 2 दिनों का रेड अलर्ट जारी किया गया है। ऐसी उम्मीद है कि तीन दिन बाद तापमान में यहां पर गिरावट आएगी। छत्तीसगढ़ में अगले 2 दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

चिंताजनक : नोटिस तामिल न होना केस में देरी का प्रमुख कारण

नई दिल्ली ए.। देश में मुकदमों के लंबित रहने के प्रमुख कारण की पहचान कर ली गई है। यह कारक समन और नोटिस का समय पर तामिल नहीं हो पाना है। मुकदमों के निपटारे में 60 फीसदी देरी इसके कारण ही हैं। इस कमी को दुरुस्त करने के लिए नेशनल सर्विस एंड इलेक्ट्रॉनिक प्रोसेस सिस्टम (तामील और इलेक्ट्रॉनिक तामील) बनाया गया है। देश में 24 मई 2020 तक 3 करोड़ 24 लाख करोड़ केस लंबित हैं। इनमें से 90 लाख से ज्यादा दीवानी और दो करोड़ तीन लाख से ज्यादा अपराधिक मुकदमे शामिल हैं। 32 फीसदी केस ऐसे हैं, जो एक साल से कम पुराने हैं। नेशनल ज्यूडिशियल डाटा ग्रिड के अनुसार, 7 फीसदी केस 10 से 20 साल पुराने हैं, जबकि 1.28 फीसदी केस 30 साल तक और 0.28 फीसदी 30 साल से भी अधिक पुराने हैं।

नोटिस और समन तामिल होने को समस्या बहुत बड़ी है। जैसे ही केस दायर होता है कोर्ट समन या नोटिस जारी करता है। पक्ष कभी तो खुद नोटिस प्रतिवादी को तामील करवाता है, लेकिन ये अक्सर कोर्ट के जरिए ही भेजा जाता है। लेकिन अब इलेक्ट्रॉनिक रूप से नोटिस तामिल करवाया जा रहा है। पार्टी के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर और ई-मेल पर नोटिस भेजे जा रहे हैं।

लॉकडाउन के दौरान फाइल केस

लॉकडाउन में जीवन भले ही ठहर गया हो लेकिन केस दायर होने की रफ्तार में कोई ज्यादा बदलाव नहीं आया है। पिछले एक महीने में 3049 केस दीवानी और 90,742 केस अपराधिक मामलों के सामने आए हैं। नेशनल डाटा ग्रिड में सभी 633 जिला अदालतों का डाटा है। पूरे देश में 8230 कोर्ट हैं जिनमें 19,794 जज/न्यायिक अधिकारी काम करते हैं।

पुलिस के लिए बढ़ेगी चुनौती, लॉकडाउन में छूट के साथ ही अपराध बढ़ने का डर

नई दिल्ली ए.। लॉकडाउन में छूट के बाद देश के ज्यादातर पुलिस बलों में एक बार फिर अपराध दर बढ़ने को लेकर चिंता जताई जा रही है। माना जा रहा है कि पुलिसबलों की चुनौती आने वाले दिनों में बढ़ेगी क्योंकि लॉकडाउन प्रतिबंध से बाहर आने के बाद भी कोविड प्रबंधन से जुड़ी ड्यूटी कई स्तरों पर जारी रहेगी। पिछले दिनों देश के कई राज्यों के पुलिसबलों ने इस चुनौती पर चर्चा की है। राज्यों में आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। एक आला अधिकारी ने कहा कि कोरोना संकट के दौरान लूट, छिनैती, हत्या, दुष्कर्म सहित विभिन्न अपराध की दर 40 से लेकर 75 फीसदी तक कम हो गई थी। कई जगहों पर तो अपराध दर में कमी का आंकड़ा और भी ज्यादा था। अधिकारी के मुताबिक सब कुछ बंद होने और बैरिकेड की वजह से पुलिस बलों के मूवमेंट में कमी आई थी। वे ज्यादातर निगरानी और व्यवस्था संभालने के काम में थे। लोगों को खाना बांटना, बर्थडे मनाने में सहयोग, लाशें जलानाआदि अलग काम एक कल्याणकारी पुलिस बल के रूप में किया जा रहा था। अधिकारी के मुताबिक लॉकडाउन के दौरान घरेलू हिंसा के आंकड़ों को छोड़ दें तो अन्य संगीन अपराधों पर नकेल अपने आप ही लग गई थी लेकिन अब पुलिस बलों को आशंका है कि रूटीन तरह के अपराध बढ़ सकते हैं।

एयरोस्पेस कंपनी वर्जिन ऑर्बिट का पहला रॉकेट प्रक्षेपण असफल

लॉस एंजेलिस ए.। एयरोस्पेस कंपनी वर्जिन ऑर्बिट, बोइंग 747 के जरिए नए रॉकेट को टेस्ट करने के अपने पहले प्रयास में विफल हो गई है। रॉकेट को दक्षिण कैलिफोर्निया के तट के पास प्रशांत महासागर में छोड़ा गया था। उद्घाटन प्रक्षेपण तब तक ठीक-ठाक जा रहा था जब रॉकेट को जम्बो जेट कॉस्मिक गर्ल के बाईं तरफ से हवा में छोड़ा गया। वर्जिन ऑर्बिट ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर सोमवार को बयान जारी कर पुष्टि की।

कंपनी ने कहा, 'हमने विमान से उसे बहुत अच्छे ढंग से छोड़े जाते हुए देखा। हालांकि, मिशन उड़ान के दौरान ही जल्द समाप्त हो गया। कॉस्मिक गर्ल और विमान में सवार हमारे चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और बेस पर लौट रहे हैं। इस बात पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई कि उस रॉकेट में क्या समस्या आई जो इस परीक्षण उपग्रह को लेकर जा रहा था। वर्जिन ऑर्बिट के विशेष परियोजनाओं के उपाध्यक्ष विल पोमीरैंट्ज ने परीक्षण से पहले शनिवार को एक वार्ता में बताया था कि पहले रॉकेट प्रक्षेपण के लिए होने वाले परीक्षणों में से आधे विफल हो जाते हैं।

जंबो जेट ने लॉस एंजिलिस के उत्तर में स्थित मोजेव एयर और स्पेस पोर्ट से उड़ान भरी थी और चैनल आईलैंड तक की दूरी तय की थी जहां से उसे गिरा दिया गया था। इस रॉकेट को कुछ समय तक के लिए हवा में रहना था जब इसके दो में से पहले चरण को प्रज्वलित होना था और तेज गति से दक्षिणी ध्रुव की तरफ बढ़ना था। इसका मकसद प्रक्षेपण के हर स्तर पर डेटा एकत्र करना था।

यूएसः भारतवंशी जोड़े ने बनाया सस्ता पोर्टेबल वेंटिलेटर

वॉशिंगटन ए.। अमेरिका में भारतवंशी जोड़े ने कम लागत वाला एक पोर्टेबल इमर्जेंसी वेंटिलेटर इजाद किया है जिसका जल्द ही उत्पादन शुरू किया जाएगा और उसे भारत और अन्य विकासशील देशों को जल्द उपलब्ध कराया जाएगा। जॉर्जिया टेक के जॉर्ज डब्ल्यू वुडरफस्कूल ऑफमकैनिकल इंजिनियरिंग के प्रफेसर देवेश रंजन और उनकी डॉक्टर पत्नी कुमुद रंजन अटलांटा में रहते हैं और उन्होंने तीन सप्ताह के अंदर एक प्रोटोटाइप वेंटिलेटर तैयार किया है।

प्रोफेसर रंजन ने बताया, 'अगर आप इस सत्र का निर्माण कर सकते हैं, तो यह 100 डॉलर से भी कम लागत पर बन जाएगा। अगर 500 डॉलर हो तो मेन्यूफैक्चर करने वालों के पास हो तो वे ये सुनिश्चित करेंगे कि मार्केट में उन्हें ज्यादा लाभ मिले।' प्रफेसर देवेश ने कहा कि इस तरह के वेंटिलेटर अमेरिका में औसतन 10,000 डॉलर में बनते हैं। रंजन हालांकि बताते हैं कि उनका वेंटिलेटर आईसीयू के लिए नहीं है क्योंकि उसमें और लागत आएगी। देवेश और कुमुद ने ओपन-एयरवेंट जीटी का निर्माण किया है ताकि स्वसन संबंधी गंभीर सिंड्रोम से पीड़ित मरीज का इलाज हो सके, जो लक्षण कोविड19 में सामान्य बात हैं जिससे उन्हें सांस लेने में दिक्कत होती है और आखिरकार वेंटिलेटर का सहारा लेना पड़ता है।

इस वेंटिलेटर को जॉर्जिया इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी में बनाया गया है जिसके लिए इलेक्ट्रॉनिक सेंसर्स और कम्प्यूटर कंट्रोल का इस्तेमाल किया गया है। डॉ. कुमुद बताती हैं, 'इस पूरी परियोजना का लक्ष्य कम लागत वाले मेकशिफ्ट वेंटिलेटर बनाना है जो डॉक्टर्स की मदद करेगा।' बता दें कि कोरोना वायरस महामारी के बीच दुनियाभर में वेंटिलेटर की भारी कमी देखी जा रही है। अब तक पूरी दुनिया में 3.4 लाख लोगों की मौत हो चुकी है और 54 लाख इससे संक्रमित हैं। अकेले अमेरिका में 98 हजार से ज्यादा जानें जा चुकी हैं और 17 लाख लोग कोरोना की चपेट में हैं। पूरी दुनिया में वैज्ञानिक कोरोना वायरस की वैक्सीन ढूंढने में लगे हैं ताकि मानवजाति को इसके चंगुल से मुक्त किया जा सके। बिहार के पटना में जन्म और त्रिची के कॉलेज से इंजिनियरिंग की डिग्री लेने के बाद यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कॉनसिन-मैडिसन से पीएचडी करने वाले देवेश छह सालों से बतौर प्रफेसर जॉर्जिया टेक में काम कर रहे हैं। जबकि कुमुद अपने मातापिता के साथ अमेरिका तब शिफ्ट हो गई थीं, जब उनकी उम्र महज 6 साल थी। वह मूल रूप से रांची की रहने वाली हैं। कुमुद ने मेडिकल की पढ़ाई न्यू जर्सी से की है।

सेना को टारगेट करने चीनी सैनिक लाठी-कंटीले तारों वाले डंडे और पत्थर का किया इस्तेमाल

नई दिल्ली ए.। भले ही चीनी सेना खुद को प्रोफेसनल फोर्स होने का दावा करती हो, मगर हाल ही में भारतीय सेना के साथ टकराव की घटना ने उसके खोखले दावे की पोल खोल दी है। चीन और भारत के बीच बीते कुछ समय से सीमा को लेकर जारी विवाद के बीच चीनी सैनिकों की नीच हरकत और गुंडागर्दी का सबूत सामने आया है। पूर्वी लद्दाख सेक्टर में पैंगोंग त्सो झील क्षेत्र में भारतीय सेना के साथ हालिया गतिरोध में चीनी सैनिकों ने भारतीय सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए लाठी, कंटीले तारों वाले डंडों और पत्थरों का इस्तेमाल किया।

सूत्रों ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया, 'चीनियों का व्यवहार पाकिस्तान समर्थित पत्थरबाजों की तरह रहा है, जो कश्मीर घाटी में भारतीय सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए पत्थर और लाठियों का इस्तेमाल करते हैं। चीनी सैनिक लाठियों, कंटीले तारों वाले क्लब, पत्थरों और हथियारों से लैस होकर पैंगोंग त्सो झील के पास वाले इलाके में भारतीय सैनिकों के साथ टकराव के दौरान आए थे।'

सूत्रों ने कहा कि गतिरोध के दौरान चीनी सैनिकों की संख्या ज्यादा थी और यह एडवांटेज था उनके लिए, मगर वहां मौजूद भारतीय सैनिकों के प्रति अनुचित आक्रामकता दिखाते हुए उन्होंने गैरे पेशेवर सेना की तरह व्यवहार किया। बता दें कि लद्दाख से अरुणाचल प्रदेश तक सभी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के साथ भारतीय और चीनी दोनों सेना असॉल्ट राइफल से लैस हैं। इस तथ्य के बावजूद इस क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए 1967 से लद्दाख क्षेत्र में गोलियां नहीं चलाई गई हैं।

सूत्रों ने कहा कि हाल ही में टकराव के दौरान चीनी सैनिकों ने दबंगों की तरह व्यवहार किया। चीनी सेना के पास ज्यादा संख्याबल होने और उनकी तरफ से बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर होने की वजह से उन्होंने भारतीय सेना को चारों ओर से घेर लिया। उन्होंने कहा, 'चीनी व्यवहार के विपरीत भारतीय पक्ष हम अपने अधीन आने वाले क्षेत्रों से चीनी को पीछे धकेलने के लिए इस तरह की रणनीति का इस्तेमाल कभी नहीं करता है।

केरल के सीएम का गृहनगर कोरोना वायरस हॉटस्पॉट घोषित

तिरुवनंतपुरम, ए.। कोरोना वायरस के आंकड़ों की सोमवार को की गई समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री पिनरई विजयन के गृहनगर कन्नूर को कोरोनावायरस हॉटस्पॉट घोषित कर दिया गया है। विजयन के गृह जनपद कन्नूर में सोमवार को 10 नए मामले सामने आए, जिससे यहां पॉजिटिव मामलों की संख्या बढ़कर 77 हो गई है। मुख्यमंत्री ने सोमवार को तीन अन्य स्थानों को कोरोनावायरस हॉटस्पॉट घोषित किया, और इस समय राज्य में 59 हॉटस्पॉट हैं। हालांकि विजयन कुछ समय से अपने गृहनगर नहीं गए हैं, क्योंकि वह राज्य की राजधानी में ठहरे हुए हैं। केरल में सोमवार को 49 नए मामले सामने आए हैं। राज्य में सक्रिय मामलों की संख्या कुल 359 है, जबकि 532 लोगों को इस वायरस से ठीक कर अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है। राज्य के कृषि मंत्री वी.एस. सुनीलकुमार ने मामलों में वृद्धि पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में मामले उम्मीद से ज्यादा हैं, लेकिन हम चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

■ न्यूज गैलरी

आईजी आनंद छाबड़ा को गुप्तवार्ता का भी प्रभार

रायपुर। राज्य शासन द्वारा भारतीय पुलिस सेवा के दो अधिकारियों के प्रभार में परिवर्तन किया गया है। गृह विभाग द्वारा आज मंत्रालय से जारी आदेश के अनुसार हिमांशु गुप्ता अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (गुप्तवार्ता) के प्रभार से मुक्त करते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक पुलिस मुख्यालय रायपुर में पदस्थ किया गया है। डॉ. आनंद छाबड़ा पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज को उनके वर्तमान कर्तव्यों के साथ-साथ पुलिस महानिरीक्षक (गुप्तवार्ता) पुलिस मुख्यालय रायपुर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

मुख्यमंत्री ने पंडित नेहरू की पुण्यतिथि पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने देश के पहले प्रधानमंत्री,भारत रत्न पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए नमन किया है। बघेल ने पंडित नेहरू की 56 वीं पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में कहा है कि पंडित नेहरू भारत भूमि के अनमोल रत्न थे, जिन्होंने देश की स्वाधीनता से लेकर इसके नवनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि पंडित नेहरू जन-जन के प्रिय नेता रहे हैं। आज भी भारतवासियों के दिल-दिमाग में उनके व्यक्तित्व और कृतित्व की अमिट छाप अंकित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पं. नेहरू ने देश के विकास के लिए लोकतंत्र को अपना मूलमंत्र बनाया और भारत को एक मजबूत आधार दिया। सामाजिक अधोसंरचना से लेकर सड़क, बिजली, पानी, रेलवे, विमानन जैसी भौतिक अधोसंरचना के विकास के लिए उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। भिलाई स्टील प्लांट छत्तीसगढ़ को पं. नेहरू की अनुपम सौगात है। नेहरू जी एक विद्वान लेखक, चिंतक और विचारक भी थे, इसकी झलक उनकी किताब 'विश्व इतिहास की झलक' और 'भारत एक खोज' में मिलती है।

टिड्डी से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी

रायपुर। मध्यप्रदेश में टिड्डी दल के हमले के बाद छत्तीसगढ़ में इसे लेकर एडवायजरी जारी की गई है। किसानों को टिड्डी दल के बारे में जानकारी दी गई है। टिड्डी की पहचान किस तरह की जाए और इससे कैसे बचा जा सकता है इसके बारे में बताया गया है। किसानों को चेतया गया है कि टिड्डी एक बार मे फसल चट कर देता हैं। इसकी पहचान है कि ये चमकीले पीले रंग और लंबे होते हैं। फसल के उपर ये चादर के जैसे दिखाई पड़ते हैं। फसलों को इनसे शोर मचा कर और फ्लेम थ्रोवर से बचाया जा सकता है। प्रशासन ने फसलों को इनसे बचान के लिए छिड़कने वाली दवाओं के नाम भी जारी किए हैं।

राजधानी का देवेन्द्र नगर इलाका कंटेंनमेंट जोन घोषित

अगले आदेश तक क्षेत्र में समस्त दुकानें, ऑफिस व अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानें पूर्णत: बंद रहेगी

कंटेन्मेंट जोन में घर पहुंच सेवा के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति उचित दरों पर किया जाएगा

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के देवेन्द्र नगर इलाके में एक कोरोना मरीज मिलने के बाद उस क्षेत्र को कंटेंनमेंट घोषित किया गया है, जिससे बाद इस क्षेत्र में अगले आदेश तक के लिए समस्त दुकानें, ऑफिस व अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानें पूर्णतः रूप से बंद रहेगी।

देवेन्द्र नगर क्षेत्र के भाटापारा के फाफाडीह काली मंदिर के पास सोमवार को एक कोरोना संक्रमित मरीज मिला है जिसे देखते हुए जिला प्रशासन ने पूर्व में निजी प्रेस के सामने, पश्चिम में भवानी डाइग्नोस्टिक के सामने व फाफाडीह एक्सप्रेस-वे से भाटापारा के लिए एंटी पॉइंट, उत्तर में एक्सप्रेस वे और दक्षिण में सुप्रिता

नर्सिंग होम तक को कंटेनमेंट जोन घोषित किया गया है। इस कंटेनमेंट जोन के अंतर्गत सभी दुकानें, आफिस और अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अगले आदेश तक पूरी तरह से बंद रहेंगे।

प्रभारी अधिकारी द्वारा कंटेन्मेंट जोन में घर पहुंच सेवा के माध्यम से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति उचित दरों पर किया जाएगा। कन्टेनमेंट जोन अंतर्गत सभी प्रकार के वाहनों के आवागमन पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। मेडिकल इमरजेंसी को छोड़कर अन्य किसी भी कारणों से घर से बाहर निकलना प्रतिबंधित किया गया है। कन्टेनमेंट जोन में शासन के मानकों के अनुसार व्यवस्था बनाये रखने के लिए जिला पुलिस रायपुर ने आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित किया जाएगा। जिला चिकित्सा और स्वास्थ्य द्वारा संबंधित क्षेत्र में शासन के निर्देशानुसार स्वास्थ्य निगरानी, सेम्पल की जांच आदि आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएगी।

कंटेंनमेंट जोन में आवश्यक सुरक्षा और व्यवस्था के लिये अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए है। कंटेंटमेंट जोन में प्रवेश और निकाष की व्यवस्था के लिए बेरिकेटिंग कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग, सेनेटाईजेशन व्यवस्था आयुक्त नगर पालिक निगम, घरों का एक्टिव सर्विलांस, स्वास्थ्य टीम को एस.ओ.पी, अनुसार दवा, मास्क, पी.पी.ई. इत्यादि उपलब्ध कराने और बायोमेडिकल अपशिष्ट का प्रबंधन मुख्य चिकित्सा-स्वास्थ्य अधिकारी और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राजीव कुमार पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर रायपुर को प्रभारी अधिकारी नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ में प्रचंड गर्मी

नवतपा : जनजीवन हुआ बुरी तरह से प्रभावित

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राजधानी रायपुर सहित पूरे प्रदेश में इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी से जनजीवन पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है। नवतपा के कल पहले ही दिन चिलचिलापी धूप और प्रचंड गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। वहीं मोसम विभाग ने प्रदेश के कई इलाकों में लू चलने की चेतावनी भी जारी की है।

छत्तीसगढ़ में नवतपा का पहला दिन प्रचंड गर्मी के साथ खूब तपा। उत्तर-पश्चिम दिशा से आ रही गर्म-शुष्क हवा के असर से न केवल राजधानी रायपुर बल्कि प्रदेश के अधिकांश इलाकों में तापमान तेजी से ऊपर चढ़ गया है। राज्य के लगभग सभी प्रमुख शहरों में कल अधिकतम तापमान का आंकड़ा 44 से लेकर 45.6 डिग्री के मध्य दर्ज किया गया है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश में इस समय भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। हालांकि गत सप्ताह आए समुद्री तूफान के चलते तापमान में काफी गिरावट दर्ज की गई थी। लेकिन तूफान के गुजरने के बाद से ही तापमान में तेजी से इजाफा दर्ज किया जा रहा है। मौसम विभाग ने राजधानी रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर संभाग के जिलों में आगामी दो दिनों तक भीषण गर्मी के साथ लू चलने की चेतावनी जारी कर दी हे। इधर राजधानी रायपुर में ही कल अधिकतम तापमान का आंकड़ा 45.4 डिग्री रिकार्ड किया गया है। मौसम विभाग ने बताया कि गर्मी अब अपने पीक लेवल पर आ गया है, लिहाजा तापमान में अब कोई विशेष परिवर्तन नहीं होगा। तापमान में एकात डिग्री का ही फर्क आ सकता है, इसके अलावा प्रदेश में फिलहाल मौसम का मिजाज शुष्क बना रहेगा।

रोज 100 मजबूर मेहमानों को खिला रहा खाना

रायपुर। संजीवनी फाउन्डेशन कोरोना से जंग जीतने के लिए प्रयासरत है। संजीवनी फाउन्डेशन आचार्य सरयूकांत झा स्मृति संस्थान एवं हिंदी साहित्य और व्यंग्य संस्थान रायपुर इस कोशिश में बीते सप्ताहभर से रोजाना नियत समय पर 100 मजबूर मेहमानों को भोजन परोस रहा है। वैश्विम महामारी की चपेट में अन्य राज्यों के फंसे लोगों की मदद के उद्देश्य से फाउन्डेशन के जिम्मेदार इस सेवा में जुटे हैं। अध्यक्ष राजशेखर चौबे ने नवप्रदेश को बताया कि 21 मई से रोज 12 बजे टाटीबंध चौक रायपुर में भूखे-प्यासे मजबूरों को संस्थान के सदस्य भोजन पैकेट, पानी, बैठकर खाने के लिए पंडाल का इंतजाम किये हैं।

संस्था के सेवादार सदस्यों में सुबोध तिवारी, एमपी अग्रवाल, परमेश्वर, आनंद किशोर, वीपी दाढ़े, हीरालाल गिरी, हेमराज, फनेश कुमार, राजेश अग्रवाल, प्रशांत काले, पन्नालाल मोहित पाटिल, देवनारायण शर्मा, महेंद्र ठाकुर, शारदेन्दु झा समेत सभी साथी सदस्यों की भागीदारी सराहनीय है।

कोरोना संकट में रोजगार संगी एप : युवाओं और नियोक्ताओं के लिए बना अहम कड़ी

रायपुर। कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण काल में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित मोबाईल एप रोजगार देने वाली संस्थाओं, व्यक्तिविशेष और कौशल प्रशिक्षित युवाओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में काम कर रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण द्वारा तैयार रोजगार संगी मोबाईल एप को गूगल प्ले स्टोर के माध्यम से डाउनलोड किया जा सकता है। इस एप के माध्यम से छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न शहरों में स्थित उद्योग में स्वयं को पंजीकृत कर सकते हैं। जिसमें वो अपने संस्था में आवश्यक कुशल श्रमिकों का विवरण दे

सकते हैं। साथ ही मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत प्रशिक्षित युवा स्वयं को पंजीकृत कर जिले एवं राज्य में उपलब्ध रोजगार के अवसर की जानकारी ले सकते हैं। इस प्रकार अब यह एप नियोक्ता एवं कुशल कारीगरों को एक प्लेटफार्म मे लाने में अहम भूमिका निभा रहा हैं। इस एप के बारे में अधिक जानकारी के लिए राज्य के जिलों में स्थित जिला कौशल विकास प्राधिकरण के सहायक संचालकों से संपर्क किया जा सकता है।

जोगी के स्वास्थ्य में 18वें दिन भी कोई सुधार नहीं

मस्तिष्क की गतिविधियां न के बराबर

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी की हालत आज अस्पताल पहुंचने के 18वें दिन भी गंभीर बनी हुई है। उन्हें वेंटीलेटरर से लगातार कृत्रिम सांस दी जा रही है, वहीं मस्तिष्क को एक्टिव करने का हर संभव प्रयास जारी है। राजधानी रायपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती पूर्व सीएम अजीत जोगी की हालत में कोई सुधार नहीं आया है। अस्पताल से जारी मेडिकल बुलेटिन में बताया गया कि श्री जोगी की मस्तिष्क की गतिविधियां वर्तमान में भी न के बराबर है। हालांकि उनका लीवर, हार्ट रेट, बीपी, यूरिन आउटपुट नियंत्रित हैं। लेकिन उनके मस्तिष्क की गतिविधियां न के बराबर होने के कारण चिकित्सक लगातार चिंता में डूबे हुए हैं। श्री जोगी के मस्तिष्क को जागृत करने के लिए न केवल देश के ख्यातिप्राप्त चिकित्सकों से सलाह ली जा रही है, बल्कि विदेशों के भी विशेषज्ञ चिकित्सकों से सलाह लेकर उनका उपचार किया जा रहा है।

रेल मंडल का दावा, श्रमिक स्पेशल ट्रेनों में भोजन-पानी का है इंतजाम

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा लॉकडाउन के कारण विभिन्न स्थानों पर फंसे प्रवासी मजदूरों, तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, छात्रों और अन्य व्यक्तियों को विभिन्न स्थानों पर ले जाने के लिए लगातार श्रमिक स्पेशल ट्रेने चलाई जा रही है। श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के जरिए अपने मिशन ''घर वापसी'' को गति प्रदान करते हुये अधिक से अधिक संख्या में गाड़ियों का परिचालन कर श्रमिकों को उनके गृह राज्य पहुंचाया जा रहा है। लॉकडाउन के कठिन परिस्थिति में भी वाणिज्य विभाग द्वारा आईआरसीटीसी के माध्यम से रायपुर मंडल से गुजरने व समाप्त होने वाली नामित गाड़ियों में सभी श्रमिकों के लिए नाश्ता, भोजन तथा पीने का बोतल बंद

पानी उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

रायपुर स्टेशन से प्रतिदिन लगभग 15-20 श्रमिक गाड़ियां गुजरती है। भीषण गर्मी के दिनों में इतनी सारी गाड़ियों के सभी कोचों में तय समय में बोतल बंद पानी, खाना, नास्ता उपलब्ध कराना एक चुनौती से कम नहीं है। इस कार्य को मंडल वाणिज्य विभाग द्वारा सुचारू रूप से किया जा रहा है। बोतल बंद पानी की आपूर्ति हेतु समुचित व्यवस्था कर बेहतरीन प्रयोग किया जा रहा है। इसके अलावा श्रमिक यात्रियों को कोच के पास ही पाइप के माध्यम से उचित दूरी बनाते हुए पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। यात्रियों की बोटल पानी से भर रहे हैं।

असंतोष | आज गांव, गरीब, किसान और प्रवासी मजदूरों के लिए मांगेंगे सुरक्षा

देशभर के 300 किसान संगठन करेंगे देशव्यापी प्रदर्शन

■ छत्तीसगढ़ में किसानों, दलित-आदिवासियों से जुड़े 25 संगठन शामिल

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। नौतपे की भीषण गर्मी और कोरोना संक्रमणकाल के बीच अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति (एआईकेएससीसी) ने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। अखिल भारतीय किसान संघर्ष समन्वय समिति से जुड़े 300 किसान संगठनों ने 27 मई को देशव्यापी प्रदर्शन की घोषणा की है। छत्तीसगढ़ में किसान संघर्ष समिति 28 मई को भी प्रदर्शन करेगी। किसान संगठनों ने गांव, गरीब, किसान और प्रवासी मजदूरों को आर्थिक, सामाजिक सुरक्षा देने की मांग को लेकर देशव्यापी प्रदर्शन का आह्वान किया है।

छत्तीसगढ़ में किसानों, दलित-आदिवासियों से जुड़े 25 से ज्यादा संगठन इस प्रदर्शन में शामिल हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ किसान सभा, आदिवासी एकता महासभा, किसानी प्रतिष्ठा मंच, भारत जन आंदोलन, छग प्रगतिशील किसान संगठन, राजनांदगांव जिला किसान संघ, क्रांतिकारी किसान सभा, छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन, छमुमो मजदूर कार्यकर्ता समिति, हसदेव अरण्य बचाओ संघर्ष समिति, छग आदिवासी कल्याण संस्थान, छग किसान-मजदूर महासंघ, किसान संघर्ष समिति कुरूद, दलित-आदिवासी मंच, छग किसान महासभा, छग आदिवासी महासभा, छग प्रदेश किसान सभा, किसान जन जागरण मंच, किसान-मजदूर संघर्ष समिति, किसान संघ कांकेर, जनजाति अधिकार मंच, आंचलिक किसान संगठन, जन मुक्ति मोर्चा और छत्तीसगढ़ कृषक खंड संगठन इस प्रदर्शन में शामिल होंगे। किसान संगठनों में केन्द्र सरकारी की किसान विरोधी नीतियों को लेकर आक्रोश है। किसान संघर्ष समन्वय समिति के पदाधिकारियों ने किसानों से अपील की है कि केन्द्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों को लेकर घर-घर जाकर किसानों और आदिवासी, मजदूरों को जागृत किया जाएगा। 27 मई को होने वाले प्रदर्शन में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए विरोध जताने की रणनीति बनाई गई है। किसान अपने घरों, खेतों, मनरेगा स्थलों, गांव की गलियों में दो गज की दूरी छोड़कर कतार बनाकर बैठेंगे और अपने संगठनों के झंडे-बैनर के जरिये आधे घंटे तक अपना विरोध दर्ज कराएँगे।

इन मांगों को लेकर होगा धरना-प्रदर्शन

विरोध प्रदर्शन के जरिये कृषि कार्यों को मनरेगा से जोड़ने और प्रवासी मजदूरों सहित सभी ग्रामीणों को काम देने; रबी फसलों, वनोपजों, सब्जियों, फलों और दूध को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदे जाने और समर्थन मूल्य स्वामीनाथन आयोग के सी-2 लागत का डेढ़ गुना देने; सभी ग्रामीण परिवारों को छह माह तक 10000 रुपये मासिक आर्थिक सहायता देने; सभी जरूरतमंदों को छह माह तक प्रति व्यक्ति 10 किलो अनाज मुफ्त देने, राशन दुकानों के जरिये सभी आवश्यक जीवनोपयोगी वस्तुएं सस्ती दरों पर प्रदान करने और राशन वितरण में धांधली बंद करने; शहरों में फंसे ग्रामीण मजदूरों को उनसे यात्रा व्यय वसूले बिना सुरक्षित ढंग से उनके गांवों में पहुंचाने और बिना सरकारी मदद पहुंच चुके प्रवासी मजदूरों को 5000 रुपये प्रवास भत्ता राहत के रूप में देने; खेती-किसानी को हुए नुकसान के लिए प्रति एकड़ 10000 रुपये मुआवजा देने; किसानों से ऋण वसूली स्थगित करने और खरीफ सीजन के लिए मुफ्त बीज, खाद और कीटनाशक देने; किसानों और ग्रामीण गरीबों को बैंकिंग और साहूकारी कड़ई से मुक्त करने; डीजल-पेट्रोल की कीमत न्यूनतम 25 रुपये घटाने; किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाकर 18000 रुपये वार्षिक करने और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करने की मांग उठाई जा रही है।

केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट में झूठा हलफनामा भी दे रही-संजय पराते

छत्तीसगढ़ किसान सभा के प्रदेशाध्यक्ष जब तक कानून बनाकर फसल को सी-2 लागत मूल्य का डेढ़ गुना न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं दिया जाता और किसानों को कर्जमुक्त नहीं किया जाता, खेती-किसानी की हालत नहीं सुधारी जा सकती। मनरेगा को भी कृषि कार्यों से जोड़ने की जरूरत है, तभी अपने गांवों में पहुंचे करोड़ों प्रवासी मजदूरों को काम देना संभव होगा। इसी प्रकार, गांवों के जिन मजदूरों ने अपना शरीर गलाकर इस देश के औद्योगिक विकास में अपना योगदान दिया है, आज संकट के समय उनके घरों में उन्हें सुरक्षित पहुंचाना भी केंद्र सरकार की ही जिम्मेदारी है, लेकिन वह इस जिम्मेदारी से भी भाग रही है और सुप्रीम कोर्ट में झूठा हलफनामा भी दे रही है।

1.53 लाख श्रमिकों की हुई प्रदेश में सकुशल वापसी

राज्य शासन द्वारा जारी लिंक के जरिए अन्य राज्यों में फंसे 2.96 लाख लोगों ने कराया पंजीयन

राज्य की 1337 छोटे-बड़े कारखाना प्रारंभ, लगभग 1.02 लाख से अधिक श्रमिकों मिला पुन: रोजगार

रायपुर। नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण अन्य राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के श्रमिकों को मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर सकुशल वापस लाने का सिलसिला जारी है। श्रमिक स्पेशल ट्रेनों एवं अन्य वाहनों में माध्यम से वापस आ रहे हैं, 23 मई तक छत्तीसगढ़ के एक लाख 53 हजार प्रवासी श्रमिकों की राज्य में सकुशल वापसी हो चुकी है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा अन्य प्रदेशों में फंसे श्रमिकों की सुरक्षित वापसी के लिए 53 श्रमिक स्पेशल ट्रेन प्रस्तावित है। श्रम मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया ने बताया कि छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार मण्डल द्वारा रेल्वे को अब तक 32 स्पेशल ट्रेनों के परिचालन के लिए 2 करोड़ 91 लाख 40 हजार से अधिक की राशि का भुगतान किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि 34 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के माध्यम से अब तक छत्तीसगढ़ के 48 हजार 634 प्रवासी श्रमिकों एवं 346 अन्य यात्रियों को वापस लाया जा चुका है।

डॉ. डहरिया ने बताया कि देश व्यापी लॉकडाउन के चलते अन्य राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के श्रमिकों, छात्रों एवं चिकित्सा की आवश्यकता वाले लोगों की वापसी को लेकर राज्य सरकार द्वारा कई एहतियाती कदम उठाए गए। छत्तीसगढ़ के प्रवासी श्रमिकों एवं अन्य लोगों की वापसी के लिए ऑनलाइन पंजीयन की व्यवस्था के तहत 23 मई तक कुल 2 लाख 96 हजार 587 लोगों ने पंजीयन कराया है, जिसमें 2 लाख 72 हजार 152 श्रमिक तथा शेष छात्र, तीर्थ यात्री, पर्यटक एवं अन्य लोग शामिल है। जिसमें से एक लाख 53 हजार श्रमिक एवं नागरिक छत्तीसगढ़ राज्य स्थित अपने गृह ग्राम वापस आ चुके हैं। छत्तीसगढ़ राज्य के भीतर अन्य जिलों में फंसे 13 हजार 237 श्रमिकों को सकुशल उनके गृह जिला भिजवाया गया है। वहीं छत्तीसगढ़ में फंसे अन्य राज्यों के 27 हजार 100 श्रमिक वापस अपने गृह राज्य जा चुके हैं।

श्रम मंत्री डॉ. डहरिया ने बताया कि लॉकडाउन के दौरान अन्य राज्यों में फंसे छत्तीसगढ़ के 17 हजार 677 श्रमिकों को भोजन, राशन, चिकित्सा आदि की व्यवस्था व तत्कालिक राहत पहुंचाने के उद्देश्य से उनके खातों में 66 लाख 73 हजार रूपए की राशि का सीधे अंतरित की गई है।

संपादकीय

महाराष्ट्र में सियासी संकट

देश में कोरोना वायरस का सबसे ज्यादा असर महाराष्ट्र पर पड़ा है। देश में जितने भी कोरोना वायरस से संक्रमित लोग पाए गए है उनमें से लगभग 40 प्रतिशत महाराष्ट्र के है। महाराष्ट्र सरकार कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में असफल सिद्ध हो रही है। यही नहीं बल्कि प्रवासी मजदूरों की समस्या का समाधान करने में भी महाराष्ट्र सरकार की विफलता उजागर हो चुकी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे केन्द्र के सिर पर ठिकरा फोड़ कर अपनी जिम्मेदारी से बचने की असफल कोशिश कर रहे है। प्रवासी मजदूरों को उनके प्रदेशों में भेजने के लिए उन्होने रेल मंत्रालय से पर्याप्त संख्या में ट्रेनों की मांग की नहीं की जिसकी वजह से महाराष्ट्र के लाखों प्रवासी मजदूरों को सैकड़ो किलोमीटर दूर अपने प्रदेशों के लिए पैदल ही निकलना पड़ा। अब उद्धव ठाकरे केन्द्र पर आरोप लगाया है कि उसने पर्याप्त ट्रेनें महाराष्ट्र को नहीं दी। इसके जवाब में केन्द्रीय रेल मंत्री पीयूष गोयल ने उन्हे ट्वीट कर कहा कि वे 125 ट्रेनें तत्काल देने को तैयार है। उद्धव ठाकरे प्रवासी मजदूरों की संख्या बताएं और किन-किन स्टेशनों में ट्रेनों की आवश्यकता है इसकी जानकारी तत्काल उपलब्ध कराएं लेकिन महाराष्ट्र सरकार ने यह जानकारी रेल मंत्रालय को नहीं दी। इसी से स्पष्ट है कि महाराष्ट्र सरकार अपने दायित्व के निर्वहन में असफल हो रही है और केन्द्र सरकार पर बेवजह आरोप लगा रही है। महाराष्ट्र में कोरोना संक्रमित लोगों के उपचार की भी माकूल व्यवस्था नहीं की गई है। क्वारंटीन सेंटरों में भी बदहाली का आलम है कुल मिलाकर महाराष्ट्र सरकार हर मोर्चे पर विफल हो रही है और इस मुद्दे को लेकर महाअघाड़ी गठबंधन में दरार पड़ने लगी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने तो महाराष्ट्र सरकार से पल्ला ही झाड़ लिया है, उनका कहना है कि सरकार चलाना और सरकार को समर्थन देना अलग बात है। राहुल गांधी के इस बयान से साफ है कि महाराष्ट्र सरकार की नाकामयाबी ने कांग्रेस हिस्सेदारी नहीं चाहती। कांग्रेस को यह भी शिकायत रही है कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कोरोना को लेकर पिछले एक पखवाड़े के दौरान जितनी भी महत्वपूर्ण बैठके की है उसमें कांग्रेस नेताओं को बुलाया नहीं गया है। जाहिर है साझे की हांडी के चौराहे पर फूटने का खतरा नजर आ रहा है। महाराष्ट्र के हालातों को देखते हुए भाजपा ने महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की है। पूर्व मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने आरोप लगाया है कि उद्धव ठाकरे सरकार महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने और प्रवासी मजदूरों की समस्या को हल करने में बुरी तरह असफल है इसलिए महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन लगाया जाना चाहिए। देखना दिलचस्प होगा कि ठाकरे सरकार इस सियासी संकट से कैसे उबरती है।

नेहरू और पटेल बैलों की एक जोड़ी

एल एस हरदेनिया

तमाम मतभेदों के बावजूद दोनों में गजब का तालमेल था

> नेहरूजी को संबोधित एक पत्र में पटेल गांधी की सलाह का उल्लेख करते हैं। गांधी ने सलाह दी थी कि दोनों (नेहरू और पटेल) को राष्ट्रहित की खातिर मिलकर चलना है। यदि ऐसा नहीं होता है तो यह देश के लिए खतरनाक होगा। पटेल लिखते हैं: ''मैंने बापू के इस अंतिम परामर्श पर पूरी मुस्तैदी से अमल किया है। इस परामर्श के अनुसार मैंने आपका पूरी मजबूती से साथ दिया है। यद्यपि इसके बावजूद मैं आपको समय-समय पर अपने विचारों से बिना किसी हिचक के अवगत कराता रहा हूं। मैं पूरी तरह से आपके प्रति वफादार रहा हूं। अनेक अवसरों पर हमारे बीच मतभेद हुए हैं। कभी-कभी इन मतभेदों ने गंभीर रूप भी लिया है। इसके बावजूद हमने राष्ट्र के हित में नीति निर्धारण की प्रक्रिया में इन मतभेदों को रोड़ा नहीं बनने दिया है।'' इस बीच पटेल की तबियत खराब हो गई। पटेल बंबई चले गए। नेहरू ने उन्हें पत्र लिखकर कहा कि वे पूरी तरह से अपने स्वास्थ्य के प्रति ध्यान दें। वे उन समस्याओं को पूरी तरह से भूल जाएं जिनका सामना हमें करना पड़ रहा है।

''नेहरू और पटेल एक दूसरे के पूरक व्यक्ति थे। नेहरू का वैचारिक आधार फेबियन विचारधारा थी जिसके अनुसार संसदीय प्रजातंत्र मानवीय आकांक्षाओं की पूर्ति का सबसे अधिक शक्तिशाली साधन है। वहीं सरदार पटेल मानवीय मनोविज्ञान के अध्येता थे। उन्होंने उन आधारों को समझने का प्रयास किया था जिनसे ब्रिटिश साम्राज्य को सफलता मिली।' ये शब्द हैं सुप्रसिद्ध पत्रकार दुर्गादास के, जो उन्होंने सरदार पटेल के पत्रव्यवहार के दसवें खंड की भूमिका में लिखे हैं। दुर्गादास ने दस पृथक पुस्तकों में सरदार पटेल के पत्रव्यवहार को संकलित किया है। इन पुस्तकों से जहां हमें पटेल और नेहरू के मतभेदों के बारे में जानकारी मिलती है वहीं यह तथ्य भी उजागर होता है कि तमाम मतभेदों के बावजूद दोनों के बीच पारस्परिक स्नेह और सम्मान का धागा भी किस मजबूती से जुड़ा हुआ था।

पत्र व्यवहार के दसवें खंड में सरदार पटेल की पुत्री मनीबेन पटेल ने सरदार पटेल और नेहरू के बारे मे महात्मा गांधी की धारणा को उद्धत किया है। मनीबेन लिखती हैं ''गांधीजी पटेल और नेहरू को बैलों की जोड़ी कहते थे। इन दोनों बैलों की जोड़ी ही राष्ट्र के भार को खींचती थी।'' दुर्गादास सरदार पटेल के इंदौर में दिए गए भाषण का उल्लेख करते हैं। इंदौर में वर्ष 1950 में एक सभा को संबोधित करते हुए पटेल ने कहा था ''कांग्रेस अपनी पूरी ताकत से नेहरू के साथ है।''

नेहरूजी को संबोधित एक पत्र में पटेल गांधी की सलाह का उल्लेख करते हैं। गांधी ने सलाह दी थी कि दोनों (नेहरू और पटेल) को राष्ट्रहित की खातिर मिलकर चलना है। यदि ऐसा नहीं होता है तो यह देश के लिए खतरनाक होगा।

पटेल लिखते हैं: ''मैंने बापू के इस अंतिम परामर्श पर पूरी मुस्तैदी से अमल किया है। इस परामर्श के अनुसार मैंने आपका पूरी मजबूती से साथ दिया है। यद्यपि इसके बावजूद मैं आपको समय-समय पर अपने विचारों से बिना किसी हिचक के अवगत कराता रहा हूं। मैं पूरी तरह से आपके प्रति वफादार रहा हूं। अनेक अवसरों पर हमारे बीच मतभेद हुए हैं। कभी-कभी इन मतभेदों ने गंभीर रूप भी लिया है। इसके बावजूद हमने राष्ट्र के हित में नीति निर्धारण की प्रक्रिया में इन मतभेदों को रोड़ा नहीं बनने दिया है।'' इस बीच पटेल की तबियत खराब हो गई। पटेल बंबई चले गए। नेहरू ने उन्हें पत्र लिखकर कहा कि वे पूरी तरह से अपने स्वास्थ्य के प्रति ध्यान दें। वे उन समस्याओं को पूरी तरह से भूल जाएं जिनका सामना हमें करना पड़ रहा है।

भारत के अंतिम ब्रिटिश वायसराय माउंटबेटन ने 16 अप्रैल 1950 को पटेल को एक पत्र लिखा। इस पत्र में उन्होंने विशेष रूप से इस बात का उल्लेख किया कि आप भारत के सर्वाधिक शक्तिशाली व्यक्ति हैं। आपके समर्थन

नेहरू की पुण्यतिथि पर विशेष

> भारत के अंतिम ब्रिटिश वायसराय माउंटबेटन ने 16 अप्रैल 1950 को पटेल को एक पत्र लिखा। इस पत्र में उन्होंने विशेष रूप से इस बात का उल्लेख किया कि आप भारत के सर्वाधिक शक्तिशाली व्यक्ति हैं। आपके समर्थन और सहयोग के चलते नेहरू कभी भी असफल नहीं होंगे। आप जो समर्थन नेहरू को दे रहे हैं उसका न सिर्फ राष्ट्रीय वरन् अंतर्राष्ट्रीय महत्व है। वैसे सरदार पटेल को कांग्रेस के बहुमत का समर्थन प्राप्त था। परंतु अपने बिगड़ते हुए स्वास्थ्य के कारण वे देश की पूरी जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते थे।

और सहयोग के चलते नेहरू कभी भी असफल नहीं होंगे। आप जो समर्थन नेहरू को दे रहे हैं उसका न सिर्फ राष्ट्रीय वरन् अंतर्राष्ट्रीय महत्व है। वैसे सरदार पटेल को कांग्रेस के बहुमत का समर्थन प्राप्त था। परंतु अपने बिगड़ते हुए स्वास्थ्य के कारण वे देश की पूरी जिम्मेदारी नहीं लेना चाहते थे। पटेल की स्पष्ट राय थी कि नेहरूजी की दुनिया भर में जो प्रतिष्ठा है वह देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वे नेहरू को पूरा सहयोग देने के लिए प्रस्तुत थे किंतु उनका एक ही तर्क था कि नेहरू को जरा व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए- विशेषकर मुसलमानों के बारे में। पटेल ने शेख अब्दुल्ला के रवैये के बारे में नेहरू को अनेक बार चेतावनी दी थी।

इस तरह ऐसे कुछ मुद्दे थे जिनको लेकर दोनों में मतभेद थे। परंतु पटेल इस बात को महसूस करते थे कि नेहरू को जनता का अगाध स्नेह प्राप्त था। सच पूछा जाए तो नेहरू ही भारत था और इसलिए देश के बुनियादी हितों के मद्देनजर पटेल ने नेहरू को बिना शर्त समर्थन दिया। सरदार पटेल की एक जीवनी प्रसिद्ध आईसीएस अधिकारी केवल एल. पंजाबी ने लिखी है। इस जीवनी का शीर्षक है ''द इनडोमीटेबिल सरदार''। इस पुस्तक में इस बात का उल्लेख किया गया है कि हिन्दू-मुस्लिम प्रश्न पर पटेल और महात्मा गांधी के बीच भी मतभेद थे। परंतु इन मतभेदों के बावजूद पटेल ने हमेशा गांधी को अपना गुरू माना और स्वयं को उनका चेला।

पटेल और नेहरू की चर्चा करते हुए गांधी हमेशा कहा करते थे कि मेरे दो पुत्र हैं - जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल। दोनों को मेरा बराबर का स्नेह प्राप्त है। दोनों पर मेरा बराबर का भरोसा है। गांधी का विश्वास था कि दानों मिलकर भारत का नेतृत्व करेंगे। अन्य बातों के अतिरिक्त आरएसएस को लेकर नेहरू और पटेल में मतभेद थे। नेहरूजी संघ को एक खतरनाक संगठन मानते थे। पटेल की मान्यता थी कि संघ का मत परिवर्तन किया जा सकता है। इसके बावजूद पटेल ने संघ के नेताओं से यह स्पष्ट कह दिया था कि वे अपना आक्रामक रवैया छोड़ दें और कानून अपने हाथ में न लें।

दुर्गादास दूसरे खंड के अंत में गांधी, पटेल और नेहरू का महत्वपूर्ण शब्दों में मूल्यांकन करते हैं। गांधी ने टार्च जलाई, नेहरू गांधी के टार्च बियरर थे, पटेल ने टार्च को मसाला दिया। गांधी में लोगों को सम्मोहित करने की ताकत थी, नेहरू में जनता को आकर्षित करने की शक्ति थी और पटेल में सभी चीजों को व्यवस्थित करने की अद्भुत क्षमता थी। इस तरह तीनों ने आजादी हासिल करने और आजाद भारत के विकास में जबरदस्त भूमिका निभाई। पटेल ने देश को एक किया और प्रशासनिक ढांचा दिया। नेहरू ने देश की आदर्शवादी वैचारिक नींव डाली और दुनिया में देश को एक नैतिक शक्ति के रूप में स्थान दिलवाया। अंतिम नतीजा यह है कि इतिहास में कभी भी इन तीनों (गांधी, नेहरू व पटेल) के योगदान को कम करके न आंका जाए (जैसा कि किया जा रहा है)। आशा है आज का नेतृत्व सुप्रसिद्ध पत्रकार दुर्गादास की इस चेतावनी को याद रखेगा। - **(संवाद)**

विचार-

प्रवासी मजदूरों की दुविधा

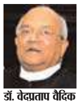

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

उत्तरप्रदेश सरकार ने प्रवासी मजदूरों के लिए कुछ ऐसी घोषणाएं की हैं, जो अगर लागू हो गईं तो अपने गांव वापस लौटे मजदूरों का काफी भला हो जाएगा लेकिन उसका दूसरा पहलू यह भी है कि वे अगर शहरों की तरफ वापस नहीं लौटे तो भारत के उद्योग-धंधे ठप्प हो सकते हैं। माना जाता है कि देश में प्रवासी मजदूरों की संख्या 6-7 करोड़ के करीब है। यह संख्या उनकी है, जो कारखानों में नियमित काम करते हैं, जिनको मासिक वेतन मिलता है और जिनके आधार कार्ड बने हुए हैं लेकिन घरेलू नौकरों, पटरियों पर सामान बेचेनवालों, ठेलोंवालों और दुकानों के छोटे कर्मचारियों की कोई निश्चित गिनती किसी भी सरकार के पास नहीं है। तीन साल पहले 'नेशनल सेंपल सर्वे' की रपट के मुताबिक दिल्ली और मुंबई में 43 प्रतिशत जनता बाहरी है याने वे लोग प्रवासी हैं। तालाबंदी के बाद मची भगदड़ में ज्यादातर प्रवासी मजदूर अपने गांवों की तरफ वापस लौट रहे हैं। जो पंजीकृत हैं उनकी संख्या उप्र, मप्र, बिहार, छत्तीसगढ़ आदि में लाखों तक जा रही है। जो पैदल ही लौट रहे हैं, उनकी संख्या और भी ज्यादा है लेकिन इस वक्त उप्र की सरकार ऐसी अकेली सरकार है, जो वादा कर रही है कि हर लौटनेवाले मजदूर को वह काम देगी। इसके लिए वह प्रवासी आयोग स्थापित कर रही है। सारे मजदूरों का वह बीमा भी करवाएगी। उसने यह मालूम करना भी शुरु कर दिया है कि कौनसा मजदूर क्या-क्या काम कर सकता है। यही प्रक्रिया बिहार सरकार भी अपनाने जा रही है। हो सकता है कि अन्य प्रदेश भी इसी राह पर चल पड़ें। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि गांवों में छोटे-मोटे उद्योग-धंधे कौन लगाएगा ? पूंजी कहां से आएगी ? तैयार माल को बाजारों तक पहुंचाना कितना खर्चीला होगा ? यह ठीक है कि मनरेगा के तहत कुछ समय के लिए करोड़ों प्रवासियों को रोजगार दिया जा सकता है। उन्हें अपने गुजारे लायक पैसे तो मिल जाएंगे लेकिन ये पैसे कितने दिनों तक घर बैठे बांटे जा सकेंगे ? और फिर मनरेगा के भुगतान में भी तरह-तरह के भ्रष्टाचार की खबरें आती रही हैं। इसमें शक नहीं कि करोड़ों मजदूरों के भरण-पोषण को सबसे पहली प्राथमिकता मिलनी चाहिए लेकिन शहरों में चल रहे उद्योग-धंधों को भी किसी तरह चालू किया जाना चाहिए। इसका भी कुछ पता नहीं कि जिन मजदूरों को एक बार शहर की हवा लग गई है, वे गांवों में टिके रहना पसंद करेंगे या नहीं ?

अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की चुनौती

राजेश माहेश्वरी

> भारत में ऑटो उद्योग पहले से ही आर्थिक सुस्ती का शिकार था। अब यह और प्रभावित हो सकता है। लॉकडाउन के दौर में प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे अपने साथी कर्मचारियों को सहयोग दें। इसके बावजूद बड़े संस्थान भी या तो वेतन में कटौती करने लगे हैं या कर्मचारियों को घर की राह दिखाने लगे हैं। ऐसे में मंदी का डर बढ़ना ही है और मंदी का यह डर ही बेरोजगारी की आशंका की वजह बनता है। डब्लूएचओ की मानें तो कोविड-19 के संकट का अभी सबसे बुरा दौर आना बाकी है। हम अभी सिर्फ संभावनाएं जता सकते हैं। लेकिन, यह जरूर स्पष्ट होता जा रहा है कि अर्थव्यवस्था में मांग एवं आपूर्ति आधारित सुस्ती के साथ-साथ बेरोजगारी का भीषण संकट आ रहा है।

कोरोना वायरस का कहर देश में जारी है। संक्रमितों की संख्या डेढ लाख का आंकड़ा पार कर चुकी है। संक्रमण का फैलाव रोकने में लॉकडाउन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, इसे विशेषज्ञों ने भी माना है। लेकिन लॉकडाउन के चलते आर्थिक गतिविधियां एकदम ठप हो गई हैं। आर्थिक गतिविधियां बन्द होना एक साथ कई संकट लेकर आया है। सबसे ज्यादा परेशानी गरीब व श्रमिक वर्ग को हुई। रोज कमाने और खाने वाला तबका तो सड़क पर ही आ गया। रोजी रोटी के सवाल से परेशान श्रमिक वर्ग महानगरों और शहरों को छोड़कर अपने गांव और घर लौट रहा है। अब तक लाखों प्रवासी श्रमिक अपने घरों को लौट चुके हैं। कोरोना का प्रभाव कब तक रहेगा ये विशेषज्ञों को भी ठीक से पता नहीं है। ऐसे में लम्बे समय तक तालाबंदी संभव भी नहीं है? कोरोना से बेपटरी हुई अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए ही केन्द्र सरकार ने 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की भी घोषणा की है। मध्यम वर्ग, गरीब, किसान और श्रमिक वर्ग पर सरकार का फोकस है। बहरहाल, लॉकडाउन के बाद उपजी परिस्थितियों के बाद चीजों को पटरी पर लाने के लिए विमानन सेवा शुरू होना राहतकारी है।

भारतीय अर्थव्यवस्था पर नजर दौड़ाएं तो हमारी अर्थव्यवस्था की सबसे कमजोर आबादी यानी किसान, असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूर, दैनिक मजदूरी के लिए शहरों में पलायन करने वाले मजदूर और शहरों में सड़क के किनारे छोटा-मोटा व्यापार करके आजीविका चलाने वाले लोग हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था में उत्पादन करने वाले यानी वह क्षेत्र जो इस देश में पूंजी और गैर-पूंजी वस्तुओं का उत्पादन करता है। सामान्य भाषा में कहें तो मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर या बिजनेस सेक्टर। दुनियाभर की सरकारें इन दोनों ही पहलुओं पर काम कर रही हैं। सरकारों ने अपने देश में स्थिति से निपटने के लिए बड़े राहत पैकेज का एलान किया है और उसी क्रम में भारत सरकार ने भी गरीबों की मदद के लिए एक बड़े पैकेज का एलान किया है। वो अलग बात है कि पैकेज का असर जमीन पर दिखते-दिखते दिखेगा। इन स्थितियों के चलते ही

केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों से परामर्श के बाद लॉकडाउन में कई रियायतें प्रदान की है। जिससे हिचकोले खाती अर्थव्यवस्था को संभाला जा सका। अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करने के लिए आर्थिक गतिविधियों का संचालन शर्तों के साथ शुरू करवा दिया है। इसके सकारात्मक प्रभाव दिखने भी लगे हैं। लॉकडाउन के दो महीने बीत जाने के बाद देश में हवाई सफर की शुरूआत हुई। अर्थव्यवस्था के दृष्टिगत यह बेहद आवश्यक था, क्योंकि राजस्व का एक मोटा हिस्सा हमारी घरेलू विमान सेवाओं से ही आता है। लॉकडाउन के कारण नागर विमानन क्षेत्र को करीब 25,000 करोड़ रुपए का घाटा झेलना पड़ा है। सोमवार से देश के आसमान में घरेलू उड़ानों ने अपने पंख पसार दिए। करीब 1000 उड़ानों का संचालन एक ही दिन में हुआ। घरेलु विमान सेवाएं शुरू होने से अर्थव्यस्था को तो बल मिलेगा ही वहीं विभिन्न शहरों में फंसे लोग अपने गंतव्यों तक आसानी से पहुंच भी सकेंगे। कोरोना वैश्विक महामारी के बढ़ते फैलाव के बावजूद घरेलू उड़ानों का निर्णय लेना पड़ा। केंद्र सरकार इस चरण के बाद अंतराष्ट्रीय उड़ानों को खोलने पर विचार करेगी। पिछले दिनों ही नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि, भारत अगस्त से पहले अच्छी-खासी संख्या में अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों को फिर से शुरू करने की कोशिश करेगा। अंतरराष्ट्रीय एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के मुताबिक विमानन उद्योग को यात्रियों से होने वाले कारोबार में कम से कम 63 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। इस अनुमान में माल ढुलाई के व्यापार को होने वाला नुकसान भी शामिल नहीं है।

वर्तमान की बात करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था एक गहरी संकट की तरफ बढ़ रही है। विभिन्न प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर के संदर्भ में जो आकलन जारी किए हैं, वे चिंताजनक हैं। आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक, एडीबी और मूडीज जैसी संस्थाओं ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान में एक बड़ी कटौती की है। आईएमएफके अनुसार भारत की जीडीपी विकास दर 1.9 फीसदी रह सकती है। विश्व बैंक ने दो संभावनाएं जताई हैं। पहली संभावना यह है कि अगर भारत सही वक्त पर सही तरीके से इसे कंट्रोल करने में कामयाब रहा तो अर्थव्यवस्था में जीडीपी वृद्धि दर 4 फीसदी रहेगी। अगर संकट गहराता है और लॉकडाउन को आगे बढ़ाया जाता है तब यह वृद्धि दर घटकर 1.5 फीसदी हो जाएगी। इन सभी समस्याओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था 'रिवर्स माइग्रेशन' को भी देख रही है। अभी यह देश के भीतर ही हो रहा है जहां लोग शहरों से वापस गांव की तरफ लौट रहे है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यह बड़े स्तर पर संभव है। उदाहरण के रूप में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में इमीग्रेशन रोकने के प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर दिए है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

लहरों की धार का

लहरों की धार का प्रवाह मोड़ते है हम लहरो के संग संग बह नही पायेंगे हड्डियाँ है ठूस रखी जिसने भी मुख मे वो चुप ही रहेंगे कुछ कह नही पायेंगे वाणी के सपूत और सच के सिपाही हम सत्य को तो मृत देख रह नही? पायेंगेक्रूर कौरवो ने है रचाया चक्रव्यूह फिर अभिमन्यु वध और सह नही पायेंगे बिल्कुल नही लगता ये वही महाराष्ट्र है।

- नरेन्द्र गुप्ता कवि

जीवन एक वृक्ष है

जीवन एक वृक्ष है, संस्कार इसमें दिया जाने वाला खाद पानी और आचरण ही इसका फल है। जीवन रुपी इस वृक्ष में संस्कार रुपी खाद पानी का जितना सुन्दरतम सिंचन किया जाएगा, आचरण रुपी फल भी उतना ही मधुरतम व श्रेष्ठतम होगा।

- डॉ विद्याकांत त्रिवेदी

ख़ास पाती | चाहता कब है कोई अंधेरा मिले

चाहता कब है कोई, अँधेरा मिले हर किसी को नहीं ये उजाला मिले इल्तिजा इतनी सी है मेरी, मेरे रब शख़्स हर इक यहाँ खिलखिलाता मिले ख़्वाब मेरे हक़ीक़त में ढल जाएं सब क्यों नहीं ऐसा कोई तरीका मिलेदौर ऐसा अभी तक तो आया नहीं डूबते को हमेशा किनारा मिले हर खुशी साथ हो, कोई ग़म भी न हो, ढूंढने से कहाँ वो ठिकाना मिले माँग लेंगे तुझे, बेचकर नेमतें इस से सस्ता नहीं कोई सौदा मिले ख़ुश रहे मुफ़लिसी में भी हम तो अधीर ख़्वाहिशें कब थी, कोई ख़ज़ाना मिले।

- सुरेश पंसारी

भारत तेरी शान निराली तीज

भारत तेरी शान निराली तीज त्योहार सजे घरवाली पति को ही परमेश्वर माने करती सबकी वो रखवाली व्रत उपवास भी करती रहती घर में सबकुछ सहती रहती अपना धर्म निभाना जाने कोई बोले तो चुप रहतीजनम-जनम का साथ निभाने अक्सर ही वो तत्पर रहती कुल की मर्यादा के खातिर सबकुछ वो न्यौछावर करती धन्य उसे, प्राचीन विरासत को सदैव सम्मानित करती सहनशक्ति का सँचय करके नहीं कभी अपमानित करती।

- जे डी कुदाल

इक इक पल की कींमत समझो

इक इक पल की कींमत समझो,पल पल का सम्मान करो। क्षण क्षण जीवन बीत रहा है,हर क्षण की पहचान करो। नर हो , आयन को चमका दो , नारायन बन जाओगे- पंचतत्व का मर्म समझ लो,कण कण का अभिमान करो।

- अमित शिवकुमार दुबे

मेरा मानना है कि यदि कुछ

मेरा मानना है कि यदि कुछ हट कर आपने कुछ किया है तो उसे अवश्य दिखाते हैं, तो बात समझ में आती है । लेकिन वही किया जो अनिवार्य है तो उसे जग जाहिर कर अनिवार्यता में कमी कर दी । जिसे गुप्त रखना हो उसे सार्वजनिक बनाकर अपनी आस्था या अपने परमपिता परमेश्वर को आडंबर का रूप दे दिया । ये मेरा मानना है ।?? किन्तु इसका मतलब ये नहीं कि जिसे जग जाहिर करना हो उसे ही गुप्त बना दें ।

- पूनम झा

करोना लॉकडाउन में पड़ा क्या-क्या

करोना लॉकडाउन में पड़ा क्या-क्या नहीं सहना, गले मिलना हुआ मुश्किल मगर ऐ दिल मिले रहना। अजब माहौल है माना कहीं गुम हैं सभी रौनक़, कभी बदलेगा मौसम भी ये जामा जो अभी पहना। दुआओं की बदौलत फिर हँसेगी जब यही दुनिया, मुबारक हो सभी खुशियाँ 'अधर' सबसे यही कहना। **- शुभा शुक्ला मिश्रा 'अधर'**

एहतियात से संवरती हो! नजाकत से

एहतियात से संवरती हो! नजाकत से उतरतीं हो! रंग प्रेम का गाढ़ा गाढ़ा झ्रसुनहले भाप के बादल से सैकड़ों रश्मियों से होड़ करती हो! मधुर गीत गाती सी चूडियों के साज पर थिरकती हो! पारदर्शी मन में प्रवेश कोई यूँ ही तो नहीं पा लेता है! तुम विश्व मोहिनी हो, विश्व मोहिनी।

- डॉ मेनका त्रिपाठी

है प्रातः काल बरसती है आग

है प्रातः काल बरसती है आग अब तो जाग !!! लेगा ये लील सुन तेरा अस्तित्व नर नारीत्व !! कर ही देगा एक दिन ये भस्म खुशी के रस्म !!हाँ होगा नाच हर तरफआँच यही है साँच।

- सीमा राय द्विवेदी

QUIZ TIME

1) विद्वानों एवं मुस्लिम धर्मतत्वज्ञों के लिए मुगल शासकों द्वारा कौन-सा भू-राजस्व अनुदान दिया जाता था, जिसे सयूरघल भी कहा जाता है?

2) डच उपनिवेशवाद के विरूद्ध किस दक्षिण पूर्व एशियाई देश द्वारा किए जाने वाले संघर्ष के समर्थन में वर्ष 1948 में आकाशवाणी की प्रथम बाह्य सेवा प्रारंभ की गई थी?

3) हाइपरटेंशन : न्यून रक्त चाप :: हाइपोटेंशन : ?

4) 'ए रिवर सूत्र' का लेखक कौन है?
(क) वी.एस.नायपॉल (ख) नीरद सी. चैधरी (ग) गीता मेहता (घ) विक्रम सेठ

5) ग्रेट ब्रिटेन की कम्युनिस्ट पार्टी में एक प्रमुख पत्रकार और सिद्धांतकार का नाम बताए?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) मदद-ए-माश /आइम्मा (2) इंडोनेशिया (3) निम्न का तीव्र (4) गीता मेहता (5) रजनी पामे दत्त

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1153- मेलकॉम चतुर्थ स्कॉटलैंड के राजा बने। 1199- हेनरी द्वितीय के पुत्र जॉन की इंग्लैंड के राजा के रूप में ताजपोशी हुई। 1332- प्रसिद्ध इतिहासकार इब्ने खलदून का जन्म। 1805- नेपोलियन बोनापार्ट इटली के सम्राट बने। 1894- प्रख्यात आलोचक और निबंधकार पदुमलाल पन्नालाल बख्शी का जन्म। 1919- तेलुगू के प्रसिद्ध विद्वान कंदुकूरी वीरेशलिंगम का निधन। 1926- लेबनान ने संविधान को अंगीकार किया। 1928- प्रसिद्ध इतिहासकार बिपिन चन्द्र का जन्म। 1935- डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पत्नी रमाबाई अम्बेडकर का निधन । 1957- भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नितिन गडकरी का जन्म। 1962- प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी एवं कमेंटेटर रवि शास्त्री का जन्म।

न्यूज गैलरी

हाईकोर्ट में एक अतिरिक्त महा अधिवक्ता और दो उप महाधिवक्ता की नियुक्ति

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में पैरवी करने के लिए शासन की ओर से महाधिवक्ता कार्यालय में नई नियुक्तियां की गई हैं. इनमें एक अतिरिक्त महाधिवक्ता और दो उप महाधिवक्ता की नियुक्ति की गई है ।

विधि और विधायी कार्य विभाग की ओर से प्रमुख सचिव नरेश कुमार चंद्रवंशी की ओर से जारी आदेश में अतिरिक्त महाधिवक्ता के पद पर सुनील ओटवानी और उप महाधिवक्ता के पद पर अनिमेष तिवारी और डॉ. वीणा नायर की नियुक्ति की गई है. आदेश में नए नियुक्त सहायक और उप महाधिवक्ता छत्तीसगढ़ विधि विभाग मैनुअल संबंधी प्रावधानों व समय-समय पर नियुक्ति संबंधी जारी संशोधनों से शासित होंगे, इसके अलावा दोनों पक्ष कभी भी यह संविदा समाप्त करने के लिए स्वतंत्र होंगे. सहायक व उप महाधिवक्ता 31 दिसंबर 2015 के अनुसार पारिश्रमिक देय के पात्र होंगे।

चैपाटी, चाट पकौड़ी, फास्ट फूड की दुकानों को शर्तो पर खोलने दी गई अनुमति

सूरजपुर। कोविड 19 कोरोना वायरस के बचाव एवं नियंत्रण हेतु पूर्व में जारी आदेश 19 मार्च 2020 के माध्यम से छ.ग. शासन के निर्देश के परिपालन में कलेक्टर श्री दीपक सोनी के द्वारा जिलान्तर्गत चैपाटी , चाट पकौड़ी, फास्ट फूड एवं अन्य खाद्य वस्तुओं के विक्रय हेतु अस्थाई दुकानें लगाने पर प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया गया था। कोरोना वायरस के संक्रमण के दौरान जनसामान्य एवं उपरोक्त व्यवसाय से जुड़े हुए लोगों के व्यवसाय को दृष्टिगत रखते हुए जिलान्तर्गत सभी इन्सीडेन्ट कमाण्डर को उनके क्षेत्र अन्तर्गत चैपाटी , चाट पकौड़ी ठेले को खुलने एवं बंद होने के लिए प्रातः 9.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक एवं खुलने के दिनों के निर्धारण हेतु शर्तों के अधीन अधिकृत किया जाता है। दो ठेलों के मध्य कम से कम 20-20 फीट की दूरी अनिवार्यतः होनी चाहिए, एक ही स्थान पर 10 से अधिक ठेले नहीं लगेंगें । दुकानदार एवं ठेला संचालक तथा ग्राहक सभी के लिए सोशल एवं फिजीकल डिस्टेंसिंग सिद्धांत का पालन तथा मास्क लगाया जाना अनिवार्य होगा, एक समय में पांच से अधिक व्यक्ति इकट्ठा नही होंगे, ठेला के बाहर साबुन एवं पानी अथवा सेनेटाईजर की व्यवस्था रखी जावे, किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना के लिए ठेला संचालक दोषी होंगे, यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा , जो 31 मई 2020 तक या आगामी आदेश पर्यन्त तक प्रभावशील होगा ।

होम क्वारंटीन में होगी सामुदायिक निगरानी -कलेक्टर

जांजगीर-चापा। कलेक्टर श्री जनक प्रसाद पाठक ने आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कोविड -19 के संक्रमण एवं बचाव के लिए गठित जिला स्तरीय कोर कमेटी की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि संस्थागत क्वारंटीन की अवधि 14 दिन पूर्ण होने के बाद श्रमिकों को क्वारेंटीन सेंटर से मुक्त किया जा रहा है। श्रमिको से 14 दिनों का होम क्वारेंटीन में रहने के लिए शपथ पत्र लिया जाएगा। होम क्वारंटीन में रहने वाले श्रमिको की निगरानी सामुदायिक स्तर पर की जाएगी। ग्रामीणों का दायित्व होगा की वे अन्य जिले या राज्य से आए लोगों की जानकारी प्रशासन को उपलब्ध कराए। स्थानीय स्तर पर वे तहसीलदार, थानेदार, ग्राम पंचायत सचिव को सूचित कर सकेंगे। इसके लिए क्वारंटीन सेंटर के लिए नियुक्त 151 नोडल अधिकारियों को भी मानिटरिंग की जवाबदारी दी जाएगी। गावों में जागरूकता के लिए प्रतिदिन मुनादी भी करवायी जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि होम क्वारंटीन में रह रहे श्रमिकों के स्वास्थ्य की निगरानी के लिए सर्विलांस टीम को जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। श्रमिकों के गृह ग्राम आने पर निर्धारित प्रारूप में आगंतुकों का संपूर्ण विवरण दर्ज किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा होम क्वारंटीन वाले घर के बाहरी दीवार पर स्टीकर चस्पा किया जाएगा।

निधन

किशोरीलाल रामनिवास

बिलासपुर । बिल्हा निवासी किशोरीलाल रामनिवास अग्रवाल उम्र 61 वर्ष की अल्पायु में स्वर्गवास हो गया हैं।

आप श्री हीरालाल, बिरदीचंद, त्रिलोकचंद, सूरजमल के अनुज तथा उत्तम व सुशील के पिता तथा बैंकर्स क्लब के समन्वयक ललित अग्रवाल के चाचाजी थे। उनका अंतिम संस्कार आज मुक्तिधाम बिल्हा में किया गया।

कोरोना का कहर, बिलासपुर और मुंगेली अब रेड जोन में

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर । पिछले दो दिनों में कोरोना पॉजिटिव से ग्रसित प्रवासी मजदुरो की संख्या में आई तेजी से चलते राज्य शासन ने मुंगेली और बिलासपुर को रेड जोन घोषित कर दिया है हालांकि पहले बिलासपुर जिले में मस्तूरी तखतपुर और बिल्हा ही रेड जोन था और बिलासपुर शहर ग्रीन जॉन से आगे बढ़कर ऑरेंज जोन में आ चुका था मगर अब बिलासपुर शहरी क्षेत्र भी रेड ज़ोन घोषित हो जाने से सम्पूर्ण लॉक डाउन का पालन शहर वासियों को करना होगा ।

तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामले को देखते हुए एक बार फिर से जोन का वर्गीकरण किया गया है ,जिसमें कई जोन की स्थिति बदली है ।बिलासपुर में भी तेजी से बढ़ते कोरोना के मामलों के कारण ही बिलासपुर के कोटा, तखतपुर मस्तूरी, बिल्हा के साथ बिलासपुर शहरी क्षेत्र को भी अब रेड जोन में शामिल कर लिया गया है इसके अलावा मुंगेली, बालोद के डौंडीलोहारा, कोरबा, रायगढ़ राजनांदगांव के छुरिया, अंबिकापुर कवर्धा के पंडरिया , बलोदा बाजार को रेड जोन में शामिल कर लिया

गया है । इससे अब यहां मिल रही रियायत में कमी की जाएगी और प्रशासन सख्त नियम करने जा रही है। इसी बीच बिलासपुर के कलेक्टर भी बदल गए, इसलिए उम्मीद है कि नए कलेक्टर और सख्त फैसले लेंगे । वहीं मुंगेली क्षेत्र का लोरमी ऑरेंज जोन में शामिल है ।

उल्लेखनीय है कि राज्य में सर्वाधिक संख्या में ग्रामीणों का अन्य राज्यो में पलायन बिलासपुर और मुंगेली जिले से ही होता है । जिले के मस्तूरी ,तखतपुर बिल्हा पथरिया के साथ ही जांजगीर चाम्पा जिले के पामगढ़ ,शिवरीनारायण से भी बड़ी संख्या में हर वर्ष ग्रामीण पलायन करते है । इस लिहाज से श्रमिक स्पेशल ट्रेनों में इन्ही क्षेत्रो के सर्वाधिक मजदूर वापस लौटे है यही नही कोरोना वायरस के डर से बड़ी संख्या में वे मजदूर भी अन्य राज्यो के कोरोना हॉटस्पॉट घोषित जिलों से वापस लौटे है जो हर वर्ष आते जाते नही बल्कि पिछले कई वर्षों से वहीं रह रह रहे थे । बड़ी संख्या में मजदूरों की वापसी से कोरोना संक्रमित लोगो की संख्या भी रोज बढ़ रही है । बिलासपुर चूंकि संभागीय मुख्यालय है और रेलवे जोनल मुख्यालय भी इस कारण पूरे प्रदेश के अप्रवासी मजदूरो का रेला ट्रेन के माध्यम से बिलासपर ही पहुंच रहा है और यहां से फिर अन्य साधनों से गंतव्य को पहुंचाया जा रहा है इस वजह से बिलासपुर अति संवेदनशील हो गया है और यहां के लोग जो अभी तक पहले ग्रीन और उसके बाद ऑरेंज जोन में थे अब रेड जोन के कड़े नियमो का पालन करना पड़ेगा ।

गोकुलपुर फाटक में सीमित ऊंचाई सब-वे निर्माण के पूर्व ढलित बॉक्सों को सफलतापूर्वक किया गया लांच

■ **सड़क उपयोगकर्ताओ की बेहतर सुरक्षा हेतु पहल**

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर । कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम हेतु 30 जून 2020 तक सभी नियमित यात्री गाड़ियों का परिचालन रद्द है 7 रेलवे सुरक्षा व संरक्षा के प्रति संवेदनशील है 7 समय का सदुपयोग करते हुये सुरक्षा व संरक्षा से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा किया जा रहा है जो सामान्य दिनों में संभव नहीं है 7 रेलवे प्रशासन द्वारा आम लोगों की सुरक्षा एवं संरक्षा के दृष्टिकोण से समपार फाटकों को बंद किये जाने हेतु सीमित ऊंचाई सबवे निर्माण का कार्य किया जा रहा है।

कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम हेतु सुरक्षा के सभी मानकों के अनुपालन के साथ आज दिनांक 26 मई 2020 को बिलासपुर-अनुपपुर सेक्शन के कलमीटर स्टेशन यार्ड किमी 741/31-32 में स्थित मानव सहित समपार संख्या बीके-12 गोकुलपुर फाटक को बंद करने हेतु बन रहे सीमित ऊंचाई सबवे में पूर्व ढलित बॉक्सों को लांचिंग का कार्य किया गया 7 इस कार्य के लिए 7 घंटे का ब्लॉक लिया गया था परंतु मंडल के अधिकारियों के नेतृत्व में टावरकार व अन्य आधुनिक मशीनों तथा कर्मठ कर्मचारियों द्वारा लगनशीलता के साथ कार्य करते हुये तय समय से 15 मिनट पहले इस कार्य को पूरा कर लिया गया। उपरोक्त समपार पर सीमित ऊंचाई सबवे का निर्माण पूरा होने के पश्चात फाटक पार करने हेतु इसका प्रयोग किया जाएगा। इसप्रकार सडक उपयोगकर्तायों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होगी तथा समपार फाटकों में अकस्मात् होने वाली दुर्घटनाएं भी नही होगी।

प्लेटफार्म व ट्रैक की स्वच्छता हेतु सफाई व सेनीटाइजेशन का विशेष प्रबंध

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा लॉकडाउन के कारण विभिन्न स्थानों पर फंसे प्रवासी मजदूरों, तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, छात्रों और अन्य व्यक्तियों के लिए मिशन ''घर वापसी'' के तहत अधिक से अधिक संख्या में श्रमिक स्पेशल गाड़ियों का परिचालन कर श्रमिकों को उनके गृह राज्य पहुंचाया जा रहा है।

बिलासपुर स्टेशन से प्रतिदिन 20-25 श्रमिक स्पेशल गाड़ियां गुजर रही है नामित गाड़ियों में निःशुल्क खानपान उपलब्ध कराये जा रहे हैं। साथ ही भारी संख्या में श्रमिकों का आगमन भी हो रहा है। इसके अलावा स्पेशल ट्रेन का परिचालन भी हो रहा है जिसमे यात्रियों का आवागमन हो रहा है।

ऐसी परिस्थिति में कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के मद्देनजर बिलासपुर सहित मण्डल के सभी स्टेशनों में स्वच्छता व सेनीटाइजेसन का कार्य योजनबद्ध तरीके से संपादित किया जा रहा है। श्रमिक स्पेशल गाड़ियों के प्रस्थान के तुरंत बाद पूरे प्लेटफार्म, आसपास के स्थान तथा ट्रेकों को आधुनिक मशीनों से सफाई तथा सेनीटाइज़ किया जा रहा है। श्रमिकों द्वारा अज्ञानतावश ट्रेकों में फेंके गए भोजन के खाली पेकेट व बोतलों आदि की गंदगी की सफाई कराते हुये बेहतरीन स्वच्छता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही श्रमिक यात्रियों को गंदगी नहीं फैलाने के लिए समझाइस देते हुये उन्हें जागरूक किया जा रहा है।

बिलासपुर कलेक्टर बनाए गए, 2010 बैच के आईएएस सारांश मित्तर

बिलासपुर। राज्य शासन द्वारा आईएएस अफसरों के जारी तबादला आदेश में भारतीय प्रशासनिक सेवा 2010 बैच के अधिकारी सारांश मित्तर को बिलासपुर कलेक्टर के पद पर नियुक्त किया गया है। वही बिलासपुर में कलेक्टर के पद पर पदस्थ डॉ संजय अलंग को प्रमोट करते हुए बिलासपुर में ही? संभागायुक्त के पद पर पदस्थ किया गया है। डॉक्टर संजय अलंग को बिलासपुर के साथ ही सरगुजा कमिश्नर का प्रभार भी अतिरिक्त रूप से सौंपा गया है। बिलासपुर के कलेक्टर बनाए गए सारांश मित्तर अभी सरगुजा जिले में कलेक्टर हैं। श्री मित्तर सरगुजा जिले के पूर्व बालोद जिले के कलेक्टर, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के मिशन संचालक, नगर निगम रायपुर के आयुक्त, जिला पंचायत दंतेवाड़ा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, पडरौना के अनुविभागीय राजस्व अधिकारी तथा बस्तर जिले में सहायक कलेक्टर के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

सूरजपुर जिले को मिली दो नई 108 एम्बुलेंस

सूरजपुर। घायल और बीमारों को अस्पताल ले जाने वाली 108 संजीवनी एक्सप्रेस आज 26 मई 2020 को सरगुजा विकास प्राधिकरण एवं विधायक प्रेमनगर श्री खेलसाय सिंह के द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह 108 संजीवनी एक्सप्रेस विकासखण्ड ओड़गी और प्रेमनगर के लिए अपनी सेवाएॅ प्रदान करेंगे। 108 संजीवनी एक्सप्रेस के आने से लोगों को तत्काल सुविधा मिल जाती है, जिससे उनकी जान बच जाती है। यह

सेवा पूर्णतः निःशुल्क है, जो 24 घंटे व 365 दिन जनहित के लिए उपलब्ध रहती है। यह सेवा समाज के हर वर्ग के लिए है। दया इंसानियत, करूणा जैसे लफ्ज जबकि किताबों की शोभा बनते जा रहे हैं, ऐसे में ईएमआरआई 108 सेवाएं मानवता की की अनूठी मिसाल कायम करती है।

अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों और दवाईयों से सज्जित चिकित्सा वाहन और आवश्यकता पड़ने पर दूर बैठे विशेषज्ञों से टेली कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये अनिवार्य परामर्श भी प्रदाय करती है। 108 सेवाएं जीवन बचाने में वरदान सिद्ध हुई है। 108 संजीवनी रवाना के समय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अष्वनी देवांगन, विधायक प्रतिनिधि श्री सुनिल अग्रवाल, जिला प्रवक्ता श्री रामकृष्ण ओझा, श्री हर्ष पालीवाल, अनुप गोयल, मुकेश अग्रवाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस. सिंह, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. शशि तिर्की, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. अनिता पैकरा, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय मरकाम, जोनल प्रभारी सरगुजा 108 श्री विनय शर्मा, स्टेट को-ऑर्डिनेटर श्री जे.एच.अंसारी, अब्दुल रहमान, टीम लीडर श्री अजय साहू, श्री सी.के. महेश्वरी, संदीप गुप्ता, जिला मिडिया प्रभारी सुरेश गुप्ता एवं समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

श्रमिक स्पेशल ट्रेन में 428 यात्री पहुंचे चांपा

■ **एस डी एम चांपा सहित अन्य अधिकारियों ने किया श्रमिकों का स्वागत,**

जांजगीर-चांपा। कल रात करीब 11 बजे श्रमिक स्पेशल ट्रेन से गुजरात के मेहसाणा से 428 श्रमिकों का चांपा रेलवे स्टेशन आगमन हुआ। ट्रेन के चांपा प्लेटफार्म पहुंचने पर एस डी एम श्री बजरंग दुबे, तहसीलदार श्री के के लहरे सहित अन्य विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रमिकों का ताली बजाकर स्वागत किया।

जांजगीर-चांपा चांपा जिले में ट्रेन सहित अन्य साधनों से आने वाले श्रमिक, यात्रियों का कलेक्टर श्री जनक प्रसाद पाठक के दिशा निर्देश और मार्गदर्शन में कोविड 19 से संक्रमण का बचाव करते हुए श्रमिकों का सावधानी

पूर्वक क्वारंटीन की कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर द्वारा जिले में विभिन्न माध्यमों से आने वाले श्रमिक, यात्रियों पर सतत निगरानी रखी जा रही है और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं।स्वच्छता कर्मियों ने कल रात चांपा आए श्रमिकों के सामानों को स्प्रे कर सेनेटाइज किया। श्रमिकों को चांपा सेवा संस्थान तथा अन्य एन जी ओ के सहयोग से भोजन के पैकेट उपलब्ध कराए गए। सतीश सिंह द्वारा उद्घोषणा कर श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण और शारीरिक दूरी का पालन करने श्रमिकों का मार्गदर्शन किया गया।

आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों में ऋण व खाद-बीज का वितरण

सूरजपुर। जिले में कलेक्टर श्री दीपक सोनी के निर्देषन एवं शासन की मंषानुसार आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों में खरीफ ऋण वितरण वर्ष 2019-20 हेतु नगद एवं वस्तु में खाद बीज का वितरण प्रति दिन किसानों को किया जा रहा है। अभी तक जिले के 26 समितियों के अंतर्गत 8217 किसानों को 1408.94 लाख रूपयें का वितरण किया जा चुका है। इस संबंध में बैंक के नोडल अधिकारी श्री अरविन्द सिंह नामदेव ने बताया कि जिले के सभी समितियो में सोषल डिसटेंसिंग का ध्यान रखते हुए किसान भाईयों को खाद बीज एवं नगद राषि ऋण

उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होनें किसान भाईयों से अपील किया है कि खाद, बीज बारिष होने से पूर्व समितियों में आकर लेवें।

इसी क्रम में कृषक श्री गुलाब पिता नारायण ग्राम सलका विकासखंड सूरजपुर ने बताया कि ऋण के तौर पर आज समिति से 22965 रू का खाद प्राप्त किया है। जिससे बहुत खुषी है, अब इसका उपयोग खेतों में करके अच्छी फसल का उत्पादन कर सकेंगें। इसके साथ ही कृषक श्री गुलाब ने बताया कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना से उनके खाते में 24838 रूपये प्राप्त हुए है जिससे उनकी परिवार के भरण-पोषण की चिन्ता भी दुर हुई है। इसके लिए उन्होनें राज्य शासन सहित जिला प्रषासन का धन्यवाद किया हैं।

खेत में बचे पैरे को गौठानों में दान करने की तैयारी, मशीनों से बनाये जा रहे गट्ठर

नवप्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। खेत में धान की फसल कटाई के बाद बचे पैरे को बेलर मशीन से गोलाकार गट्ठर लगाकर किसान गौठानों में दान करने की तैयारी कर रहे हैं। जिससे गौठानों में आने वाले पशुओं के लिये चारा उपलब्ध हो सके।

खेत में बचे पैरे को बेलर मषीन के माध्यम से गोलाकार गट्ठर बनाकर किसान आसानी से एकत्रित कर सकते हैं और अपने पशुओं को सूखा चारा दे सकते हैं। कृषि विभाग द्वारा बेलर मशीन को चलाने और पैरे के गट्ठर बनाने की विधि का प्रदर्शन किसानों को खेतों में दिया जा रहा है। इसके लिये गांव का चयन भी किया गया है। जहां के किसानों को यह विधि बताई जा रही है।

बिल्हा विकासखंड के ग्राम खम्हारडीह, महमंद और मस्तूरी विकासखंड के ग्राम लावर और दर्रीघाट में बेलर मषीन से हार्वेस्टर चलाने के बाद खेत में पड़े पैरा को गट्ठर बनाने का प्रदर्शन किया जा रहा है। अभी तक इन गांवों में 200 गट्ठर तैयार कर गौठानों में देने की तैयारी की जा रही है।

जिले में इस वर्ष 18 हजार हेक्टेयर से ज्यादा गर्मी के धान की खेती की गई है। बढ़ते कृषि यंत्रीकरण और समय अभाव के कारण किसान कम्बाईंड हार्वेस्टर से धान फसल की कटाई करते हैं और धान काटने के बाद बचे पैरे को खेत में ही छोड़ देते हैं। कुछ किसान इस पैरे को जला भी देते हैं, जिससे पर्यावरण में प्रदूषण बढ़ता है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार पैरा जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है और इन पैरों को गौठानों में दान करने हेतु किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

कलेक्टर डॉ.संजय अलंग और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रितेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में गर्मी के धान का पैरा एकत्र करने और गौठानों में दान करने के लिये कृषि विभाग और पंचायत विभाग द्वारा संयुक्त मुहिम चलाई जा रही है। गौठानों में पैरा दान के लिये किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उनके खेतों में बचे हुए पैरे को गट्ठर बनाकर उसे गौठानों तक सरलतापूर्वक पहुंचाया जा सकेगा। इसी उद्देश्य को लेकर बेलर मशीन चलाने का प्रदर्शन खेतों में किया जा रहा है।

न्यूज गैलरी

प्रवासी मजदूरों के खिलाफ जुर्म दर्ज

महासमुंद। कोतवाली थाना क्षेत्र के लालदाढ़ीपारा में मुंबई से आकर बिना बताए निवास करने वाले पांच लोगों के खिलाफ पुलिस ने धारा 188, 269, 270 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार 23 मई को वार्ड 13 के पार्षद पति बादल मक्कड़ ने सूचना दी कि लालदाढ़ी पारा वार्ड 12 के व्यक्ति खाने कमाने मुंबई गया था। 22 मई दोपहर 2 बजे तुलसीदास पिता प्रेमदास मानिकपुरी (22), नंदकुमार बांधे पिता जागे बांधे (22), नंदू मांझी पिता दतारी मांझी (23), उमेश मांझी पिता सोना बांझी (23) एवं अमित बघेल पिता मानसिंग बघेल (25) वापस महासमुंद आकर लाल दाढ़ीपारा में अपने-अपने घरों में रह रहे हैं।

लॉकडाउन का उल्लंघन कर जुआ खेलते पांच पकड़ाए

महासमुंद। लॉकडाउन का उल्लंघन कर जुआ खेलते पांच जुआरियों को पुलिस ने पकड़ा। बागबाहरा थाना क्षेत्र के ग्राम तेंदूलोथा के दर्री तालाब के पास जुआ फड़ संचालित होने की सूचना के बाद पुलिस ने यहां दबिश दी। जहां धारा 144 का उल्लंघन करते हुए रितेश चंद्राकर, दशरथ लाल चंद्राकर, श्रवण यादव, रामनारायण चंद्राकर व चितरंजन चंद्राकर जुआ खेलते पकड़े गए। आरोपियों एवं फड़ से दो हजार रुपए नगदी व ताशपत्ती बरामद की गई। आरोपियों के खिलाफ धारा 188 व जुआ एक्ट की धारा 13 के तहत कार्रवाई की गई।

थाना प्रभारी बदले

महासमुंद। एसपी ने दो थानों के टीआई बदले हैं इनमें एक एसआई को साइबर सेल का प्रभार दिया है। एसपी ने सोमवार को एक निरीक्षक व दो उपनिरीक्षकों की नवीन पदस्थापना की। जिसमें रक्षित केंद्र से निरीक्षक प्लासी दिवस कुजूर को सांकरा थाना प्रभारी, स्वराज त्रिपाठी को बागबाहरा व संजय सिंह राजपूत को साइबर सेल प्रभारी बनाया है। संजय सिंह राजपूत पहले भी साइबर प्रभारी रह चुके हैं।

युवक से शराब जब्त

महासमुंद। सिंघोड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम पैकिन में पुलिस ने एक युवक के कब्जे से 8 लीटर महुआ शराब बरामद की। पुलिस ने बताया कि इस कार्रवाई में अनिल पिता लंकेश्वर मांझी के कब्जे से एक जरीकन में 8 लीटर महुआ शराब बरामद की। जिस पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

क्वारंटीन सेंटर से पहुंचा घर, दो पर कार्रवाई

महासमुंद। क्वारंटीन सेंटर से घर जाने पर पुलिस ने अलग-अलग मामलों में महिला व पुरुष के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि लाखनपाली निवासी जगदश पटेल पिता तीरथ को क्वारंटीन में रखा गया। लेकिन, वह घर चला गया। उनके खिलाफ धारा 188, 269, 270 के तहत अपराध दर्ज किया गया। इसी तरह कोमाखान थाना क्षेत्र के ग्राम चंद्रपुर में ओड़िशा राज्य के झिलमिला से लौटी प्रेवती पति गजमोहन क्वारंटीन सेंटर छोड़कर घर रहने लगी। जिस पर अपराध अपराध दर्ज किया गया है।

लॉकडाउन में दुकान खोला, कार्रवाई

महासमुंद। लॉकडाउन के दौरान भी किराना दुकान खोले हुए पाए जाने पर पुलिस ने मुढ़ीपार निवासी उमाशंकर पटेल के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि रविवार को संपूर्ण लॉकडाउन के बावजूद युवक ने दुकान संचालित कर रहा था। जिस पर धारा 188 के तहत कार्रवाई की गई।

उपचार के दौरान मासूम की मौत

महासमुंद। बागबाहरा के सरकारी अस्पताल में भर्ती 7 वर्षीय बच्चे ने दम तोड़ दिया। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक बिहाझर बाल आश्रम से 7 वर्षीय राहुल पिता यादराम पटेल को बागबाहा सीएचसी में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

युवक से शराब बरामद

महासमुंद। बसना पुलिस ने सोमवार को खोकसा में एक युवक को शराब के साथ पकड़ा। पुलिस ने बताया कि खोकसा निवासी राधेश्याम पिता करनु सागर के कब्जे से 3.500 लीटर महुआ शराब मिली। जिस पर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

जर्जर बिजली पोल हटवाने लगाई गुहार

महासमुंद। मोरधा पंचायत के आश्रित ग्राम मुरकी में ग्राम के बीच प्राइमरी स्कूल से सटा 11 केवी का ट्रांसफर्मर पोल जर्जर हो चुका है। इसे बदलने बिजली विभाग में कई बार गुहार लगाई गई है लेकिन, आज तक बदला नहीं गया है। आंधी-तूफान से कभी-भी यह पोल टूट कर गिर सकता है। यहीं पर गौठान है, दो मवेशी चिपक कर मर चुके हैं। जिला पंचायत सदस्य जागेश्वर जुगनू चंद्राकर को तीरथ जांगड़े व महेश जांगड़े ने बताया कि कई बार इसकी शिकायत कर चुके हैं। लेकिन, बिजली विभाग के कर्मचारी सुनने तैयार नहीं हैं।

छात्रवृत्ति परीक्षा में दो छात्रों का चयन

महासमुंद। सत्र 2019-20 में हुए राष्ट्रीय साधन सहप्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला तुसदा के कक्षा आठवीं में अध्ययनरत लक्की साहू पिता खेमलाल साहू तुसदा एवं रानी मरकाम पिता कुंजू मरकाम का चयन हुआ है। इस उपलब्धि पर शाला प्रबंधन समिति के सभी सदस्य, शिक्षक सरिता तंबोली, पूर्णिमा पटेल, सीमा साव, योगिता चंद्राकर, गुलशन वर्मा, मुकेश कुमार चंद्राकर, टोमन ध्रुव, संकुल समन्वयक राधेश्याम बागती ने हर्ष जताया है।

सिरपुर में मजदूरों को मास्क वितरित

महासमुंद। सिरपुर में राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस एवं एंटी कोरोना टास्क फोर्स के जिलाध्यक्ष संतलाल बारिक एवं जिला उपाध्यक्ष अंजय चौधरी ने पुरातत्व विभाग में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी मजदूरों को मास्क वितरण किया। साथ ही मजदूरों की समस्याओं से सुनकर हर समस्या का समाधान का आश्वासन दिया।

सबमर्सिबल पंप चोर गिरोह चढ़ा पुलिस के हत्थे, 6 नग सबमर्सिबल पम्प बरामद

नवप्रदेश संवाददाता

गरियाबंद। खेतो और घरो से सबमर्सिबल पंप चुराने वाला गिरोह पुलिस के हत्थे चढ़ा है। इस गिरोह में एक नाबालिग भी शामिल है। आरोपी से पूछताछ जारी है, वही दो आरोपी अभी भी फरार है। ज्ञात हो कि जिले में लगातार सबमर्सिबल पंप की चोरी से किसान और आम लोग परेशान थे। मामले की नजाकत को समझते हुए एसपी भोजराम पटेल मार्गदर्शन व एएसपी सुखनंदन राठौर के निर्देशन में एसडीओपी रूपेश डांडे के नेतृत्व में मैनपुर पुलिस टीम गठित कर लगातार इस आरोपियो की खोजबीन मे जुटी हुई थी। इसी दौरान थाना

मैनपुर थाना प्रभारी भूषण चंद्राकर को मुखबिर से सुचना मिली कि ग्राम जाड़ापदर के गोदरापारा का निगरानीसुदा बदमाश बीर सिंह पिता बुधराम मरकाम इसमें शामिल हो सकता है, संदेह के आधार पर पुलिस ने लगातार आरोपी के उपर नजर बनाए रखी। कुछ दिन बाद उसे हिरासत में लेकर पुछताछ की गई जिसमें आरोपी ने अपना गुनाह कबुल कर लिया। आरोपी ने अपने ब्यान में अपने अन्य साथियो के नाम तथा चोरी कर रखे गए सबसमर्सिबल पंप के ठिकाने भी बताए। जिसके आधार पर पुलिस ने छ नग सबमर्सिबल बोर पंप बरामद किए। पुलिस ने बताया कि घटना में शामिल एक युवक नाबालिग है जिसे बाल सुधार गृह में भेज दिया है वही दो आरोपी की तलाश जारी है। उपरोक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी भूषण चंद्राकर के साथ सऊनि अजय सिंह, सुरेश निषाद आरक्षक माधव साहू, नगर सैनिक पुरुषोत्तम डाहटे, सहायक आरक्षक भरत नेताम शामिल थे।

25 मई को पुलिस ने मनाया झीरम श्रद्धांजलि दिवस, प्रदेश को अमन का गढ़ बनाने की ली शपथ

गरियाबंद। सोमवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में झीरम घाटी तथा अन्य नक्सल हिंसा में प्राण गंवाने वाले पुलिस जवानों और प्रदेशवासियों की शहादत को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नमन किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल की मौजुदगी में प्रदेश के वीर शहीद पुलिस कर्मियों तथा झीरम हमले में प्राण गंवाने वाले नेताओं की स्मृति में दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजली सभा के बाद एसपी भोजराम पटेल ने सभी पुलिसकर्मियों को प्रदेश को अमन का गढ़ बनाने की शपथ दिलाई। एसपी ने कहा कि पुलिस फिर से प्रदेश को शांति और अमन का प्रदेश बनाने में अपना पुरा सहयोग देंगी। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी गरियाबंद संजय ध्रुव एवं पुलिस कार्यालय के समस्त स्टाफ उपस्थित थे।

सर्पदंश से युवती की मौत

गरियाबंद। सोमवार को मैनपुर थाना अंतर्गत ग्राम तुहामेटा की 15 वर्षीय युवती सुमित्रा कमार पिता सोनू कमार की सर्पदंश से मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक सुबह चार बजे युवती अपने घर में सोई थी इस दौरान करैत नामक सांप ने उसे काट लिया। पुलिस ने बताया कि सांप के काटने के बाद तत्काल युवती को मैनपुर से जिला अस्पताल गरियाबंद लाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जिसके बाद पंचनामा कार्यवाही कर शव की पोस्टमार्डम पश्चात परिजनो को सौप दिया गया।

आंगन में खड़ी दुपहिया और सामानों में लगाई आग

■ परिजनों की शिकायत पर युवक के खिलाफ जुर्म

नवप्रदेश संवाददाता

महासमुंद। पिथौरा के ग्राम लाखागढ़ में एक युवक ने अपने ही घर के आंगन में रखी पांच बाइक एवं अन्य सामानों को जला दिया। युवक एक लड़की को भगाकर घर लाया था। परिजनों ने लड़की को वापस उसके परिवार के पास भेज दिया था। इससे युवक गुस्से में था। रविवार-सोमवार रात युवक ने घर के आंगन में परिजनों की बाइक व अन्य सामान में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। ग्राम लाखागढ़ निवासी घासुराम नायक पिता पनका नायक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि पांच भाई जगदीश नायक, उत्तम नायक, कृष्णा कुमार, सोनूराम नायक एक ही घर में निवास करते हैं। रविवार रात सभी अपनी-अपनी बाइक, स्कूटी व अन्य सामान को आंगन में रखे थे। रात ढाई बजे प्रार्थी का भतीजा महेन्द्र सिंह नायक पिता सोनूराम नायक आंगन में खड़ी मोटर साइकिल प्लेटिना सीजी 06 जीए 1711, डिलक्स सीजी 06 जीए 8219, सीडी डाउन सीजी 06 डीएन 8587, सोल्ड प्लेटिना एवं स्कूटी को पेट्रोल डालकर आग के हवाले कर दिया। इस आगजनी में प्लास्टिक का 100 नग टब, 100 नग धमेला, 100 नग बाल्टी और मकान भी झुलस गया।

शहीदों की स्मृति में अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा दो मिनट का मौन धारण

गरियाबंद। राज्य शासन द्वारा 25 मई को झीरम श्रद्धांजलि दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के परिपेक्ष्य में सोमवार जिले के सभी शासकीय-अर्द्धशासकीय कार्यालयों में अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन धारण किया गया। कलेक्टोरेट में कलेक्टर श्याम धावड़े की मौजूदगी में अधिकारी-कर्मचारियों ने पूर्वान्ह 11 बजे कलेक्टर कक्ष के सामने दो मिनट का मौन धारण कर राज्य को पुन: शांति का टापू बनाने हेतु संकल्पित रहने का शपथ लिये। इस अवसर पर जिला पंचायत के सीईओ विनय कुमार लंगेह, एडीएम जे.आर. चैरसिया, एसडीएम निर्भय साहू, एसीटी एल.आर. कुर्रे, जनपद पंचायत सीईओ एच.आर. सिदार, उप संचालक जिला योजना साख्यिकी एस.आर. बंजारे, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी जाटव, एसडीओ आर.आर. ध्रुव, जिला पंचायत के परियोजना अधिकारी डॉ. सुधीर पंचभाई सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

रवि साहू का किया गया सम्मान

महासमुंद। प्रदेश अनूपपुर की संस्था माँ नर्मदा स्वास्थ्य सेवा व लोक सेवा समिति द्वारा रानी अहिल्याबाई होलकर जयंती व महेश नवमी के अवसर पर समाज सेवा क्षेत्र के रक्तदान क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभूतियों का सम्मान किया गया जिसमें छत्तीसगढ़ में रक्तदान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही संस्था माँ महामाया रक्त-दाता सेवार्थ समिति महासमुन्द के संस्थापक एवं अध्यक्ष रवि साहू का सम्मान किया गया एवं उन्हें सम्मानपत्र व मोमेंटो ऑनलाइन भेजा गया,संस्था के सदस्यों ने कहा यह सम्मान हमारी संस्था का आत्मविश्वास बढ़ाएगा व हम दोगुनी क्षमता से कार्य करेंगे। यह सम्मान उन सभी रक्त दाताओं का है जो हर परिस्थिति में रक्तदान एवं जनहित के कार्य करने तत्पर रहते हैं,इस समारोह में पूरे देश के समाज सेवियों का सम्मान किया गया जिसमे छत्तीसगढ से (सुरज साहू भिलाई) (आकाश सोलंकी भानुप्रतापपुर) (कामेश जी धमतरी) (सोनिया बिलासपुर) को सम्मानित किया गया। समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी संस्था मां नर्मदा स्वास्थ्य सेवा व लोक सेवा समिति के द्वारा रानी अहिल्याबाई होलकर जयंती व महेश नवमी के अवसर पर समाज सेवा क्षेत्र के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभूतियों का सम्मान किया जाएगा।

बाइक अनियंत्रित होने से युवक गिरा, जिला अस्पताल में भर्ती

गरियाबंद। गरियाबंद से महासमुंद जा रहे युवक की बाइक पेट्रोल पम्प के पास एक अन्य बाइक से टकराने से अनियंत्रित हो गई, जिससे वह कुछ दुर जा गिरा। घटना में युवक को गंभीर चोट आई है। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। थाना प्रभारी आर के साहू ने बताया सोमवार शाम छ बजे दुपहिया वाहन क्रमांक में एक युवक पवन साय पिता सैनी साय गरियाबंद से महासमुंद के लिए जा रहा था इस दौरान पेट्रोल पम्प के पास उसकी बाइक एक अन्य दुपहिया वाहन से टकरा गई। जिससे वह अनियंत्रित होकर कुछ दुर जाकर गिर गया। बताया कि युवक बैंक आफइंडिया महासमुंद शाखा में काम करता है। युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कांग्रेस ने याद किया झीरम घाटी के शहीदों को, कांग्रेस भवन में दी श्रद्धांजली

गरियाबंद। सोमवार को झीरम घाटी नक्सली घटना की सातवी पुण्यतिथि के अवसर स्थानीय कांग्रेस भवन में कांग्रेसियो ने झीरम घाटी के शहीद नेताओ और सुरक्षाकर्मियों को श्रध्दांजली अर्पित की। प्रदेश कांग्रेस कमेटी एवं सेवादल के आव्हान तथा प्रथम पंचायत मंत्री व राजिम विधायक अमितेश शुक्ल के निर्देश पर आयोजित इस श्रध्दांजली सभा में जिला कांग्रेस कमेटी एवं सेवादल के पदाधिकारियो ने झीरम घाटी में शहीद हुए कांग्रेस पार्टी के कर्णधार नेताओं को उनके शहादत दिवस पर पुष्प एवं माल्यार्पण कर आश्रुपुरित श्रद्धांजली अर्पित की। इस अवसर पर कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष भाव सिंह साहू जी, महिला कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष ममता राठौर, विधायक प्रतिनिधि नरेंद्र देवांगन, कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता कृष्ण कुमार शर्मा, युका जिलाध्यक्ष संदीप सरकार, ब्लॉक अध्यक्ष वीरू भाई यादव, जिला कोषाध्यक्ष ओम राठौर, रामकुमार वर्मा, पूर्व इंटक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश साहू, मनोज यदु, गेंद लाल यादव, एल्डरमेन रमेश मेश्राम, हरीश भाई ठक्कर, हरमेश चावड़ा, श्रीमती सविता गिरी गोस्वामी, लता यादव, शहर अध्यक्ष ऋतिक सिन्हा, डिलेश्वर देवांगन, वीरेंद्र सेन, नंदनी तांडी, कांग्रेस सेवा दल के जिलाध्यक्ष सुधर मल आड़े, महिला कांग्रेस सेवा दल के जिलाध्यक्ष सुश्री दुर्गा सोनी, कांग्रेस सेवा दल के जिला कम्युनिकेशन कोऑर्डिनेटर भूपेंद्र कुमार चंद्राकर, यंग ब्रिगेड कांग्रेस सेवा दल के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार ध्रुव सहित कांग्रेस सेवा दल के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पांच जुआरी चढ़े पुलिस के हत्थे, भेजे गए जेल

गरियाबंद। राजिम पुलिस ने जुआ खेलते हुए पांच लोगो को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। जानकारी के मुताबिक ये लोग ग्राम बेलटुकरी में खेत किनारे एक पेड़ के नीचे जुआ खेल रहे थे। मुखबिर की सुचना पर पुलिस ने इन्हे घेराबंदी कर धर दबोचा। कार्यवाही में पुलिस ने आरोपियो के पास जुआ मे प्रयुक्त ताश के पत्ते, नगदी 3800 रूपए व दो नग मोबाइल जप्त किए है। आरोपियो को जुआ एक्ट तथा लाकडाउन उल्लंघन के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया है। राजिम

थाना प्रभारी विकास बघेल ने बताया कि एसपी भोजराम पटेल के मार्गदर्शन में लगातार पुलिस अपराधियो पर सिंकजा कस रही है। इससे अपराधियो में दशहत का माहौल है। जुआ, अवैध शराब की तस्करी, गुटखा परिवहन सहित सभी अपराधिक घटनाओ पर पुलिस पैनी नजर बनाई हुई है। जिससे प्रतिदिन अपराधी पुलिस के पकड़ में आ रहे है। इस कड़ी में सोमवार को पांच जुआड़ी पुलिस के हत्थे चढ़े है। इस कार्यवाही में उनके साथ सउनि खुमान महिलांग, प्रधान आरक्षक विनोद नेटी, आरक्षक विजय यादव, चिरसेन मैरीश, कुलेश्वर धीवर, नूतन दिवान, नोहर सिंह, मनोज खुंटे, अमरजीत कुर्रे की सराहनीय भूमिका रही।

झीरम घाटी की नक्सली हिंसा के शिकार हुए लोगों को स्वास्थ्य अमले ने दी श्रद्धांजलि

महासमुंद। झीरम घाटी में नक्सल हमले में शहीद हुए प्रदेश के वरिष्ठ नेताओं, सुरक्षा बल के जवानों और विगत वर्षों में नक्सल हिंसा के शिकार हुए सभी लोगों की स्मृति में प्रतिवर्ष 25 मई के दिन झीरम श्रद्धांजलि दिवस मनाए जाने का आह्वान किया गया।

इस तारतम्य में कलेक्टर सुनील कुमार जैन के मार्गदर्शन में जिला स्वास्थ्य समिति एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अधिकारी-कर्मचारियों सहित चिकित्सालय परिवार सोमवार 25 मई 2020 की सुबह 11 बजे जिला चिकित्सालय पहुंचा और श्रद्धांजलि अर्पित की। सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डा आरके परदल ने नक्सल हिंसा के शिकार हुए सभी जनप्रतिनिधियों और सुरक्षाकर्मियों के राष्ट्रव्यापी एवं प्रदेश स्तरीय योगदान के महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहराते हुए कहा कि हम उनका ऋण नहीं चुका सकते, किंतु प्रदेश के आगामी स्वर्णिम भविष्य की कामना लिए हम उनके श्रेयकर आदर्शों पर अमल करने का प्रण लेते हैं। इस दौरान सीएमएचओ डा वारे, कोरोना वायरस नियंत्रण एवं रोकथाम के नोडल अफसर एवं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा आई नागेश्वर राव, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप ताम्रकार एवं चिकित्सालय, स्टाफ नर्स और जिला चिकित्सालय के सुरक्षाकर्मी उपस्थित रहे।

झीरमघाटी नक्सले हमले में शहीदों का पुण्य स्मरण

महासमुंद। शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा स्थानीय कांग्रेस भवन में कांग्रेसजनों ने झीरमघाटी नक्सली हमले में शहीद कांग्रेस नेता नंदकुमार पटेल, विद्याचरण शुक्ल, महेंद्र कर्मा, उदय मुदलियार, योगेंद्र वर्मा, दिनेश पटेल एवं सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। नेताओं के छाया चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके द्वारा किए गए कार्यों का पुण्यस्मरण किया गया। सभा में महासमुंद प्रभारी कन्हैया लाल अग्रवाल, विधायक विनोद चंद्राकर, जिला कांग्रेस अध्यक्ष रश्मि चंद्राकर, पूर्व विधायक मकसूदन चंद्राकर, अध्यक्ष भागीरथी चंद्राकर, उपाध्यक्ष राजेंद्र चंद्राकर, विधायक प्रतिनिधि दाऊलाल चंद्राकर, जिला प्रवक्ता नानू भाई, नगर पालिका उपाध्यक्ष कृष्णा चंद्राकर, शहर अध्यक्ष जसबीर ढिल्लो, पूर्व उपाध्यक्ष नगर पालिका मनोजकांत साहू, पूर्व कोषाध्यक्ष सुरेश द्विवेदी, वरिष्ठ कांग्रेसी अरुण चंद्राकर, जिला युकांध्यक्ष अमन चंद्राकर, जिला पंचायत सदस्य अमर चंद्राकर, पिछड़ा वर्ग अध्यक्ष प्रदीप चंद्राकर, सरपंच वीरेंद्र चंद्राकर, पूर्व पार्षदद्वय खिलावन बघेल, संजय शर्मा, डॉ तरुण साहू आदि कांग्रेसजनों ने शहीद नेताओं को स्मरण किया।

अधिकारी-कर्मचारियों ने झीरम-घाटी बलिदान दिवस के अवसर पर ली शपथ

महासमुंद। जिला कार्यालय परिसर में मंगलवार सुबह 11 बजे कलेक्टर सुनील कुमार जैन ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को झीरम-घाटी बलिदान दिवस की सातवीं बरसी पर शहीद नेताओं और जवानों को 02 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी। झीरम-घाटी बलिदान दिवस के अवसर पर मैं शपथ लेता हूँ कि मैं छत्तीसगढ़ राज्य में पुनः शांति का टापू बनाने हेतु संकल्पित रहूंगा कि शपथ कर्मचारियों ने ली। इस अवसर पर अपर कलेक्टर आलोक पाण्डेय सहित कलेक्टर कार्यालय परिसर के संबंधित विभिन्न शाखाओं एवं विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इसके अलावा जिला पंचायत, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुर्वेद विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, कोषालय, आबकारी विभाग, नगर सेना, नगरीय निकाय, कृषि विभाग, तहसील कार्यालय, लोक निर्माण विभाग, जनपद पंचायत, पशु चिकित्सा विभाग, खेल विभाग सहित अन्य सभी शासकीय कार्यालयों में झीरम-घाटी बलिदान दिवस की शपथ दिलाई गई।

कोयला सप्लाई के मामले में थर्ड पार्टी क्वालिटी की जांच करने वाले अधिकारी को छोड़ क्लर्क को किया निलंबित

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा । कोयला के साथ पत्थर पहुंचने पर दीपका के एक क्लर्क को निलंबित कर दिया गया। इससे कर्मियों में नाराजगी व्याप्त हो गई। उनका कहना है कि क्लर्क का काम क्वालिटी देखना नहीं है और न ही डिस्पैच की जिम्मेदारी है। साथ ही एसईसीएल, एनटीपीसी के अलावा थर्ड पार्टी क्वालिटी की जांच करते हैं। उन पर कोई कार्रवाई नहीं करना अनेक सवाल खड़ा करता है।

एसईसीएल की दीपका खदान से उत्पादित कोयला एमजीआर रेलवे सिस्टम से एनटीपीसी प्लांट में सप्लाई किया जाता है। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों कोयला के साथ पत्थर का टुकड़ा भी डिस्पैच हो गया और एनटीपीसी प्लांट पहुंच गया। यहां हापर डालते वक्त पत्थर फंस गया। काम बाधित होने पर इस मामले को एनटीपीसी प्रबंधन ने गंभीरता से लेते हुए शिकायत एसईसीएल प्रबंधन से की थी। इस पर एसईसीएल प्रबंधन ने दीपका परियोजना के साइडिंग-टू में पदस्थ सीनियर लोडिंग क्लर्क जयपाल कंवर को निलंबित कर दिया। इस घटना से अन्य कर्मियों में नाराजगी व्याप्त हो गई। कर्मियों का कहना है कि क्लर्क का काम कार्यालय में बैठ लिखा-पढ़ी करना है। कोयला डिस्पैच के लिए पृथक से कर्मचारी तैनात हैं, साथ ही कोयले की गुणवत्ता परखने के लिए एसईसीएल तथा एनटीपीसी दोनों ने कर्मियों को तैनात कर रखा है। इसके अलावा थर्ड पार्टी से भी गुणवत्ता को लेकर सैंपलिंग कराई जाती है। इस तरह कोयला की गुणवत्ता की जांच तीन स्तर पर होता है, बावजूद प्रबंधन ने इन तीनों पर न तो कोई कार्रवाई की और न ही नोटिस देकर स्पष्टीकरण मांगा। सीधे क्लर्क को निलंबित करने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। आखिर जिम्मेदार लोगों को क्यों बचाया जा रहा है। नियमतः जिम्मेदारों लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई किया जाना चाहिए।

बीएमएस ने जताया विरोध

क्लर्क के खिलाफएकतरफा कार्रवाई से बीएमएस कोयला सेक्टर ने आपत्ति जताई है। वरिष्ठ नेता लक्ष्मण चंद्रा ने कहा है कि प्रबंधन की इस कार्रवाई को लेकर मंगलवार को संघ आपत्ति दर्ज कराएगा। प्रबंधन को ज्ञापन सौंप बेकसूर लोगों पर कार्रवाई नहीं करने की मांग करेगा। क्लर्क की जिम्मेदारी कार्यालयीन कामकाज का निष्पादन करना है, पर दूसरे कार्य के लिए निलंबित करना समझ से परे है।

न्यूज गैलरी

कलेक्टर सहित अधिकारी कर्मचारियों ने झीरम घाटी के शहीदों को दी मौन श्रद्धांजलि

बीजापुर। छग सरकार ने बस्तर की झीरम घाटी में 25 मई 2013 को नक्सल हिंसा में शहीद हुए वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों, सुरक्षाबल के जवान और विगत वर्षो में नक्सल हिंसा में शहीद सभी भाइयो-बहनों की स्मृति में 25 मई को प्रतिवर्ष झीरम श्रंद्धाजलि दिवस के रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया गया है। इसी तारतम्य में आज जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर के डी कुंजाम सहित कलेक्टोरेट के अधिकारी-कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर एसडीएम डाँ. हेमेंद्र भुआर्य, एआर राणा डिप्टी कलेक्टर सुरेन्द्र ठाकुर, उमेश पटेल सहित अधिकारी- कर्मचारियों की उपस्थिति में दो मिनट मौन धारण कर झीरम घाटी में नक्सली हमले में शहीदों हुए वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों व जवानों को श्रद्धाजलि दी गई।

सूरज उगल रहा आग, गर्मी से सब हुए बेहाल

कोरबा। नवतपा के दूसरे दिन सूर्यदेव ने अपना विक्राल रूप दिखाना शुरू कर दिया है।मंगलवार को ऊर्जाधानी का अधिकतम तापमान 46.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में लगातार बढ़ोतरी से लोग बेहाल है। रात को भी गर्म हवाएं चलने लगी हैं। आसमान में बदली तो कभी धूप आंख मिचौली के बीच अब सूर्य ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। 48 घंटे से आसमान एकदम साफ है। मंगलवार को जबरदस्त गर्मी रही। सुबह से लोगों को इसका अभास हो चुका था। मौसम विभाग के मुताबिक दिन का अधिकतम तापमान 46.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस रहा। जानकारी के अनुसार नवतपा दो जून तक रहेगा। माना जाता है कि सूर्य की किरणें धरती पर सीधी पड़ने से गर्मी बढ़ती है। इस दौरान गर्मी के आधार पर मानसून में वर्षा का भी आंकलन किया जाता है। नवतपा में तापमान लगातार बढ़ने के कारण अधिकतम तापमान में जबरदस्त वृद्धि संभव है। वर्ष 2017 में मई माह में तापमान 49 डिग्री के पार पहुंच गया था।

पशु-पक्षी भी हुए हलकानः गर्मी बढ़ने के साथ सड़क पर मवेशी और पशु पक्षी भी हलकान दिखे। पानी व भोजन के लिए इधर उधर भटकते दिखे। पेड़ों की छांव तले मवेशी नजर आए। हालांकी शहरवासियों में पशु प्रेम भी नजर आया। घर के सामने सीमेंट की टंकी में पानी और कुछ लोगों ने भोजन की भी व्यवस्था कर रखी थी। कोरोना संक्रमण के चलते ऐसा लग रहा है कि गर्मी में इस बार प्याउ भी नहीं खुलेंगे।

ऑनलाइन फोटोग्राफी में रायगढ़ के योगेश बने विजेता

कोरबा । फोटोग्राफी प्रतियोगिता के माध्यम से छुपी प्रतिभा को बाहर लाने के उद्देश्य से संदीप फोटोग्राफी एवं इवेंट मैनेजमेंट कोरबा के तत्वावधान में ऑनलाइन फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कोविड-19 का प्रभाव के कारण लगभग दो माह से सभी अपने कार्य को छोड़कर लॉकडाउन का पालन कर रहे हैं। ऐसे में फोटोग्राफी प्रतिभा को निखारने ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजित की गई। लॉकडाउन का पालन करते हुए घर में रहकर ही फोटो खींचना था। सभी प्रतिभागियों ने अपनी सोच-समझ अनुसार अपने मोबाइल और कैमरे से फोटो खींचकर भेजा। प्रतियोगिता में भारत के अलावा अमेरिका, पाकिस्तान, सिंगापुर, कैलिफोर्निया से लगभग 350 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों का फोटो इतना अच्छा था कि जजों को फोटो चयन करने में बड़ी मशक्कत करनी पड़ी। जज के रूप में गुजरात के बेस्ट फोटोग्राफर महेश गज्जार, संदीप शर्मा कोरबा (आयोजक) और शैलेंद्र नामदेव (पूर्व फोटो जर्नलिस्ट) ने मिलकर परिणाम घोषित किया। रायगढ़ के योगेश साहू को प्रथम, बाल्को के संतोष चंद्रा को द्वितीय एवं बिलासपुर के आकाश मिश्रा को तृतीय पुरस्कार दिया गया। इन सभी विजेताओं को ई-प्रमाणपत्र के साथ साथ ई-पेमेंट के माध्यम से प्रथम को 1100 रुपये, द्वितीय को 500 एवं तृतीय को 250 रुपये दिया गया। नारायण दास पाकिस्तान, आशी पटेल रायगढ़, भूपेंद्र राठौर सक्ती, डिम्पी वर्मा निहारिका, दिनेश साहू बेंगलुरु, योगेश पटेल कोरबा, गीता गवेल कुसमुंडा, मयंक नायक दीपका, विवेक साहू पंप हाउस को सांत्वना पुरस्कार के लिए ई-प्रमाणपत्र भेजा गया।

सरईपाली खदान के प्रभावितों ने लाफा में नहीं ली जमीन

नवप्रदेश संवाददाता

कोरबा । सरईपाली परियोजना के प्रभावितों को ग्राम लाफा में बसाहट दिया जाएगा। लगभग तीस एकड़ जमीन एसईसीएल ने शासन लेकर समतलीकरण कार्य पूरा कर लिया है, इसके साथ ही अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के बाद प्रथम चरण में तीस परिवारों को बसाहट प्रदान की जाएगी। ग्रामीणों ने लाफा में जमीन लेने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि मुख्य मार्ग किनारे जमीन उपलब्ध कराई जाए।

पाली ब्लॉक के ग्राम बुड़बुड़ व राहाडीह में एसईसीएल कोरबा एरिया की ओर से सरईपाली परियोजना खोली जा रही है। खदान में मिट्टी निकासी का काम लगभग पूरा हो चुका है, पर ग्रामीणों के विरोध के कारण कोयला उत्खनन शुरू नहीं हो सका है। खदान प्रभावितों को बसाहट देने की प्रक्रिया भी प्रबंधन ने शुरू कर दी है। इसके लिए ग्राम लाफा में एसईसीएल ने लगभग तीस एकड़ जमीन जिला प्रशासन से ली और बसाहट के पहले जमीन समतलीकरण का कार्य करा छह-छह डिसमिल का प्लाट काटा गया है। यहां ग्राम बुड़बुड़ व राहाडीह के लगभग 30 प्रभावितों को प्रथम चरण में जमीन उपलब्ध कराया जाना था। जानकारों का कहना है कि ग्राम लाफा में खदान के प्रभावितों ने जमीन लेने से इनकार कर दिया। उनका कहना है कि लाफा पिछड़ा हुआ क्षेत्र है और मुख्य मार्ग से अंदर होने से उन्हें अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ती है, इसलिए पाली-बिलासपुर मुख्य मार्ग के किनारे जमीन उपलब्ध कराई जाए। इस संबंध में एसईसीएल क्या पहल कर रहा है, इसका खुलासा नहीं हो सका। यहां यह बताना लाजिमी होगा कि खदान प्रभावितों को लाफा में जमीन उपलब्ध कराने एक वर्ष पहले प्रक्रिया शुरू की गई थी, पर प्रबंधन अभी तक जमीन आवंटन नहीं कर सका है। खदान प्रभावितों ने इस मामले में पाली-तानाखार विधायक मोहितराम केरकेट्टा तथा सांसद ज्योत्सना महंत के साथ जिला प्रशासन को भी पत्र लिखा है। इस पर विधायक ने राजस्व विभाग व एसईसीएल प्रबंधन को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। जमीन की तलाश भी की गई, पर कहीं बड़े झाड़ के जंगल तो कहीं कोई अन्य समस्या सामने आई। इससे जमीन की उपलब्ध नहीं हो पा रही है।

एक खातेदार को छह डिसमिल जमीन

एसईसीएल प्रत्येक खातेदार को छह डिसमिल जमीन प्रदान करेगी। जमीन नहीं लेने वाले खातेदार को तीन लाख रुपये प्रदान किया जाएगा, ताकि प्रभावित खातेदार अपने स्तर पर कहीं भी मकान बना निवास कर सकें। प्रबंधन ने पुनर्वास हेतु सभी खातेदारों से जानकारी ली है। इस पर कई खातेदारों ने सहमति जताई, पर कुछ लोगों ने जमीन लेने से इनकार कर दिया।

अंबिका, करतली के प्रभावितों को भी लाभ

ग्राम लाफा में सरईपाली परियोजना के प्रभावित ग्राम बुड़बुड़ व राहाडीह के प्रभावितों को जमीन देने की योजना थी। इसके साथ ही अंबिका व करतली खदान के प्रभावित ग्रामीणों को भी लाफा में बसाहट देने की कार्य योजना तैयार की जा चुकी है। यही वजह है कि प्रबंधन ने तीनों परियोजना के विस्थापितों के पुनर्वास के लिए एकमुश्त जमीन जिला प्रशासन से ली है, ताकि भविष्य में किसी तरह की दिक्कत का सामना न करना पड़े, पर ग्रामीणों के विरोध के चलते उसके मंसूबे में पानी फिरता नजर आ रहा है।

नौकरी के लिए भटक रहे प्रभावित

सरईपाली परियोजना में अब तक 320 में लगभग 190 प्रभावितों को नौकरी प्रदान की जा चुकी है। इसमें महिलाएं भी शामिल हैं। शेष लोगों को नौकरी कब तक मिलेगी, इस बारे में एसईसीएल का कहना है कि नौकरी की प्रक्रिया चल रही है। उधर ग्रामीणों का कहना है कि प्रबंधन टालमटोल की नीति अख्तियार कर रही है। अभी तक सभी लोगों को नौकरी प्रदान कर देना था, पर कोई न कोई गलती निकाल कर खातेधारियों को अनावश्यक रूप से परेशान किया जा रहा है।

लॉकडाउन: जीवन यापन के लिए गुजिया, पापड़ी, गुपचुप व्यवसायी साइकिल पर दुकान लगाने मजबूर

सक्ती। इन दिनों गुजिया, पापड़ी, गुपचुप व्यवसायी अपने जीवन यापन करने के लिये चौक चौराहे पर ठेला लगाते थे लॉकडाउन कोरना संक्रमण के चलते साइकिल पर गुपचुप बेच कर अपने परिवार का गुजर बसर कर रहे है । यह माजरा नगर के कई स्थानों पर देखने को मिल जायेगा । कुछ बुजुर्गो का कहना है कि गुपचुप साइकिल में बेचते देखकर हमको हमारे समय की याद आती है उस समय खाद्य सामाग्री बेचने वाले सिर पर टोकना एवं हाथ पर मुड्डी (स्टेन) लेकर गली गली मोहल्ला मोहल्ला समान बेचा करते थे । कोरोना संक्रमण महामारी के चलते आज वह समय फिर से देखने को मिल रहा है । आज नगर में गुपचुप व्यवसायी बजरंग ने बताया कि मैं लोक निर्माण विभाग के समाने ठेला लगाकर सामाग्री बेचा करता था परंतु षासन द्वारा गुजिया गुपचुप पापडी की दुकान का अनुमति नही होने के कारण सिर्फ गुपचुप बेचकर अपना एवं अपने परिवार का गुजारा बसर कर रहे है पहले एक ही जगह ठेला में सारी सामाग्री रखकर बेचता था परंतु अब सायकिल से सिर्फ गुपचुप, गुपचुप पानी, गुपचुप में भरने का मसाला साथ ही पीने के नाम ठंडा रहे सोचकर जिसमें पानी रखा है उसको चारो ओर बरदाना से लपेट कर समय समय पर बरदाने के उपर पानी इसलिये डाल रहा कि पानी ठंडा इस गर्मी में ग्राहकों को मिले तथा घुम घुम कर बेच रहा हूं । षासन से मांग कि हम गुपचुप ठेला व्यवसायी को व्यवसाय करने के लिये अनुमति प्रदान करें हम षासन की हर नियमों का पालन करेगें ताकि हम अपने परिवार का रोजी कमाकर अपने परिवार का पालन पोशण कर सके।

राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से राज्य सरकार ने किया किसानों का भाग्योदय : हीरा सिंह

बैकुंठपुर। कृषि में पर्याप्त निवेश एवं कास्त लागत में राहत देने के लिए राज्य शासन द्वारा कृषि आदान सहायता हेतु शुरू की गई ÷राजीव गांधी किसान न्याय योजना÷ के अंतर्गत वर्ष 2019-20 में धान बेचने वाले कोरिया जिले के 17808 किसानों को पहली किश्त के रूप में उनके खाते मे 15.77 करोड़ की राशि प्रदान की गई। राजीव गांधी किसान न्याय योजना के तहत लाभांवित कोरिया जिले के दूरस्थ अंचल भरतपुर विकासखंड के ग्राम भगवानपुर के किसान हीरा सिंह ने प्राप्त राशि से उनके जीवन में आने वाले आर्थिक खुशहाली के बारे में बातचीत की।

किसान हीरा सिंह ने मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल एवं राज्य सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि राजीव गांधी किसान न्याय योजना के माध्यम से राज्य सरकार ने किसानों के लिए भाग्योदय का काम किया है। हीरा सिंह कहते हैं कि पूरा देश जब संकट के दौर से गुजर रहा है। किसान भी इससे अछूते नहीं है। लॉकडाउन की अवधि में काम न हो पाने की वजह से हम चिंतित थे। खरीफ वर्ष 2019-20 में जनकपुर धान खरीदी केन्द्र में 37 क्विंटल धान बेचा था जिसके समर्थन मूल्य पर बेचे गये धान की अंतर मूल्य की राशि न्याय योजना के अंतर्गत प्रथम किश्त के रूप में 6400 रूपये बैंक खाते में जमा हुई है। इस समय में न्याय योजना के तहत मिली राशि ने हम किसानों को आर्थिक सहारा प्रदान किया है।

उन्होंने बताया कि किसानों को भी आर्थिक विषमता का सामना करना पड़ रहा है। वे अपने उपज से ही पूरे परिवार का भरण पोषण तथा घर की अन्य जरूरी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हैं। तात्कालिन परिस्थिति में सरकार द्वारा जो आर्थिक संबलता प्रदान की गई है, इससे उनके पूरे परिवार में खुशी का माहौल है। राज्य सरकार ने किसानों की भावनाओं को समझा और आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान की, इसके लिए सरकार को धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

स्वास्थ सेवा पर गंभीरता के बजाय एडवेंचर पार्क पर बड़ी राशि की कार्ययोजना समझ से परे: अनुराग दुबे

■ एनेस्थीसिया विहीन जिला चिकित्सालय

बैकुंठपुर। कोरिया जिले में इन दिनों 50 करोड़ की राशि की कार्ययोजना एडवेंचर पार्क की स्वीकृति हुआ नही किन्तु आम जन के बीच चरचा जोरों पर है!जिस तरह इस कार्य से जुड़े लोगों या विभाग के अधिकारियों के मन में लड्डू फूट रहे हैं कि इतनी बड़ी राशि की योजना का कार्य करने को मिल रहा है और अन्दर कुछ और भी चल रहा है! जब कि अभी इस कार्य की स्वीकृति भी नही मिली है न ही कार्य योजना बना कर शासन को अवगत कराया गया किन्तु जनप्रतिनिधियों के दबाव में कार्य की स्वीकृति का दावा किया जा रहा किन्तु अधिकारी इस कार्य की स्वीकृति हुई है या नही के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी होने से इंकार किया वही इस कार्य के स्वीकृति और इसके चयनित स्थल को लेकर भी रोज सोसल मीडिया में विवाद सामने आ रहा है!

विदित है कि कोरिया जिले के कोरिया वन मंडल अन्तर्गत चिरमिरी परिक्षेत्र में छत्तीगढ़ शासन द्वारा पर्यटन विकास के उद्देश्य को ध्यान में रखकर एडवेंचर पार्क के निर्माण की घोषणा प्रदेश के मुख्यमंत्री जी द्वारा चिरमिरी आगमन के दौरान किया गया था वही अब जनप्रतिनिधि के दबाव में कार्य के स्वीकृति देने की मुहिम चल रही है!जिसके मद्देनजर प्रारंभिक कार्य के तौर पर सर्वे कार्य कर स्थल चयन किया जा रहा ज्ञात हो कि इस कार्य को लेकर जिले के आम नागरिकों सहित अन्य कई समाजसेवी संगठनों ने सरकार को अवगत कराते हुए ध्यानाकर्षण कराया है कि कोरिया जिले में कई दशकों से स्वास्थ सुविधाओं में बड़ी कमी और संसाधनों का अभाव देखा गया है जिससे इस जिले के पांचों विकासखंडों में सिर्फ एक ही ब्लड बैंक सिर्फ जिला अस्पताल में है वह भी जिले और बैकुंठपुर के स्थानीय रक्त दाताओं की बदौलत संचालित है जिसे सरकार द्वारा प्रत्येक विकासखण्ड स्तर के अस्पतालों तक स्थापित कराने का प्रयास करना चाहिए !लोगों ने बताया कि इस पूरे जिले के इकलौते जिला अस्पताल में एक परमानेंट एनेस्थीसिया चिकित्सक नहीं है जिसके कारण जिले के दूर ब्लॉक और ग्रामीण इलाकों से आने वाले प्रसव संबंधी माताएं और बहनों को जुगाडू व्यवस्था के तहत पीड़ादाई प्रसव से गुजरना पड़ता है साथ ही कई गंभीर सर्जरी के लिए भी एनेस्थीसिया चिकित्सक का अभाव बना रहता है!

क्या कहते हैं समाजसेवक अनुराग दुबे-

इस पूरे मामले पर जिले के समाजसेवी अनुराग दुबे ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि आज पूरे विश्व में कोरोना के संक्रमण काल का दौर व्याप्त है और ना जाने कब तक इस भयानक महामारी को झेलना पड़ सकता है ऐसे में एडवेंचर पार्क या फिर अन्य योजनाओं पर बड़ी राशि खर्च करने के बजाय सरकार को राज्य सहित जिलों की स्वास्थ व्यवस्था को अपग्रेट करने और सुविधाजनक बनाने की ओर प्रयासरत होना चाहिए।

खुशहाली | मेहनतकश रनसाय का परिवार संकट के दौर में भी खुशहाल

सिंचाई के साधन से व्यवस्थित हुई आदिवासी परिवार की आजीविका

बैकुंठपुर। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के इस संघर्ष भरे माहौल में एक ओर पलायन,बढ़ती बेरोजगारी का आतंक लोगों को हलाकान कर रहा है वन्ही रन साय जैसे मूल कोरियावासी अपने खेतों में लगी सब्जी और फसल की देखरेख में व्यस्त हैं। मूलतः आदिवासी यह परिवार अपना और अपने आस-पास के चार आदिवासी परिवारों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराकर आर्थिक रूप से सम्बल प्रदान कर रहा है। यह कहानी कोरिया जिले के जनपद पंचायत खड़गंवा मुख्यालय से लगभग 23 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत बैमा की है। यह कोरिया और सूरजपुर जिले के प्रेमनगर विकासखंड के सीमावर्ती क्षेत्र में स्थित है। मेहनत करने के लिए पहचाने जाने वाले गोंड आदिवासी समुदाय के रनसाय की उम्र लगभग 65 वर्ष हो चली है। अब थोड़े कमजोर होने के कारण वह खेती तो नही कर पाते परन्तु बेटों को आर्थिक रूप से सक्षम पाकर वह काफी प्रसन्न रहते हैं। रनसाय के कुछ खेतों में करेले की और कुछ में उड़द की फसल लगी हुई है। डबरी में मछली पकड़ने का जाल भी डाल रखा है। इससे उन्हें हर एक दो दिन में पौष्टिक आहार के रूप में घर की मछली का पर्याप्त मांस भी उपलब्ध हो जाता है। रनसाय के दो बेटे हैं रामतोष और संतोष। उनके दो बेटों और बहुओं के भरे पूरे संयुक्त परिवार में 10 सदस्य हैं। डबरी रूपी सिंचाई का साधन पाकर सभी आनन्द से जीवन गुजार रहे हैं।

इस परिवार की हमेशा से ऐसी स्थिति नही थी कि यह खुद के साथ दूसरे की भी मदद कर पाते। पहले इनके ढाई एकड़ खेतों में बमुश्किल एक फसल अनाज होता था, बेचने की बात तो दूर साल भर खाने को भी पूरा नही हो पाता था। ऐसे में मजबूर होकर इस परिवार को दूसरे जगहों पर काम मांगने जाना पड़ता था। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत परिवार के 100 दिन पूरे होने के बाद अधिकांश समय ऐसा होता था कि मांगने पर भी गांव में काम नही मिल पाता था। ऐसे ही समय में एक दिन रनसाय ग्राम सभा में जा पँहुचे वँहा इन्हें मनरेगा के तहत बनने वाली डबरी के बारे में जानकारी मिली। इन्होंने ग्राम पंचायत में सरपंच के सामने अपने खेतों में डबरी बनाने का प्रस्ताव रखा। इनकी मांग के आधार पर ग्राम पंचायत को निर्माण एजेंसी बनाकर जिला पंचायत द्वारा डबरी निर्माण स्वीकृत किया गया। 1 लाख 78 हजार रुपए की लागत से वर्ष 2017 में इनकी डबरी बनकर तैयार हो गई। इस डबरी में काम करके इनके परिवार को लगभग 20 हजार रुपए भी मिले।

> रनसाय का परिवार, जँहा चाह वँहा राह का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने महात्मा गांधी नरेगा से जुड़कर उचित लाभ लेते हुए सही जगह पर डबरी बनवा ली। जिससे उनके खेतों में सिंचाई का साधन और परिवार को निश्चित रोजगार से आजीविका का स्थायित्व मिल गया। अब वह परिवार खुद के साथ अपने आस पास के किसानों को भी सम्बल प्रदान कर रहा है। जिले में मनरेगा से ऐसी 900 डबरियाँ बनाई जा रही हैं जो आने वाले समय में ग्रामीण परिवारों को रनसाय के परिवार की तरह स्थाई आजीविका से जोड़ने का शसक्त माध्यम बन जाएंगी।
>
> **तूलिका प्रजापति,** सीईओ जिला पंचायत कोरिया

डबरी बन जाने से पहली ही बारिश में इनके ढाई एकड़ खेतों में सिचाई के लिए पानी उपलब्ध हो गया। इसके बाद इस परिवार ने पीछे नही देखा। मेहनत करके इन्होंने अपने अगल बगल के चार परिवार को तैयार कर सभी के खेत में घेराव कर लिया। डबरी बनने के बाद जिन खेतों में साल भर खाने का अनाज नही होता था,वँहा 30 क्विंटल धान की फसल हुई। इसके बाद रनसाय के बेटों ने सारे खेतों में टमाटर और बरबटी के साथ खीरे की फसल लगाई। इस तरह दो वर्ष खेती करके ही यह परिवार अपने सारे कर्ज उतारकर आर्थिक रूप से मजबूत होने लगा। रामतोष ने बताया की बीते बरस 58 हजार का टमाटर उन्होंने बाजार में बेचा था। इसके बाद डबरी में हमेशा पानी बनाए रखने के लिए सौर सुजला के तहत एक बोरिंग भी उसी में कराया है।

बड़े पैमाने पर भेजे गए हैं कोरोना सेम्पल

■ **जिले के 30 प्रवासी श्रमिक पॉजिटिव पाये गये जिससे सनसनी फैल गई है और जिले में दहशत का माहोल बनने लगा है प्रशासनिक अमला सक्रिय 7 टीम बनाकर कार्यवाही आरंभ की**

मुंगेली। जिले में आज कोरोना का विस्फोट हुआ जिसमें 30 नये लोग कोरोना पाजिटिव पाये गये। इसके पूर्व 13 केस पाये गये थे। कुल 43 लोग कोरोना संक्रमित हो गये है। 30 संक्रमित लोगो मे से 16 मई को आगरा से बस से 40 प्रवासी मजदूर मुंगेली पहुचे थे। 30 प्रवासी श्रमिको पॉजिटिव पाये जाने से नगर में सनसनी फैल गई है लगातार तीन दिनों से प्रवासी श्रमिको के पॉजिटिव पाये जाने से दहशत का माहौल बनने लगा है। अब कोरोना के पॉजिटिव मरीजो के संख्या 13 से बढ़कर 43 हो गई है। जिसमें 41 प्रवासी श्रमिक मुंगेली विकास खण्ड के है वहीं 2 संक्रमित मरीज लोरमी विकास खण्ड के है। जिले का पथरिया विकास खण्ड अभी इस मामले में अछूता है, मुंगेली जिला कोरोना संक्रमित जिले में प्रदेश में प्रथम स्थान पर आ गया है व रेड जोन में जाता दिखाई दे रहा है। कलेक्टर ने लोगो से अपील की है कि लाकडाउन का पालन करते हुये अपने घरो मे रहे।बाहर न निकल कर प्रशासन को सहयोग करे एवं स्वयं को सुरक्षित रखें।

जिले मे कल 25 मई को कोरोना पॉजिटिव के और 30 मामले समाने आये है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर ने कल देर शाम जिला प्रशासन के इस आशय का रिपोर्ट किया है। देर रात जांच रिपोर्ट मे 30 श्रमिको मे कोरोना पॉजीटिव होने की पुष्टि होने पर कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने संबंधित ग्रामो को सील कर कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया । कंटेनमेंट जोन में सभी दुकाने एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठान को आगामी आदेश पर्यन्त तक बंद रखने, कंटेनमेंट जोन मे प्रभारी अधिकारी द्वारा घर पहुँच सेवा के माध्यम से आवश्यक वस्तु की आपूर्ति उचित दरो पर करने, सभी प्रकार के वाहनो का आवागमन पूर्णतः प्रतिबंधित करने और मेडिकल इमरजेंसी को छोड़ कर अन्य किन्ही भी कारणो से लोगो को घर से बाहर निकलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होने स्वास्थ्य विभाग के मानको के अनुरूप व्यवस्था हेतु पुलिस विभाग को लगातार पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिये है। जिले के विकास खण्ड पथरिया के ग्राम खैरी (ग्राम पंचायत जगतापारा) स्थित क्वारेंटाइन सेंटर मे ठहरे हुए संदिग्ध मरीज की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव पाये जाने के कारण कलेक्टर एवं जिलादंडाधिकारी डॉ. भुरे आज प्रातः ग्राम खैरी का भम्रण किया और उन्होने कोरोना वायरस के संक्रमण के फैलाव को दृष्टिगत रखते हुए ग्राम खैरी को सील करने के निर्देश दिये और उनके तीन किलो मीटर क्षेत्र की परिधि पूर्व दिशा मे गोइन्द्री, टेगनागढ़, पश्चिम दिशा मे जगतापारा, उत्तर दिशा मे डांडगांव , दक्षिण मे कपुवा को कंटेनमेंट जोन घोषित किया ।

घबराने की जरूरत नहीं : कलेक्टर

कलेक्टर ने लोगो से की अपील कहा -कलेक्टर डॉ. भुरे ने कहा कि वर्तमान मे वैश्विक स्तर पर फैले कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम हेतु लगातार प्रयास किये जा रहे है। जिले मे बडे पैमाने पर संदिग्ध मरीजो का सेम्पल जांच हेतु भेजा गया है। ऐसी स्थिति मे जांच रिपोर्ट आएगी। कल 25 मई को विभिन्न क्वारेंटाइन सेंटर मे ठहरे हुए 30 श्रमिको का जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आया । जांच रिपोर्ट मे पॉजिटिव आने पर आम लोगों को घबराने की जरूरत नही है। बल्कि उन्हे सतर्क रहने की आवश्यकता है। उन्होने फिजिकल डिस्टेंस का कड़ाई से पालन करने, सभी लोगों को मास्क लगाने, किसी भी दशा मे एक दूसरे से ज्यादा संपर्क मे न रहने, सुरक्षा मानको का पालन करते हुए अनावश्यक रूप से घर से न निकलने और लॉकडाउन का पालन करने की अपील की है।

मजदूरों के लगातार पहुँचने से बढ़ रहा संक्रमण का खतरा

कांकेर। घरेलू उड़ान, सड़क, रेल मार्ग से पहुंच रहे व्यक्तियों के लिए राज्य शासन द्वारा एसओपी निर्धारित किया गया है, जिसमें 14 दिवस पेड क्वारेंटीन की अनिवार्यता शामिल है। शासन द्वारा जारी एसओपी में पेड क्वारेंटीन सेंटर की व्यवस्था के प्रावधान के तारतम्य में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री के.एल. चौहान द्वारा होटल आनंदम, होटल बाफना लॉन और होटल ग्रीन पॉम को पेड क्वारेंटीन सेंटर बनाया गया है, जिसमें निर्धारित दर पर यात्रीगण को रूकने की सुविधा होगी।

कोरोना पॉजिटिव पाये जाने वाले व्यक्तियों के नाम, पता प्रसारित करने पर संबंधितो के विरूद्ध की जाएगी दंडात्मक कार्रवाई

मुंगेली। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे ने कहा है कि वर्तमान मे वैश्विक स्तर पर फैले कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम हेतु युद्ध स्तर पर प्रयास किये जा रहे है । संदिग्ध मरीजो का सेम्पल जांच हेतु प्रेषित किया गया है। ऐसी स्थिति मे पॉजिटिव पाये जाने वाले व्यक्तियों के नाम , पता वाट्सअप अथवा सोशल मीडिया मे प्रसारित करना घोर लापरवाही के श्रेणी मे आता है। उन्होने पॉजिटिव पाये जाने वाले व्यक्तियों के नाम , पता वाट्सअप अथवा सोशल मीडिया मे प्रसारित करने वालो और संबंधित एडमिन के विरूद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होने जारी आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने हेतु संबंधितो को निर्देश दिये।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

रेड ने 9 जिले...

में तब्दील कर दिया गया है।

इन जिलों में कंटेनमेंट जोन

दुर्ग- 01, कवर्धा-06, राजनांदगांव-05, बालोद-11, बेमेतरा-02, रायपुर-02, बलौदाबाजार-09, गरियाबंद-05, बिलासपुर-16, मुंगेली-04, कोरबा-02, जांजगीर-चांपा-06, रायगढ़-04, सरगुजा-04, कोरिया-04, सूरजपुर-03, बलरामपुर-06, जशपुर-01, कांकेर-05, कुल संख्या योग -95 है।

इन जिलों में कंटेनमेंट जोन नहीं

धमतरी, महासमुंद, गौरेला-पेंड्रा, जगदलपुर, कोण्डागांव, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा।

23 जिलों के कलेक्टरों...

मुक्त होंगी, शेष प्रभार यथावत् रहेगा।

आर.प्रसन्ना सचिव, सहकारिता विभाग तथा अति. प्रभार-सचिव, समाज कल्याण व सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग तथा आयुक्त, निःशक्तजन को उनके वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ-साथ सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सचिव, कौशल विकास विभाग का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। प्रसन्ना आर., द्वारा सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग का कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से परदेशी सिद्धार्थ कोमल, सचिव, लोक निर्माण विभाग तथा सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग, सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा प्रबंध संचालक, छग. स्टेट रोड डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन, रायपुर केवल सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग के अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त होंगे। शेष प्रभार यथावत् रहेगा।

अलरमेलमंगई डी., सचिव, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग तथा अति. प्रभार-सचिव, उच्च शिक्षा विभाग तथा संचालक, नगरीय प्रशासन एवं विकास को उनके वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ-साथ सचिव, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। अंबलगन पी., सचिव, खनिज साधन विभाग तथा अति. प्रभार-सचिव, सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति को उनके वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ-साथ सचिव, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

डॉ. संजय कुमार अलंग, कलेक्टर, जिला-बिलासपुर को आयुक्त, बिलासपुर संभाग, बिलासपुर के पद पर पदस्थ करते हुए आयुक्त, सरगुजा संभाग, अंबिकापुर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। ईमिल लकड़ा, आयुक्त, सरगुजा संभाग, अंबिकापुर को सचिव, राजस्व मण्डल, बिलासपुर के पद पर पदस्थ करते हुए सचिव, लोक आयोग का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। सीआर. प्रसन्ना, संचालक, पशु चिकित्सा सेवायें तथा विशेष सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को विशेष सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए आयुक्त, स्वास्थ्य सेवायें तथा प्रबंध संचालक, छग. मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। भूवनेश यादव, आयुक्त, स्वास्थ्य सेवायें तथा प्रबंध संचालक, छग.मेडिकल सर्विसेज कार्पोरेशन को विशेष सचिव, ग्रामोद्योग विभाग के पद पर पदस्थ किया गया है। भूवनेश यादव, द्वारा विशेष सचिव, ग्रामोद्योग विभाग के पद पर कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से हेमंत पहारे, (से.नि.आई.ए.एस. संविदा नियुक्ति), केवल सचिव, ग्रामोद्योग विभाग के कार्यभार से मुक्त होंगे। सुश्री शम्मी आबिदी, प्रबंध संचालक, छग राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड), रायपुर को संचालक, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास के पद पर पदस्थ किया गया है।

रानू साहू, कलेक्टर, बालोद को आयुक्त, वाणिज्यिक कर के पद पर पदस्थ किया गया है। महादेव कावरे, संचालक, कोष, लेखा एवं पेंशन तथा अतिरिक्त प्रभार-संयुक्त सचिव, खनिज साधन विभाग को कलेक्टर, जिला-जशपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। श्री अवनीश कुमार शरण, कलेक्टर, कबीरधाम को संचालक, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण के पद पर पदस्थ किया गया है। अंकित आनंद, कलेक्टर, दुर्ग को प्रबंध संचालक, छग. राज्य सहकारी विपणन संघ मर्यादित (मार्कफेड), रायपुर के पद पर पदस्थ करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अटल नगर विकास प्राधिकरण, नवा रायपुर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। नीलम नामदेव एक्का, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, अटल नगर विकास प्राधिकरण, नवा रायपुर को प्रबंध संचालक छग. राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन संघ मर्यादित, रायपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। नीलम नामदेव एक्का, द्वारा प्रबंध संचालक, छग.राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन संघ मर्यादित, रायपुर के पद पर कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से हेमंत पहारे,(से.नि.आई.ए.एस. संविदा नियुक्ति), केवल प्रबंध संचालक, छग.राज्य हाथकरघा विकास एवं विपणन संघ मर्यादित, रायपुर के कार्यभार से मुक्त होंगे। शेष प्रभार यथावत् रहेगा।

टोपेश्वर वर्मा, कलेक्टर, जिला-दंतेवाड़ा को कलेक्टर, जिला-राजनांदगांव के पद पर पदस्थ किया गया है। नीलकंठ टीकाम, कलेक्टर, जिला-कोण्डागांव को संचालक, कोष, लेखा एवं पेंशन के पद पर पदस्थ किया गया है। डोमन सिंह, कलेक्टर, जिला-कोरिया को कलेक्टर, जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही के पद पर पदस्थ किया गया है। हिमशिखर गुप्ता, पंजीयक, सहकारी संस्थाएं तथा संचालक, प्रशासन अकादमी को उनके वर्तमान कर्त्तव्यों के साथ-साथ रजिस्ट्रार, फर्म्स एवं संस्थाएं का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। राजेश सिंह राणा, संयुक्त सचिव, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग तथा संयुक्त सचिव, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग को सदस्य सचिव, राज्य योजना आयोग के पद पर पदस्थ किया गया है। रणबीर शर्मा, रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं तथा अति प्रभार-उप सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग को कलेक्टर, जिला-सूरजपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। अभिजीत सिंह, मिशन संचालक, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को कलेक्टर, जिला-नारायणपुर के पद पर पदस्थ किया गया है।

श्याल लाल धावड़े, कलेक्टर, जिला-गरियाबंद को कलेक्टर, जिला बलरामपुर- रामानुजगंज के पद पर पदस्थ किया गया है। संजीव कुमार झा, कलेक्टर, जिला बलरामपुर-रामानुजगंज को कलेक्टर, जिला-सरगुजा के पद पर पदस्थ किया गया है। सारांश मित्तर, कलेक्टर, जिला सरगुजा को कलेक्टर, जिला-बिलासपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। यशवंत कुमार, कलेक्टर, जिला रायगढ़ को कलेक्टर, जिला-जांजगीर-चांपा के पद पर पदस्थ किया गया है। कार्तिकेय गोयल, कलेक्टर, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा को कलेक्टर, जिला महासमुंद के पद पर पदस्थ किया गया है। भूरे सर्वेश्वर नरेन्द्र, कलेक्टर, जिला मुंगेली को कलेक्टर, जिला दुर्ग के पद पर पदस्थ किया गया है। श्री सुनील कुमार जैन, कलेक्टर, जिला महासमुंद को कलेक्टर, जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के पद पर पदस्थ किया गया है। श्री रमेश कुमार शर्मा, उप सचिव, मुख्य सचिव कार्यालय तथा अति0प्रभार-संचालक, भू-अभिलेख व आयुक्त, वाणिज्यिक कर को कलेक्टर, जिला कबीरधाम के पद पर पदस्थ किया गया है। जनक प्रसाद पाठक, कलेक्टर, जिला जांजगीर-चांपा को संचालक, भू-अभिलेख के पद पर पदस्थ किया गया है। श्री जन्मेजय महोबे, आयुक्त सह संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग को कलेक्टर, जिला बालोद के पद पर पदस्थ किया गया है। श्री रितेश कुमार अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, बिलासपुर को कलेक्टर, जिला बीजापुर के पद पर पदस्थ किया गया है। श्री जयप्रकाश मौर्य, कलेक्टर, जिला राजनांदगांव को कलेक्टर, जिला धमतरी के पद पर पदस्थ किया गया है। शिखा राजपूत तिवारी, कलेक्टर, जिला गौरेला-पेंड्रा-मरवाही को नियत्रंक, नाप-तौल के पद पर पदस्थ किया गया है। दीपक सोनी, कलेक्टर, सूरजपुर को कलेक्टर, जिला दंतेवाड़ा के पद पर पदस्थ किया गया है। तंबोली अय्याज फकीर भाई, कलेक्टर, जिला-बस्तर को आयुक्त, गृह निर्माण मंडल के पद पर पदस्थ करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, रायपुर विकास प्राधिकरण, रायपुर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

भीम सिंह, आयुक्त, छग. गृह निर्माण मंडल तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, रायपुर विकास प्राधिकरण, रायपुर को कलेक्टर, जिला-रायगढ़ के पद पर पदस्थ किया गया है। पुष्पेंद्र कुमार मीणा, संचालक, तकनीकी शिक्षा, रोजगार एवं प्रशिक्षण तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राज्य कौशल विकास अभिकरण को कलेक्टर, जिला-कोण्डागांव के पद पर पदस्थ किया गया है। छत्तर सिंह डेहरे, अपर आयुक्त, संभागायुक्त कार्यालय, बिलासपुर एवं अतिरिक्त प्रभार-सचिव, राजस्व मंडल, बिलासपुर एवं सचिव, लोक आयोग को कलेक्टर, जिला गरियाबंद के पद पर पदस्थ किया गया है। केडी कुंजाम, कलेक्टर, जिला बीजापुर को संयुक्त सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग के पद पर पदस्थ करते हुए संयुक्त सचिव, राजस्व विभाग का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। श्री रजत बंसल, कलेक्टर, जिला धमतरी को कलेक्टर, जिला बस्तर के पद पर पदस्थ किया गया है। नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर कलेक्टर, जशपुर को नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के पद पर पदस्थ करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राज्य कौशल विकास अभिकरण, रायपुर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। सत्यनारायण राठौर, नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन को कलेक्टर, जिला कोरिया के पद पर पदस्थ किया गया है। पदुम सिंह एल्मा, कलेक्टर, जिला नारायणपुर को कलेक्टर, जिला-मुंगेली के पद पर पदस्थ किया गया है। जगदीश सोनकर, अपर कलेक्टर, जिला महासमुंद को मुख्य कार्यपालन अधिकारी,छग. स्टेट वाटरशेड मैनेजमेंट एजेंसी, रायपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा, उप सचिव, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को संचालक, महिला एवं बाल विकास के पद पर पदस्थ किया गया है। अनिल कुमार साहू, अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक की सेवायें वन विभाग से लेते हुए प्रबंध संचालक, छ.ग. राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड, रायपुर के पद पर पदस्थ किया गया है। माथेश्वरन वी., भावसे. की सेवायें वन विभाग से लेते हुए संचालक, उद्यानिकी के पद पर पदस्थ करते हुए संचालक, पशु चिकित्सा सेवायें का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

प्रवासी मजदूरों पर...

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अशोक भूषण, जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एमआर शाह ने दो पेज के अपने ऑर्डर में कहा है कि लगातार मीडिया और न्यूजपेपर की रिपोर्ट उन्होंने देखी है और रिपोर्ट बताती है कि प्रवासी मजदूरों की दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है ये मजदूर लंबी दूरियां पैदल तय कर रहे हैं तो कोई साइकल से ये दूरी तय कर रहा है। जहां फंसे हैं वहां के प्रशासन और रास्ते में प्रशासन से शिकायत कर रहे हैं कि उन्हें खाना और पानी नहीं मिल रहा है। देश में अभी लॉक डाउन की स्थिति है। समाज के इस वर्ग को इस परेशानी की घड़ी में सहायता की जरूरत है। इन्हें सरकार से अभी मदद की जरूरत है। खासकर भारत सरकार और राज्य सरकार इसको लेकर कदम उठाए।

देश में लॉकडाउन...

हटाएगी और कारोबारियों तथा आम लोगों का हित किस तरह से साधा जाएगा। श्री मोदी को यह स्वीकार करना चाहिए कि कोरोना को रोकने के लिए उन्होंने जो पहला कदम उठाया था उसमें वह फेल हुए हैं तथा अब वह क्या कर रहे हैं इसके बारे में भी उन्हें बताना चाहिए। पहले वह 'फ्रंट फुट' पर याने आगे आकर इस लड़ाई को लड़ रहे थे लेकिन अब वह 'बैक फुट' पर आ गये हैं, यानी पीछे हट गये हैं। उन्हें आगे आकर बताना चाहिए कि कोरोना से लड़ने की उनकी अगली रणनीति क्या है। कांग्रेस नेता ने कहा कि कोरोना ने देश की अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया है और उन्होंने यह चेतावनी मार्च से पहले ही दे दी थी लेकिन सरकार ने तब उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया।

हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन कोरोना...

इसमें ऐंटी-वायरल कपैसिटी है। जब अमेरिकी सरकार ने भी इसे आपातकालीन दवा के रूप में इसका इस्तेमाल बढ़ा दिया तो हमें और भी लगा कि इसका इस्तेमाल संक्रमण से बचाव में किया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि जैविक संभाव्यता (बायलॉजिकल प्लॉजिबिलिटी), टेस्ट ट्यूब अध्ययन और दवा की उपलब्धता और सुरक्षा के आधार पर हमने डेढ़ महीने पहले हाइड्रोक्लोरोक्वीन का मेडिकल सुपरविजन में इस्तेमाल की अनुशंसा की दी थी।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बिलासपुर (छ.ग.)

संशोधन क्रमांक 01 (जी. क्रमांक 80248/1)

आमंत्रित निविदा सूचना क्र. 07/ले.शा./ दिनांक 24.04.2020 रिफरेंस आई.डी. नं. 202004000344 ग्राम अरईबंद एवं गुनसरी विकासखण्ड तखतपुर में उच्चस्तरीय जलागार निर्माण कार्य की निविदा में खुलने की दिनांक 23.05.2020 को सामान्य अवकाश घोषित होने के कारण निम्नानुसार निर्धारित की जा रही है :-

विवरण	पूर्व निर्धारित तिथि	संशोधित तिथि
निविदा खोलने की तिथि एवं समय	23.05.2020 (अपरान्ह 4.00 बजे से)	28.05.2020 (अपरान्ह 4.00 बजे से)

निविदा की अन्य शर्तें पूर्ववत रहेगी।

जी-81032/3

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बिलासपुर (छ.ग.)

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, (भवन/सड़क)
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर (छ.ग.)

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना संशोधन क्रं. 1

कोविड-19 से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण एवं लाकडाउन अवधि के कारण निविदा सूचना क्र. 1307 दिनांक 04.05.2018 जी नं. 80535 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है।

क्र.	निविदा डालने की तथा लिफाफा प्राप्त एवं खोलने की वर्तमान तिथि	निविदा डालने की तथा लिफाफा प्राप्त एवं खोलने की वर्तमान तिथि
1	दिनांक 18/05/2020	दिनांक 08/06/2020
2	दिनांक 20/05/2020	दिनांक 10/06/2020
3	दिनांक 21/05/05/2020	दिनांक 11/06/2020

निविदा आमंत्रण की शेष शर्तें यथावत रहेगी।

जी-81017/6

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
रायपुर परिक्षेत्र रायपुर

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से प्रपत्र ''ए'' में प्रतिशत दर पर अनुबंध हेतु निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :- **NIT No and Date 38/22.05.2020 Syatem Tender No. 64331** Name of work - Providing, supplying, laying, Jointing, testing & commissing of **49329 mtr. distribution system** 100 mm to 300 mm diameter ductile Iron pipes class K-7 including excavation refilling of tranches with valves, specials & all allied civil works testing and trial run for 3 (Three) months & operation and maintenance for 6 (six) months with all labour and specials **under Augmentaion Water supply Scheme of KOTA TOWN.** Probable amount of contracg **Rs.756.50 Lacs** Class contractor Class "B" ^ above under Unified Registration System, E-Registration. 1st Call, Schedule of Date- Bid Start Date- **26.05.2020**, pre Bid date- **08.06.2020**, Bid Due Date- **15.06.2020**, PHY Sub Date- **19.06.2020**, Open Date **22.06.2020**

नोट :- उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तों, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 26.05.2020 में देखी जा सकती है।

जी-81023/5

मुख्य अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग
रायपुर परिक्षेत्र रायपुर

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER (CIVIL), CSPGCL,
Shed No. 2, Dangania, Raipur-492013 Phone No. 0771-2574562, Fax :- 0771-2574579,
website www.cspc.co.in E-mail:- civilprojectcmg@gmail.com

No.04-04/W/330 Raipur, date 20.05.2020

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from contractors registered in appropriate class in CSPGCL. The unregistered contractor having similar work experience in Govt./Public Sector Undertaking/Local bodies/Power Generating Companies in India only may also be considered on submission of experience certificate for following works as mentioned below :-

Sl. No.	Tender Specification No. & RFx No.	Name of Work	NIT value i/c 18% GST (Rs.)	EMD (Rs.)	Completion period (incl. Rainy season)
1	CEC/HTPS-KW /W/ 2020/34 8100017429	Renovation of badly damaged chute drains of starter dyke at L/S of Ash Dyke Danganiya khar at HTPS, CSPGCL, Korba West.	19.73 Lacs	19,800/-	02 Months
2	CEC/HTPS-KW/ W/ 2020/35 8100017455	Upgradation of kachcha road to WBM road along ash pipe line for inspection & maintenance from steel bridge No. II to IIIrd crossing steel bridge at HTPS, CSPGCL, Korba West.	24.39 Lacs	24,400/-	90 Days
3	CEC/KTPS-KE/ W/ 2020/36 8100017509	Construction of WMM road on top of 2nd stage buttressing area of Podimar Phase-I at KTPS, CSPGCL, Korba East.	7.23 Lacs	7,300/-	02 Months
4	CEC/KTPS-KE/ W/ 2020/37 8100017510	Providing and fixing of 1 No. Complete set of 60kg 1 in 8.5 turnout CMS point and crossing fan shaped switch with 60kg PSC sleeper at KTPS, CSPGCL, Korba East.	15.61 Lacs	15,700/-	02 Months
5	CEC/ABVTPS-MRW/W/ 2020/38 8100017453	Water proofing on RCC roof of welfare center and shopping complex of 2x500 MW ABVTPS, Janjgir - Champa.	9.18 Lacs	9,200/-	02 Months
6	CEC/ABVTPS-MRW/W/ 2020/39 81000 17454	Concrete paving work in D, E, & F type quarters road berm (Phase-II) of 2x500 MW ABVTPS, Janjgir-Champa.	19.48 Lacs	19,500/-	02 Months
7	CEC/ABVTPS-MRW/W/ 2020/40 81000 17505	Urgent providing and fixing of tiles in place of damaged tiles in balance portation of hospital building colony premises at 2x500 MW ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa.	17.37 Lacs	17,400/-	03 Months
8	CEC/ABVTPS-MRW/W/ 2020/41 81000 17504	Work of chain link fencing on both side of Railway Track from Bridge No. 21 (ROB) to In-motion Weigh Bridge for protection of rail signal equipment installed at rail of 2x500 MW ABVTPS, CSPGCL, Janjgir - Champa	24.36 Lacs	24,400/-	02 Months
9	CEC/KTPS-KE/W/ 2020/42 8100017546	Preventive measure leakage seepage from the roof of PGTI Building at KTPS, CSPGCL, Korba East.	18.06 Lacs	18,100/-	02 Months
10	CEC/ABVTPS-MRW/W/ 2020/43 81000 17551	Construction of cement concrete foothpath on LHS (Towards plant) of track from CH-11134 (End of foothpath) to CH-11834 (Start of foothpath on stop board near In-motion weigh bridge) at Railway Track of 2x500 MW ABVTPS, Janjgir-Champa.	18.08 Lacs	18,100/-	06 Months
11	CEC/HTPS-KW/W/2020 /44 8100017403	Safe demolition of damaged platform at EL +158.50 M of chimney PH -II along with strengthening of chimney ladder at HTPS, CSPGCL, Korba West.	32.36 Lacs	32,400/-	03 Months
12	CEC/HTPS-KW/ W/ 2020/45 8100017457	Utilization of ash by filling in private land of Smt. Tripti Singh at village Kasania, Tah. Pondi-Uproda, Distt. Korba.	48.98 Lacs	49,000/-	02 Months
13	CEC/ABVTPS-MRW/ W/2020/46 8100017452	Ash utilization work in departmental land near Basantpur Village 2x500 MW, ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa.	48.66 Lacs	48,700/-	02 Months
14	CEC/ABVTPS-MRW/ W/2020/47 8100017506	Providing and fixing of joggled fish plate for welded joints in load line of railway track of 2x500 MW, ABVTPS, CSPGCL, Janjgir-Champa.	46.98 Lacs	47,000/-	05 Months
15	CEC/DSPM-KE/W/2020/48 8100017557	Annual sanitation maintenance work (Internal & External) of CDEF type colony and residential quarter and AB type colony at DSPM-TPS, CSPGCL, Korba East	21.58 Lacs	21600/-	24 Months

Cost per tender form for S.No. 1 to 10 & 15 is Rs. 590/- (Rs. 500/-+18% GST) and for S.No. 11 to 14 is Rs. 885/- (Rs. 750/-+18% GST) due date & time for submission of bid 10.06.2020 (up to 15:00 Hrs) and bid opening date (EMD, Techno commercial bids) of 12-06-2020 (up to 16:00 Hrs) respectively. The tender document can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspc.in:50724/irj/portal.Note :- (1) Maintenance period shall be 12 (Twelve) months for S.No.1,2,3,4,6,7, 8,9,10,11,12 & 06 (Six) months for S.No.13. (2) Similar nature work experience is required for work at Sl. No. 4, 11 & 14. (3) Civil construction work experience is required for work at S.No. 6. (4) Five Year guarantee period/performance guarantee work at Sl. No. 5 & 9 i/c 12 (Twelve) months maintenance period.

//SAVE ELECTRICITY// S.-25476/1 Chief Engineer (Civil) CSPGCL, Raipur

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

रणवीर ने पूरा नहीं किया दीपिका से किया वादा

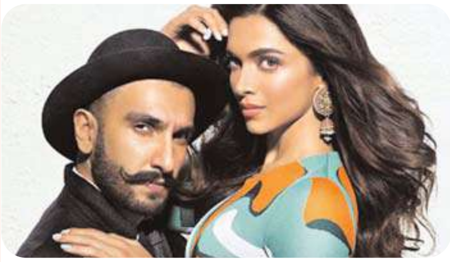

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह का कहना है कि उन्होंने दीपिका पादुकोण से शादी के समय एक वादा किया था जिसे उन्होंने अबतक पूरा नहीं किया है। रणवीर सिंह को काफी केयरिंग हजबैंड माना जाता है। रणवीर ने हाल में बताया है कि उन्होंने दीपिका से किया अपना एक शादी से पहले का वादा आजतक नहीं निभाया है। रणवीर ने इंस्टाग्राम चैट में इस बात का खुलासा किया। उन्होंने कहा, “मैं दीपिका और उनके परिवार के लोगों को इंप्रेस करने के लिए डींगे मारा करता था कि मैं बहुत अच्छा बटर चिकन बनाता हूं। मैं ये भी कहता था कि जब मैं यूएस में यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करता था तो पूरे शहर में सबसे अच्छा बटर चिकन बनाता था और भारत ही नहीं बल्कि पाकिस्तान और बांग्लादेश के लोग भी मेरे दरवाजे पर चिकन खाने के लिए खड़े रहते थे।

रणवीर ने दीपिका और उनके परिवार को अपने हाथ का बटर चिकन खिलाने का वायदा पूरा नहीं किया। उन्होंने कहा, “मैंने चिकन तो खिलाया लेकिन इसमें चीटिंग की थी। मैंने उसे रेडीमेड मिक्स डालकर तैयार किया था। मैंने सोचा कि यदि आप रेडीमेड का पैकेट यूज भी करते हैं तो कोई ध्यान नहीं देता, फिर मेरे पास और कोई रास्ता ही नहीं था क्योंकि मुझे तो केवल अंडा बनाना आता है। भले ही रणवीर को कुकिंग न आती हो लेकिन उन्होंने बताया कि दीपिका को कुकिंग काफी पसंद है। उन्होंने कहा, “दीपिका को कुकिंग का शौक है और वह इस काम में मुझसे काफी बेहतर हैं। इसलिए मैं उनके साथ किचन में मदद करता हूं। लॉकडाउन पीरियड में जब भी वह मेरे लिए थाई फूड बनाती हैं तो मैं उनकी किचन में हेल्प करता हूं।

आयुष्मान की फिल्मों का दक्षिण में बनेगा रीमेक

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के जाने माने अभिनेता आयुष्मान खुराना की फिल्मों का दक्षिण फिल्म इंडस्ट्री में रीमेक बनाया जायेगा। आयुष्मान खुराना ने बेहतर विषय सामग्रियों पर आधारित फिल्मों के चलते अपनी एक अलग छवि बनाई है और वह इस बात से बेहद खुश हैं कि दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग में उनके काम का पुनर्निर्माण किया जाएगा। आयुष्मान का कहना है कि फिल्मों में भाषा, संस्कृति और सीमाओं को पार करने की क्षमता है। बताया जा रहा है कि इन फिल्मों में 'अंधाधुन' तेलुगू और तमिल में बनेगी, 'ड्रीम गर्ल' तेलुगू, में बनाई जायेगी। इनके अलावा 'आर्टिकल 15' को तमिल और 'बधाई हो' को तेलुगू में बनाए जाने की बात पर भी विचार किया जा रहा है।'विक्की डोनर' का रीमेक तमिल में बनाया जा चुका है। आयुष्मान ने कहा, यह जानना काफी संतुष्टिदायक और अभिभूत कर देने वाला रहा कि मेरी कई सारी फिल्मों का पुनर्निमार्ण किया जा रहा है।

श्रोताओं को बेहद पसंद आते हैं ईद के गीत

मुम्बई (वार्ता)। रूपहले पर्दे पर ईद जैसे पवित्र त्योहार से जुड़े फिल्मों के गीत श्रोताओं को बेहद पसंद आते हैं । ये गीत कभी फिल्म के मुख्य आकर्षण हुआ करते थे लेकिन अब तो इस त्योहार की खूशबू फिल्मों में कम ही देखने को मिलती है। राजा नवाथे की वर्ष 1958 में प्रदर्शित फिल्म ..सोहनी महिवाल ..एक ऐसी ही फिल्म थी जिसमें मशहूर गीत ..ईद का दिन तेरे बिन फीका ..फिल्माया गया था। मोहम्मद रफी और लता मंगेशकर की सुमधुर आवाज में रचे..बसे ईद के यह गीत आज भी लोकप्रिय है।सत्तर के दशक में कई फिल्मों में ईद पर आधारित गीत और दृश्य रखे गये। इनमें अमिताभ बच्चन और प्राण पर फिल्माया गीत ..यारी है इमान मेरा यार मेरी जिंदगी.. आज भी शिद्दत के साथ सुना जाता है। इसी तरह वर्ष 1980 में प्रदर्शित फिल्म ..कुर्बानी ..में भी इस पर्व से जुडा ..तुझपे कुर्बां मेरी जान..गीत दर्शकों को बहुत पसंद आया था।

लॉकडाउन में अक्षय ने शूटिंग शुरू की

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार ने लॉकडाउन में शूटिंग शुरू की है।

कोरोना वायरस लॉकडाउन के फ़िल्म इंडस्ट्री में शूटिंग पूरी तरह ठप है। लॉकडाउन 4.0 के बाद धीरे-धीरे गाड़ी पटरी पर लौटने की उम्मीद जताई जा रही है। इस बीच अक्षय कुमार निर्देशक आर बाल्की के साथ मुंबई के कमालिस्तान स्टूडियो में सेट पर नज़र आये। बताया जा रहा है कि अक्षय और आर बाल्की ने स्वास्थ्य मंत्रालय के लिए लॉकडाउन के बाद ज़िम्मेदारियों पर एक कैंपेन शूट किया है। इस दौरान टीम ने सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा और सभी ने मास्क पहने। शूटिंग में कम से कम क्रू को शामिल किया गया।

आर बाल्की ने कहा ,÷लॉकडाउन के बाद हम सब की क्या ज़िम्मेदारियां होंगी, इसी विषय पर स्वास्थ्य मंत्रालय का यह विज्ञापन है। हमें काम फिर शुरू करना है, लेकिन इसके साथ सुरक्षा का भी ध्यान रखना है। सोशल डिस्टेंसिंग, आउटडोर सेट को सेनिटाइज़ करना, संक्रमण रोकने वाली स्क्रींस और मास्क। इससे पहले हमने पुलिस से संबंधित अनुमति ले ली थी। हमें यह इसलिए करना पड़ा, क्योंकि एक ज़रूरी संदेश देना है।

'भाई भाई' गाना रिलीज, सलमान ने प्रशंसकों को दी ईदी

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान ने 'भाई भाई' गाना रिलीज कर अपने प्रशंसकों को ईदी दी है। सलमान खान पिछले कई सालों से फैन्स को ईद पर नया सरप्राइज देते नजर आ रहे हैं। इस साल भी उन्होंने अपनी फिल्म 'राधे' के रिलीज होने की घोषणा की थी। फैन्स के लिए सलमान खान की ओर से यह स्पेशल ईदी होती। लेकिन, कोरोना वायरस के कारण शूटिंग पूरी नहीं हुई और फिल्म रिलीज नहीं हो पाई। लॉकडाउन में सलमान खान अपने परिवार के सदस्यों और करीबी दोस्तों के साथ अपने पनवेल फार्महाउस पर हैं। सलमान खान ने फैन्स को ईद पर स्पेशल ईदी दी है। उन्होंने गाना 'भाई भाई' रिलीज किया है। इस गाने में में सलमान खान धार्मिक एकता का मैसेज दे रहे हैं।

वजन को सही रखने की कोशिश कर रहा हूं :गेब्रियल

जमैका (वार्ता)। लंबे समय से चोटिल चल रहे वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शैनन गेब्रियल का कहना है कि वह अपनी फिटनस और वजन को संतुलित रखने की कोशिश कर रहे हैं।

गेब्रियल पिछले साल सितंबर में भारत के खिलाफखेली गयी दो टेस्ट मैचों की सीरीज में बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाए थे और इसके कुछ समय बाद उनके दाहिने टखने में चोट लग गयी थी जिसके बाद वह छह महीने तक रिहेब में रहे थे। गेब्रियल हालांकि अब फिट हैं और मैदान पर वापसी के लिए उत्सुक हैं। गेब्रियल ने कहा, ÷मैं फिट रहने का हर संभव प्रयास कर रहा हूं और इस कारण मैं अपनी फिटनेस को दुरुस्त करने के लिये कड़ी मेहनत कर रहा हूं तथा अपने वजन को कम करने पर ध्यान दे रहा हूं। मैं अपने टखने पर बहुत अधिक दबाव डालने की कोशिश नहीं कर रहा हूं। मुझे पता है कि एक बार मैंने कड़ी मेहनत की तो अंत में सब ठीक हो जाएगा। मैं सिर्फ सकारात्मक बना रहना चाहता हूं। गेब्रियल ने कहा, ÷हमारी योजना इंग्लैंड दौरा करने की है। मैं केवल सकारात्मक रहने की कोशिश कर रहा हूं और मुझे उम्मीद है कि सब अच्छा होगा। मुझे वेस्टइंडीज का प्रतिनिधित्व करना हमेशा अच्छा लगता है। मैदान पर वापसी करना सुखद है। उन्होंने कहा, ÷नवंबर महीने के बाद से यह एक लंबी यात्रा रही है जब मैंने अपने टखने की सर्जरी करायी थी। सब सही चल रहा है। चोट के बाद वापसी करना और उम्मीद के अनुरुप गेंदबाजी करने में समय लगता है। उन्होंने कहा, ÷मैं कोई भारी-भरकम कार्य नहीं कर रहा हूं। मैं अपने शरीर पर ज्यादा जोर भी नहीं दे रहा हूं। इंग्लैंड में होने वाले संभावित पहले टेस्ट मैच से पहले अभी काफी वक्त बचा है और मुझे यकीन है कि मैं तब तक फिट और तैयार हो जाऊंगा। उल्लेखनीय है कि क्रिकेट वेस्टइंडीज और इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) इस साल जुलाई में टेस्ट सीरीज कराने पर विचार कर रहे हैं।

विजेता घोषित किये बिना बास्केटबॉल यूरो लीग रद्द

पेरिस (वार्ता)। बास्केटबॉल यूरो लीग सत्र 2019-20 को कोरोना वायरस महामारी के कारण बिना विजेता घोषित किये ही रद्द कर दिया गया है। आयोजकों ने बयान में कहा, ÷कार्यकारी बोर्ड ने हरसंभव विकल्प तलाशने के बाद तुर्की एयरलाइंस यूरो लीग को रद्द करने का फैसला किया है।÷ यह निर्णय कार्यकारी बोर्ड की बैठक में लिया गया था। गत 12 मार्च को यूरो लीग सत्र रोकने के बाद इस तरह की यह चौथी बैठक थी।

बयान में कहा गया है कि मुख्य चिंता अभी भी लोगों के स्वास्थ्य की है और 'स्थानीय अधिकारियों के अपने नागरिकों की गतिविधियों पर अलग-अलग तरह से प्रतिबंध लगाए जाने' का हवाला दिया गया था। जिसका मतलब था कि टीमें अपने प्रशिक्षण शिविर को आयोजित नहीं कर सकती थीं और प्रतिबंधित परिस्थितियों में आधिकारिक मैचों की तैयारी करने की अनुमति नहीं थी। कार्यकारी बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी टीम को इस प्रतियोगिता का विजेता घोषित नहीं किया जाएगा। यूरो लीग के अध्यक्ष और कार्यकारी निदेशक जोर्डी बर्टोम्यू ने कहा, ÷इसमें कोई शक नहीं कि हमारे 20 साल के इतिहास में लिया गया यह सबसे कठिन निर्णय है।

37 साल के हुए सुशील कुमार

नई दिल्ली (वार्ता)। लगातार दो ओलम्पिक में व्यक्तिगत पदक जीतने वाले भारत के एकमात्र खिलाड़ी पहलवान सुशील कुमार मंगलवार को 37 साल के हो गए और खेल जगत ने इस दिग्गज पहलवान को उनके जन्मदिन पर बधाई दी है। पद्मभूषण से सम्मानित और द्रोणाचार्य अवार्डी महाबली सतपाल के शिष्य सुशील ने 2008 के बीजिंग ओलंपिक में कांस्य पदक और 2012 के लंदन ओलंपिक में रजत पदक जीता था और वह लगातार दो ओलम्पिक में व्यक्तिगत पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे। सुशील 2010 विश्व चैंपियनशिप में भी स्वर्ण जीत चुके है और यह उपलब्धि हासिल करने वाले वह भारत के एकमात्र पहलवान हैं। सुशील 2010, 2014 और 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्णिम हैट्रिक बना चुके हैं। महाबली सतपाल ने अपने शिष्य को जन्मदिन पर आशीर्वाद देते हुए कहा, ÷मेरे लिए यह बड़े सौभाग्य की बात है कि मुझे ऐसा होनहार शिष्य मिला। मेरे गुरु हनुमान कहा करते थे कि तुमने मुझे चांद पर बैठा दिया है लेकिन मैं यह कहना चाहूंगा कि सुशील ने मुझे इससे भी आगे पहुंचा दिया है। सुशील ने गुरु हनुमान का ओलम्पिक पदक जीतने का सपना पूरा किया जो मेरे लिए बड़े गौरव की बात है।

कोरोना के खतरे के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने खेला गोल्फ

वाशिंगटन (वार्ता)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने वैश्विक महामारी कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित अपने देश की स्थिति के बीच गोल्फ खेला जिसे लेकर उन्हें कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। ट्रम्प ने हाल ही में उनके गोल्फ खेलने को लेकर मीडिया कवरेज के खिलाफ ट्वीट कर कहा, ÷बाहर निकलने के लिए या थोड़ा व्यायाम करने के लिए मैं हर वीकेंड पर गोल्फ खेलता हूं। फर्जी और भ्रष्टाचारी न्यूज ने इसे ऐसे दिखाया है जिससे यह पाप की तरह लगने लगा है। अमेरिका के प्रमुख प्रकाशनों ने दरअसल देश में कोरोना वायरस से लगभग एक लाख लोगों की मौत के बीच ट्रम्प के वर्जीनिया में गोल्फ खेले जाने को लेकर उनकी कड़ी आलोचना की थी जिसे लेकर उन्होंने यह ट्वीट किया है।

बत्रा ने राकेश गुप्ता को बनाया आधिकारिक मिनट्स रिकॉर्डर

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने संयुक्त सचिव राकेश गुप्ता को आधिकारिक मिनट्स रिकॉर्डर बनाया है। आईओए के अध्यक्ष नरेंद्र ध्रुव बत्रा ने सोमवार को एक बयान कर यह जानकारी दी। बत्रा ने कहा कि आईओए की कार्यकारी समिति की बैठक के मिनट्स को 14 दिनों के अंदर तथा वार्षिक आम सभा और विशेष आम सभा के मिनट्स को बैठक के 30 दिनों के भीतर दिया जाना होता है।

सलाइवा पर लगा बैन तो क्रिकेट बोरिंग हो सकता है: मिशेल स्टार्क

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने कहा कि गेंद को चमकाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले सलाइवा (लार) पर बैन से क्रिकेट काफी उबाऊ हो सकता है। स्टार्क ने मंगलवार को कहा कि अगर बॉल और बैट के बीच मुकाबले का बैलेंस नहीं बना तो खेल का रोमांच खत्म हो जाएगा। इतना ही नहीं स्टार्क ने कहा कि अगर ऐसा होता है तो आने वाले समय में युवा क्रिकेटर तेज गेंदबाज बनने के बारे में शायद ही सोचें।

'एकतरफा मुकाबला हो जाएगा क्रिकेट'

उन्होंने कहा, 'हम (गेंदबाज) अपने महत्व में कमी और यह एकतरफा मुकाबला (बल्लेबाजों से) नहीं चाहते हैं। ऐसे में कुछ करने की जरूरत है ताकि गेंद स्विंग हो सके।' उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा नहीं होगा तो लोग क्रिकेट नहीं देखेंगे और बच्चे गेंदबाज नहीं बनना चाहेंगे। ऑस्ट्रेलिया में पिछले कुछ सालों में हमारी पिचें सपाट हुई हैं और अगर गेंद सीधे जाती है तो यह एक बहुत ही उबाऊ मैच होंगे।' पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले की अगुवाई में आईसीसी क्रिकेट समिति ने हाल ही में कोरोना वायरस खतरे से निपटने के लिए सलाइवा के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी।

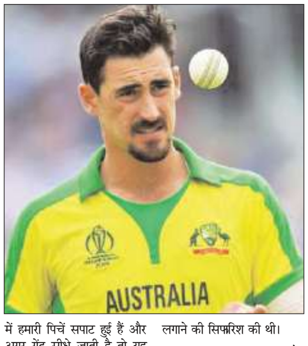

'सलाइवा की जगह कुछ और इस्तेमाल करने की मिले इजाजत'

स्टार्क को लगता है कि गेंदबाजों को इस समय गेंद को दूसरे तरीके से चमकाने की अनुमति देनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'अभी दुनिया में परिस्थितियां सामान्य नहीं हैं और अगर वे कुछ समय के लिए गेंद पर सलाइवा के इस्तेमाल को रोकना चाहते हैं तो उन्हें उस दौरान इस तरह की किसी और चीज की इस्तेमाल के बारे में सोचने की जरूरत है।' गुलाबी गेंद से सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाले गेंदबाजों में शामिल स्टार्क ने कहा कि वो भारत के खिलाफ आने वाली घरेलू सीरीज में डे-नाइट टेस्ट खेलने का इंतजार कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 2015 से डे-नाइट टेस्ट खेल रही है लेकिन भारत ने गुलाबी गेंद से सिर्फएक ही टेस्ट मैच खेला है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा मजबूत होने के सवाल पर 30 साल के स्टार्क ने कहा, 'भारत ने अपने घर में गुलाबी गेंद से खेला है। ऐसे यह उनके लिए पूरी तरह नया नहीं हैं। जहां तक पलड़े की बात है तो घरेलू मैंचों में गुलाबी गेंद से हमारा रिकॉर्ड शानदार है।

बलबीर के नाम पर रखा जाएगा मोहाली स्टेडियम का नाम

चंडीगढ़ (वार्ता)। पंजाब के खेल मंत्री राणा गुरमीत सोढी ने महान हॉकी खिलाड़ी बलबीर सिंह सीनियर को श्रद्धांजलि देने के बाद सोमवार को घोषणा की कि मोहाली में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम का नाम दिवंगत बलबीर के नाम पर रखा जाएगा।

सोढी ने पत्रकारों से कहा कि मोहाली में अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम का नाम बलबीर सिंह सीनियर के नाम पर रखा जाएगा। इसका औपचारिक उद्घाटन मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह उचित समय पर करेंगे। बलबीर का सोमवार सुबह मोहाली में निधन हो गया था। बलबीर सिंह सीनियर को अंतिम श्रद्धांजलि देने वालों में प्रधान सचिव हसन लाल, निदेशक खेल पंजाब संजय पोपली, उपायुक्त मोहाली गिरीश दयालन, आयुक्त नगर निगम चंडीगढ़ और खेल सचिव के के यादव, निदेशक खेल तेजवीर सैनी शामिल थे। परिवार, दोस्तों और शुभचिंतकों के अलावा विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने हॉकी के इस दिग्गज को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

स्टेरिंग और गेयर से खेलने वाले हाथों ने थामा फावड़ा, गैती ने ली कैंची की जगह

नवप्रदेश संवाददाता

खरोरा। कोरोना संकट और लॉकडाउन के बीच प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा ही था। कि कोरोना ने हमें सबसे बड़ा सबक दिया है, कोरोना संकट ने सबसे बड़ा सबक हमें जो सिखाया है कि अब हमें आत्मनिर्भर बनना ही पड़ेगा। बिना आत्मनिर्भर बने ऐसे संकटों से निपटना मुश्किल है। गांव अपनी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए, आत्मनिर्भर बनने के लिए, बड़ा ही सुन्दर सन्देश जनता को दिया । इस संदेश को आत्मसात करते हुए आज के गांव की युवा पीढ़ी के बीच ऐसी ,

दृश्य ग्रामीण क्षेत्रो में दिखने को मिल रहे है ।या फिर यह कहना भी अतिशयोक्ति नहीं होगा कि महामारी के कारण व्यवसाय करने वाले अब आत्मनिर्भर मजदूर बन, तालाबों में उतर कर मेहनत कर रहे है । दरअसल महामारी इतना विकराल रूप ले लेगा इसका अंदाजा किसी को नहीं था । सभी ने भविष्य के सपने संजोए दैनिक दिनचर्या चल रही थी ।

आज ऐसे ही आत्मनिर्भरता की मिशाल पेश करते उन युवाओं के बारे में बारे में बात करने जा रहे हैं जिन्होंने ऐसी संकट की कल्पना भी नहीं की थी जहां कभी उसे

मेहनत मजदूरी कर घर परिवार चलाने के लिए अपना कारोबार छोड़ कर एक दिन मैदान में उतरना पड़ेगा।

भैंसा बस स्टैंड निवासी युवक पप्पू यादव पेशे से टैक्सी ड्राइवर है उनका हाथ स्टेयरिंग को छोड़ किसी कार्य में नहीं पड़ा उनका कहना है की पहली बार उनके हाथ फावड़े पर पड़े जहा उनके हाथों में पड़े छालो ने उन्हें सिखला दिया की जीवन की कठिन परिस्थितियों में परिवार चलाने के लिए कोई भी कार्य मुश्किल नहीं है।।

सेलून बंद अब खोद रहे गोदी

भैंसा बस्ती निवासी केश शिल्पि महेंद्र सेन जिनका स्टैंड में सेलून की दुकान है। जीवन में पहली बार मनरेगा के तहत किए जा रहे कार्य में गोदी खनने पहुंचे उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया की उनका हाथ लोगो के बाल काटने , दाढ़ी बनाने में कुशल है पर उन्होंने इस तरह का मेहनत का कार्य कभी नहीं किया था। कोरोना वायरस संकट की घड़ी में दुकानें बंद होने से घर चलाने के लिए कुछ तो करना ही होगा ।

बहुत कम लोग पहुंचे मांदर बनवाने

भैंसा बस स्टैंड निवासी पवन बंछोर का तबला हारमोनियम, मांदर बनाने की दुकान है पढ़ लिख कर रोजगार की तलाश में प्रयासरत युवक फिलहाल अपने पिता के साथ उनके कार्य में हाथ बटा रहे थे इन्होंने बताया की हमारा व्यवसाय सीजनली होता है इस वर्ष कोराना वायरस के चलते चैत्र नवरात्र पर होने वाली अनुष्ठान नहीं होने से मांदर बनवाने के लिए गिने चुने लोग ही पहुंचे लिहाजा इस वर्ष हमारा काम धंधा बंद रहने के कारण आर्थिक परेशानी बढ़ गई हैं ऐसे में हमने सोचा की थोड़ी मेहनत कर घर खर्च के लिए हाथ बटाएं।

होटल में थे चार कर्मचारी

भैंसा भाठा पारा निवासी विद्याचरण यादव एक होटल व्यवसाई है जो खुद चार कर्मचारियों का रोजी रोटी देकर उनका परिवार चलाते थे वे स्वयं गोदी खनने पहुंचे उन्होंने कहना है की इस बार पूरा सीजन कोराना की भेट चढ गया । दो महीने से होटल बंद होने से आर्थिक तंगी से गुजरना पड़ रहा है ऐसे में मजदूरी ही विकल्प है जिससे घर चलाने में कम से कम उनके परिवार को कोई परेशानी तो नहीं होगी।

न्यूज गैलरी

सोशल डिस्टेंस का पालन करते मजदूरों भोजन वितरण

खरोरा। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त श्री विनोद सेवनलाल चंद्राकर जी एंव श्री कैलाश सोनी जी की मानवीय संवेदनाओं के साथ पूरे छत्तीसगढ़ में सेवा कार्य किया जा रहा है उसी तारतम्य में स्वामी आत्मानंद ओपन स्काउट दल के स्काउट मास्टर श्री मनोज कुमार वर्मा के कुशल नेतृत्व में आज दिनांक 25.05.2020 को संध्या 6:20 बजे रायपुर रेलवे स्टेशन में विभिन्न राज्यों से रेल के माध्यम से आये लगभग 325 मजदूरों जो धमतरी जिला, कांकेर जिला, कवर्धा जिला एवं रायपुर के थे जिनको भोजन वितरण किया गया उसके बाद सभी को मास्क व सोशल डिस्टेंस का पालन करवाने का कार्य किया जा रहा है इस कार्य मे दल नायक नमन साहू के साथ गौरव श्रीवास्तव, उमेश कुमार साहू,आंकुश उपाध्याय, नीतीश साहू एवं अन्य स्काउट्स अपनी सेवा कोरोना महामा

प्रधानमंत्री केयर्स फंड में 6427 रूपए दिया गया

खरोरा। भारतीय जनता पार्टी खरोरा मण्डल मे मण्डल अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ठाकुर के नेतृत्व मे प्रधान मंत्री केयर्स फण्ड मे ग्राम मढ़ी के ग्रामवासियो व पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा अंशदान मण्डल के अन्य कार्यकर्त्ता की उपस्थिति मे दिया गया, मण्डल अध्यक्ष के साथ मे विशेष रूप दुष्यंत साहू , मण्डल संग्रहन प्रभारी बिज्जू गुप्ता , घनश्याम चन्द्राकर, दीपक धनकर, छगन यादव, दुलेस साहू, विकास ठाकुर, गजेंद्र वर्मा, डोमार वर्मा, परस नायक, दुर्गेश चंदेल दिवाकर चंदेल ,अश्वनी वर्मा, शत्रुहन साहू, डगरु पैकरा, कमलेश साहू, महेश धीवर, दिगंबर कश्यप आदि उपस्थित हुए !

पहले दिन नौतपा में जमकर बरसी तपीश, पारा 44 डिग्री पार

खरोरा। 25 मई से नौतपा शुरू हो गया है । पहले दिन है नौतपा ने जमकर कहर बरपाया और खरोरा क्षेत्र में पारा 44 डिग्री पहुंच गया । गांव की गलियां हो या नगर की सड़कें सभी वीरान थे सुबह 8:00 बजे से गर्म हवा देर शाम तक चलती रही । गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया इस वर्ष मई माह में अधिकांश बारिश और खराब मौसम होने से क्षेत्र में गर्मी नहीं बढ़ी थी लेकिन पिछले दो दिनों से तापमान दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है ।दोपहर होने के साथ ही तेज धूप का सामना लोगों को करना पड़ा है । शाम ढलने तक बना रहता है सुबह 11:00 बजे के बाद नगर प्रमुख मार्गों गलियों में सन्नाटा देखने को मिल रहा है। तेज गर्मी से बचने के लिए आ रहे हैं शीतल पेय का सहारा ले रहे है । तेज गर्मी का असर यह है कि लोग घर पर दिन रात कूलर पंखा चलाने मजबूर हो रहे हैं लेकिन लो वोल्टेज, बिजली बंद के कारण कूलर और पंखे भी साथ नहीं दे रहे हैं। तेज गर्मी का असर सबसे ज्यादा छोटे बच्चों और बुजुर्गो पर पड़ रहा है।

कोरोना पॉजिटिव मिलने के बाद भी लोग नहीं हो रहे जागरूक, कर रहे मनमानी

नवप्रदेश संवाददाता

लवन। देश के कई हिस्सों को लॉकडाउन से राहत देने के लिए केंद्र सरकार की योजना के तहत देश को अब रेड, ऑरेंज और ग्रीन तीन जोन में बांटा गया। छतीसगढ़ सहित देश के कई राज्यों को इन तीन जोनों में बांटने का काम अलग-अलग राज्यों में कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामलों की संख्या के आधार पर किया जा रहा। अभी वर्तमान में बलौदाबाजार जिले में 19 कोरोना पॉज़िटिव के मामले सामने है। जिसमे एक मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके है। कोरोना पॉज़िटिव की लगातार बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा लवन, कसडोल, पलारी, बिलाईगढ़ को रेड जोन घोषित किया गया है। लवन के वार्ड क्रमांक 15 खम्हरिया से 3 धाराशिव में 6 कोनारी मे 2 मोहतरा मे 1कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने के बाद भी दुकानो मे व्यापारी और ग्राहक कोरोना जैसी महामारी के प्रति गंभीर दिखाई नहीं दे रहे हैं जिससे यह लापरवाही लोगो के लिए भारी पड़ सकती है। प्रशासनिक अफसर और समाजसेवी लगातार सोशल डिस्टेंस को लेकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं बावजूद लोग ना तो सोशल डिस्टेंस का पालन कर रहे हैं और ना ही मास्क का उपयोग कर रहे है।जिससे कोरोना संक्रमण के फैलने का भय बना हुआ है।

नगर सहित आसपास गांवो के अधिकांश दुकनो मे भी खुलेआम सोशल डिस्टेंस के नियम को तोड़ते हुए नजर आ रहे हैं। सबसे ज्यादा संक्रमण सेलून की दुकानों में फैलने की आशंका रहती है। लोगों की आवाजाही को देखते हुए, चौथे चरण के लॉकडाउन में स्थिति और भी खराब होती दिखाई दे रही है।

लॉकडाउन के नियमों का पालन करने में लोग काफी हद तक लापरवाही कर रहे हैं। जिसके चलते प्रशासन ने आगामी आदेश तक दुकान नहीं खोलने का निर्णय लिया। चूंकि कोरोना जैसी महामारी को घर में रहकर व सोशल डिस्टेंस का पालन करके ही जीता जा सकता है। लॉक डाउन चार में मिली छूट का लोग जानबूझकर गलत तरीके से फायदा उठा रहे है और बिना वजह सड़को पर बिना मास्क लगाए घूम रहे है।

मिली छूट को लोगों ने बना दिया मजाक

शकुंतला फाउंडेशन के संयोजक अमर मिश्रा का कहना है कि जब तक प्रशासन का दवाब था, तो लोग घरों में दुबककर बैठे थे, लेकिन थोड़ी छूट मिलने के बाद लोगों के मन से कोरोना का डर खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि लोग लॉकडाउन को अधिकांश लोग मजाक समझ रहे हैं। लॉक डाउन 4.0 में मिली छूट का लोग नाजायज़ फायदा उठा रहे है। क्षेत्र में 11 कोरोना पॉज़िटिव मिलने के बाद भी लोग जागरूक नहीं दिख रहे है, लवन में आज भी लोग दुकान खोलकर बैठे हुए है, लगता है दुकानदारों को भी किसी प्रकार के कोरोना के भय नही है, सायद इसी वजह से लोग बेखौफहोकर व्यवसायी दुकान खोलकर दुकान चला रहे है।

इस संबंध में नायाब तहसीलदार प्रियंका बंजारा ने बताया कि जिस जिस क़्वारेंटाइन सेंटर से कोरोना पॉज़िटिव पाये गए है, उस जगह से एक किलोमीटर की दूरी तक कंटेन्मेंट जोन घोषित किया गया है, जिससे बाहरी लोगों के आने जाने पर पूर्णता प्रतिबंध लगा दिया गया है। आगे यह भी बताया गया कि दुकान खुलने व बंद होने पर शासन प्रशासन मुस्तैदी से काम कर रहा है।

प्रियंका बंजारा, नायाब तहसीलदार, उप तहसील लवन

50 शिक्षकों ने अपने एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा करवाने की दी स्वैच्छिक सहमति

बेमेतरा/साजा। जैसा कि आप सभी जानते हो कि इस समय पूरा विश्व कोरोना वायरस महामारी से लड़ रहा। हमारा देश भारत व राज्य छत्तीसगढ़ भी इससे अछूता नही रहा। जिस वेग से ये बढ़ रहा है इसका सामना हम सबको मिलकर करना है और इस ष्‍थ1द्बस्र 19 महामारी से हमे खुद भी बचना है औरों को भी सुरक्षित रखना है।

इसी परिपेक्ष्य में शालेय शिक्षा कर्मी संघ साजा द्वारा कोरोना महामारी से लड़ने शासन को सहयोग करने हेतु साथियो को अपने एक दिन के वेतन को स्वैकच्छिक रूप से मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा करने हेतु प्रेरित करने का कार्य किया जाता रहा है।

जिसके परिणामस्वरूप इस माह (मई 2020) के वेतन से 50 शिक्षक साथियो ने अपने एक दिन का वेतन कटौती कर मुख्यमंत्री राहत कोष में जमा के लिये सहमति प्रदान की। 50 शिक्षक साथियो के वेतन कटौती कीऔपचारिकता सम्बधी आवश्यक कार्यवाही आज शालेय शिक्षा कर्मी संघ साजा के ब्लॉक अध्यक्ष पवन साहू एवम कोषाध्यक्ष जमुना सिंह राज द्वारा बीईओ कार्यालय में उपस्थित होकर बीईओ निलिमा गडकरी को सहमति पत्र देकर कार्य सम्पन्न कराई गई। ब्लॉक अध्यक्ष पवन साहू ने कहा कि संकट की इस घड़ी में शिक्षक साथियो की राष्ट्र प्रति सहयोग निसन्देह मानवता के प्रति हमारी आगाध श्रद्धा को प्रदर्शित करता है जो हम सबके लिये अनुकरणीय व सराहनीय है। मीडिया प्रभारी लोमन सिंह वर्मा व कोषाध्यक्ष जमुना सिंह राज द्वारा बताया गया कि ब्लॉक में आगामी माह में भी ष्‍थ1द्बस्र19 की लड़ाई में शासन को सहयोग करने हेतु प्रेरित किये जाने का कार्य निरन्तर जारी रहेगा। शालेय शिक्षा कर्मी संघ साजा ब्लॉक अध्यक्ष पवन साहू द्वारा सभी शिक्षक साथियो से कोरोना महामारी की लड़ाई में शासन के सहयोग हेतु अपील करते हुये सभी शिक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। सहयोग करने वाले शिक्षक साथियो में पवन साहू, बनवारी प्रसाद चेलक, अर्जुन राम वर्मा, अखिलेश बनाफर,गजानन्द वैष्णव, श्रीमती नीता वर्मा, श्रीमती मोगरा, गोरे लाल साहू, हिमकल्यानी सिन्हा, नरेश बघेल, द्रोण वर्मा, सरिता यादव, सरजू निर्मलकर, मोहित साहू, भवानी सिंह नेताम, मणि देवांगन, सतीश कुमार शर्मा, रुकुम लाल साहू, हिरमत ठाकुर, संगीता गजेंद्र, वर्षा जैन, श्रीमती तरुण साहू, छत्रपाल साहू, सुनील मंडावी, प्रभु साहू, राजेश कुमार ठाकुर, सन्तोष कुमार ठाकुर, विमल कुमार वर्मा, किशुन राम साहू, नीलिमा कन्नौजे, कविता वर्मा, सीमा राजपूत, सविता विश्वास, शिल्पा तिवारी, नीलम मिश्रा, बिकलिस मैडम, लोकेश्वरी वर्मा, अंजू राजपूत, मीरा भट्टाचार्य, राजकुमारी वर्मा, प्रीति जैन, शकुन टण्डन, पन्ना लाल साहू, रोशनी पटेल, गोपाल राम पटेल, रामजी ठाकुर, बीरेंद्र कुमार शर्मा, ऊषा किरण जायसवाल है।

गर्मी को देखते हुए अस्पताल और बैंक में पंखा भेंट

देवभोग। लगातार गर्मी के बीच 24 घंटा अपनी सेवाएं दे रहे डॉक्टरों को ब्लॉक के एसडीएससी मोर्चा एवं अंबेडकर वादियों ने शासकीय अस्पताल में और बैंक के बाहर कड़ी धूप में इंतजार कर अपनी राशि निकालने वाले सैकड़ों ग्राहकों के लिए पंखा भेंट किया इससे डॉक्टर एवं बैंक के बाहर आने वाले ग्राहकों को काफी राहत मिलेगी भेंट करने के दौरान एसटी एससी ओबीसी संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष धनसिंह मरकाम, एवं कोषाध्यक्ष अरुण सोनवानी, भीम सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष टेकलाल प्रधान, झालेष डोंगरे नासिर खान टीकम निषाद रोहित हरपाल मौजूद रहे

स्व. रामलला की पुण्य स्मृति में बैंक को दिया वाटर कूलर

लवन। स्व. श्री रामलला वर्मा पूर्व समिति प्रबंधक के पुण्य स्मृति में धर्म पत्नी यशोदा एवं पुत्र पूरन लाल वर्मा बैंक कर्मचारी ग्राम कोरदा द्वारा जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा लवन को वाटर कूलर का भेंट दिया गया। बैंक शाखा को वाटर कूलर मिलने पर बैंक के कर्मचारियों व ग्राहकों में खुशी की लहर व्याप्त है। ग्राहक जून की इस तपती धूप में इधर - उधर भटकने के बजाय लोग वाटर कूलर की ठंडी पानी पी सकेंगे। इस मौके पर उपस्थित सभी ग्राहकों को यशोदा बाई वर्मा द्वारा ठंडा पानी पिलाया गया। इस दौरान प्रबंधक रामकुमार नवरंग, सहायक लेखपाल बीरेंद्र सिंग वर्मा, पर्यवेक्षक गिरधारी लाल ध्रुव, क्लर्क त्रिभुवन सिंग ध्रुव, ज्ञानदास टंडन, खेलावन सिंग ठाकुर, नरेंद्र कुमार यदु, श्रीराम रजक, गोविंद पटेल, रोहित कुमार साहू, परिवारजनों में पत्नी यसोदा वर्मा, पुत्र पूरन वर्मा, भाई रमेश वर्मा, चाची खोलबहरिन वर्मा, केवल वर्मा, शुखवंतीन वर्मा, केदारनाथ वर्मा, लक्ष्मीन वर्मा प्रमुख़ रूप से उपस्थित रही ।

कांग्रेसजनों ने झीरम के शहीदों को किया नमन

डोंगरगढ़। ब्लॉक शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा 2013 विधानसभा चुनाव के पूर्व झीरम घाटी में हुए नक्सली हमले में शहीद कांग्रेस नेताओं पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नंद कुमार पटेल पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा पूर्व विधायक उदय मुदलियार कांग्रेस नेता अल्लानूर भिंडसरा सहित समस्त कांग्रेस नेता गण एवं सुरक्षाकर्मियों के शहादत पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। 2013 विधानसभा चुनाव के पूर्व प्रदेश कांग्रेस द्वारा निकाली गई परिवर्तन यात्रा को तत्कालीन भाजपा सरकार द्वारा सुरक्षा प्रदान नहीं किए जाने के फलस्वरूप छत्तीसगढ़ कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को बस्तर के झीरम घाटी में नक्सलियों द्वारा हमला कर समाप्त कर दिया गया। यदि प्रदेश कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष नंद कुमार पटेल एवं अन्य नेताओं की नक्सली हमले में शहादत नहीं हुई होती तो निश्चय ही 2013 में ही छत्तीसगढ़ प्रदेश में कांग्रेस सरकार बन जाए रहती। समस्त कांग्रेसजनों द्वारा 2 मिनट का मौन रख शहीद कांग्रेस नेताओं एवं सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

खरोरा के युवा साथियों ने प्रवासी भाई-बहनों को किया पुलाव का वितरण

महासमुंद। ग्राम खरोरा के युवा साथियों द्वारा आज मंगलवार को सभी साथियों के सहयोग से हमारे प्रवासी भाई-बहनो के लिए भोजन की व्यवस्था नदी चौक घोड़ारी के स्टाल मे की गई। बसो, ट्रको और अन्य साधनो से जो भी प्रवासी भाई-बहन मार्ग से गुजरे उसे पुलाव का पैकेट और पानी प्रदान की गई, इस कार्य मे देवदत्त, संदीप, पंकज, हेमु, हेमंत गोलु, दुर्गेश, भास्कर, धनंजय, संदीप, पंकज, राजु अमर, लोकेश, ओमप्रकाश, देवेश, सत्तु, मुकेश,रामप्रसाद और अन्य साथी गण उपस्थित रहे ।

झीरम की पुण्य तिथि पर धरसींवा अस्पताल का नाम भावना शहीद योगेंद्र शर्मा नाम पर रखने की मांग

खरोरा। झीरम घाटी की सातवीं पुण्यतिथि में धरसीवा विधायक शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की।

आज ही के दिन झीरम घाटी में नक्सलियों ने कांग्रेस की प्रथम पंक्ति के नेता व छत्तीसगढ़ के जवानों पर नक्सलियों के द्वारा क्रूरता पूर्वक हमला किया गया जिसमें नेता व जवान शहीद हो गए जिनकी आज 7वी पुण्यतिथि में ग्रामपंचायत टेकारी, छपोरा, भुरकोनी, सिलतरा, व चरोदा में छेत्रिय विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा द्वारा मनरेगा में कार्य कर रहे मजदूरो को बिस्किट, साबुन, मास्क व सेनेटाइजर का वितरण किया गया । विधायक अनिता शर्मा द्वारा लोगो को सोसिअल डिस्टेन्स का पालन करने व दूरी बनाने की भी अपील की गई । दौरे में विधायक शर्मा के साथ ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री दुर्गेश वर्मा सरपंच श्री अरुण शुक्ला, श्री राम कुमार वर्मा, श्री पिंटू वर्मा,श्री राजेश शर्मा, श्री रवि, श्री हर्षित शर्मा, श्री अविनाश शर्मा एवं कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे। तत्पश्चात शहीदों की श्रद्धांजलि का कार्यक्रम विधायक ने अपने गृह ग्राम टेकारी के निवास स्थान पर रखा जिसमें धरसींवा स्वस्थ्या केंद्र का नामांकरण की उठी मांग ।

शहीद योगेंद्र शर्मा जो कि झीरम घाटी में शहीद हुए थे वो छेत्र के लोकप्रिय नेता होने के साथ-साथ समाज सेवक , लोगो के सुख दुख में साथ खड़े रहते थे इसके अलावा गरीब बच्चों के पढ़ाई के लिए व धार्मिक कार्यो में हमेशा सहयोग करते रहे । उन्ही को श्रद्धांजलि अर्पण करने के लिए भनपुरी ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अजय जी महाराज एवं ब्राह्मण समाज के सदशयो द्वारा धरसींवा स्वस्थ्या केंद्र का नाम शहीद योगेंद्र शर्मा के नाम करने के लिए धरसींवा विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा को ज्ञापन सौंपा और उनके द्वारा विधायक शर्मा को माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल जी व स्वास्थ्य मंत्री श्री टी सिंह देव जी को सौपे गए ज्ञापन की कॉपी भी उपलब्ध कराई।

न्यूज गैलरी

देश का सबसे बड़ा ऑनलाइन ग्रोसरी शॉपिंग प्लेटफॉर्म - जियोमार्ट लॉन्च

नयी दिल्ली (वार्ता)। रिलायंस के ऑनलाइन ग्रोसरी शॉपिंग प्लेटफॉर्म जियोमार्ट ने 200 शहरों से अपनी शुरूआत कर दी है। इसके लिए एक वेबसाइट एचटीटीपीएस:// डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू. जियोमार्ट. कॉम/ लॉन्च की गई है। जिस पर ग्राहक ऑर्डर दे सकेंगे।

जियो मार्ट ने जिन 200 शहरों से आगाज़ किया है, उनमें से 90 शहर पहली बार ऑनलाइन ग्रोसरी शॉपिंग करेंगे। मतलब इससे पहले इन शहरों में ऑनलाइन ग्रोसरी शॉपिंग की कोई ऑनलाइन व्यवस्था नही थी। जियोमार्ट पहली बार इन शहरों में ऑनलाइन ग्रोसरी शॉपिंग ले कर आया है। जियो मार्ट के अनुसार अमेजन की 110 शहरों में डिलिवरी उपलब्ध है। वहीं बिगबास्केट और फ्लिपकार्ट क्रमशः 30 और 26 शहरों तक ही सीमित हैं। जियो मार्ट ने 200 शहरों में कारोबार की शुरूआत करके रिटेल क्षेत्र में एक बड़े खिलाड़ी के रूप कदम रखा है।

टाटा स्टील पीएफमें 12 फीसदी अंशदान देगी

जमशेदपुर। टाटा स्टील और टाटा वर्कर्स यूनियन ने कर्मचारी भविष्य निधि के हिस्सेदारी को लेकर बड़ा फैसला लिया है। यूनियन और कंपनी प्रबंधन के बीच कोविड-19 अवधि (मई, जून, जुलाई) में भी पीएफ हिस्सेदारी 12 प्रतिशत देने पर सहमति बनी है। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 को लेकर केंद्र सरकार ने पीएफ कटौती की हिस्सेदारी को 12 से घटाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। सरकार ने यह फैसला नियोक्ता व कर्मचारियों के बोझ को कम करने के उद्देश्य से किया था। 20 लाख करोड़ के आत्मनिर्भर भारत पैकेज का ऐलान करते समय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने पीएफ में जमा की जाने वाली राशि को बेसिक सैलरी के 12 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी कर दिया था। यह फैसला मई, जून और जुलाई 2020 के वेतन की कटौती के लिए लिया गया है।

एचडीएफसी और जस्ट डायल का मुनाफा घटा

नई दिल्ली। 31 मार्च को खत्म तिमाही के नतीजे HDFC ने सोमवार को जारी कर दिए। मार्च 2020 तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 22 फीसदी घटकर 2233 करोड़ रुपए रह गया। यह पिछले साल की इसी तिमाही के 2862 करोड़ रुपए के मुकाबले कम रहा है। 31 मार्च 2020 तक HDFC का ग्रॉस नॉन परफॉर्मिंग लोन 8908 करोड़ रुपए था। यह कंपनी के लोन पोर्टफोलियो का 1.99 फीसदी है। वहीं जस्ट डायल और बाटा को फायदा हुआ है। HDFC ने सोमवार को अपनी चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए। कंपनी के बोर्ड ने डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी ने 21 रुपए प्रति शेयर के हिसाब से डिविडेंड देने

कोरोना का कहर : आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक लेंगे 10 प्रतिशत कम वेतन

थम नहीं रहा कर्मचारियों की छंटनी का सिलसिला

नई दिल्ली। एक ओर कोरोना महामारी दुनिया भर में 50 लाख से ज्यादा लोगों को जकड़ चुका है तो वहीं इसके प्रभाव से लगातार नौकरियां छिन रही हैं। करोड़ लोग बेरोजगार हो चुके हैं। कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या की तरह कंपनियों से छंटनी और कर्मचारियों की सैलरी कट की बुरी खबरों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला टीवीएस मोटर कंपनी का है। कंपनी ने कोरोना वायरस महामारी के चलते छह महीने की अवधि के लिए अपने कर्मचारियों के वेतन में 20 प्रतिशत तक की कटौती की है। कंपनी ने इस साल मई से अक्टूबर तक शुरुआती स्तर के कर्मचारियों को छोड़कर कार्यकारी स्तर पर वेतन कटौती का फैसला किया है। टीवीएस मोटर कंपनी के एक प्रवक्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''अप्रत्याशित संकट के मद्देनजर कंपनी ने छह महीने (मई से अक्टूबर, 2020) के लिए विभिन्न स्तरों पर वेतन में अस्थायी कटौती की है।

15 से 20 प्रतिशत तक वेतन कटौती

प्रवक्ता ने कहा कि श्रमिक स्तर पर काम करने वालों के वेतन में कोई कटौती नहीं होगी। वरिष्ठ कार्यकारी स्तर पर 15 से 20 प्रतिशत तक वेतन कटौती होगी, जबकि कनिष्ठ कार्यकारी स्तर पर पांच प्रतिशत वेतन कम होगा। टीवीएस मोटर कंपनी देश की तीसरी सबसे बड़ी दोपहिया कंपनी है। इससे पहले कंपनी ने बताया था कि उसने छह मई को देश भर में अपने सभी विनिर्माण संयंत्रों में परिचालन फिर से शुरू कर दिया है। कंपनी के चार विनिर्माण संयंत्र हैं। इनमें से तीन भारत में (तमिलनाडु में होसुर, कर्नाटक में मैसूर और हिमाचल प्रदेश में नालागढ़) हैं और एक इंडोनेशिया के कारवांग में है।

कोविड-19 के प्रभाव को देखते हुए निजी क्षेत्र के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के वरिष्ठ प्रबंधकों ने स्वैच्छिक रूप से 10 प्रतिशत कम वेतन लेने की घोषणा की है। बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने भी अपने वेतन में 30 प्रतिशत कटौती स्वीकार की है। बैंक ने सोमवार को एक बयान में कहा कि उसके वरिष्ठ प्रबंधन अधिकारियों ने चालू वित्त वर्ष में स्वैच्छिक रूप से 10 प्रतिशत कम वेतन लेने की घोषणा की है। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी वी. विजयनाथन ने भी अपने वेतन में 30 प्रतिशत कटौती की है। बैंक ने सभी कर्मचारियों को बनाए रखने की बात भी कही। इसमें महामारी से पहले नए भर्ती किए गए कर्मचारी भी शामिल हैं।

उबर इंडिया ने 600 स्थायी कर्मचारियों को निकाला

नई दिल्ली। ऑनलाइन कैब सेवा देने वाली कंपनी कंपनी उबर ने भारत में 600 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। यह छंटनी कस्टमर एंड ड्राइवर सपोर्ट, बिजनेस डवलपमेंट, लीगल, फाइनेंस और मार्केटिंग वर्टिकल्स से की गई है। ये 600 कर्मचारी उबर की देश में कुल वर्कफोर्स का करीब 25 फीसदी है। बता दें कैब सेवा प्रदाता सेक्टर में उबर की प्रतिद्वंदी कंपनी ओला ने भी कोरोना आपदा से निपटने के लिए कर्मचारियों की छंटनी शुरू की है। पिछले सप्ताह ही ओला ने 1400 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था। यह देश में ओला की कुल वर्कफोर्स का 35 फीसदी संख्या है।

रियलमी ने लांच किया स्मार्ट टीवी, वांच और बड्स

नई दिल्ली (वार्ता)। स्मार्टफेन बनाने वाली कंपनी रियलमी ने आज भारतीय बाजार में लाइफस्टाइल सेगमेंट में प्रवेश करते हुये स्मार्टटीवी , रियलमी वॉच, रियलमी बड्स एयर नियो और रियलमी 1000 एमएएच पावर बैंक2 लॉंच करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि मीडियाटेक 64 बिट क्वाड कोर प्रोसेसर और डॉल्बी ऑडियो प्रमाणित 24 वॉट क्वाड स्टिरियो स्पीकर से लैस स्मार्टटीवी 32 इंच और 43 इंच स्क्रीन में लॉंच किये गये हैं। इसकी कीमत क्रमश. 12999 रुपये और 21999 रुपये है। इसकी बिक्री दो जून को की जायेगी।

उसने कहा कि रियलमी वॉच में 3.5 सेंटीमीटर का स्क्रीन है। इसकी कीमत 3999 रुपये है और इसकी बिक्री पांच जून को की जायेगी। इसके साथ ही कंपनी ने बड्स एयर नियो लॉंच किया जिसकी कीमत 2999 रुपये है और इसकी बिक्री शुरू हो चुकी है। इसके अतिरिक्त उसने उस हजार एमएएच का पावर बैंक 2 लॉंच किया है जिसकी कीमत 999 रुपये है और यह 25 मई से बिक्री के लिए उपलब्ध होगा। इन नये उत्पादों को लॉंच करते हुये रियलमी के उपाध्यक्ष एवं रियलमी इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी माधव सेठ ने कहा कि भारत हमेशा उनकी कंपनी के लिए प्राथमिकता वाला बाजार रहा है। उनकी कंपनी भारतीय बाजार में एआईओटी उत्पाद लॉंच करने की तैयारी की है।

चार्टर्ड फ्लाइट के यात्रियों के लिए भी जरूरी होगा आरोग्य सेतु

नई दिल्ली (वार्ता)। नियमित यात्री उड़ानों की तरह चार्टर्ड फ्लाइट के यात्रियों के लिए भी आरोग्य सेतु ऐप का इस्तेमाल या स्वघोषणा अनिवार्य किया गया है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एक आदेश जारी कर चार्टर्ड फ्लाइट के यात्रियों के लिए दिशा-निर्देश तय किये हैं। इसमें कहा गया है कि कॉम्पेटिबल फोन होने पर यात्रियों के लिए आरोग्य सेतु ऐप का इस्तेमाल आवश्यक होगा। ऐप में हरा संकेत आने पर ही उन्हें हवाई अड्डे पर बोर्डिंग के लिए जाने दिया जायेगा। चौदह वर्ष से कम के यात्रियों को इससे छूट दी गयी है। यदि फोन ऐप के लिए कॉम्पेटिबल नहीं है तो यात्रियों को स्वघोषणा करनी होगी कि वे कंटेनमेंट जोन में नहीं रह रहे हैं तथा कोविड-19 के मरीज नहीं पाये गये हैं। साथ ही उन्हें यह भी बताना होगा कि वे कोविड-19 के लक्षणों से मुक्त हैं।

हवाई अड्डे पर इन यात्रियों की स्क्रीनिंग और सुरक्षा जाँच भी दूसरे यात्रियों की तरह ही होगी। जहाँ नियमित उड़ानों के यात्रियों का कम से कम दो घंट पहले हवाई अड्डे पर पहुँचना अनिवार्य किया गया है वहीं चार्टर्ड फ्लाइट के यात्रियों को कम से कम 45 मिनट पहले पहुँचने का निर्देश दिया गया है। ऑपरेटरों से कहा गया है कि वे यात्री का फोन नंबर और पूरा पता लेकर संबंधित राज्य सरकारों के साथ साझा करें। साथ ही इसका रिकॉर्ड वे स्वयं भी रखें ताकि किसी यात्री के बाद में कोविड-19 संक्रमित पाये जाने पर उसके संपर्क में आये अन्य यात्रियों की पहचान आसानी से हो सके। चालक दल के सदस्यों का पीपीई किट में होना अनिवार्य किया गया है। विमान में यात्रियों को खाना नहीं दिया जायेगा।

रुपया 29 पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर में रही भारी गिरावट के कारण अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 75.66 रुपये प्रति डॉलर पर पहुँच गया। पिछले कारोबारी दिवस भारतीय मुद्रा 34 पैसे की गिरावट के साथ 75.95 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। यह 26 पैसे की बढ़त में 75.69 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और दिन भर 75.62 रुपये प्रति डॉलर से 75.74 रुपये प्रति डॉलर के सीमित दायरे में रहा।

कारोबार की समाप्ति पर यह गत दिवस की तुलना में 29 पैसे की मजबूती के साथ 75.66 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

दुनिया की अन्य छह प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर का सूचकांक आज 0.66 प्रतिशत टूट गया। इससे रुपये को बल मिला।

दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से 63 अंक लुढ़का सेंसेक्स

मुंबई (वार्ता)। दिग्गज कंपनियों में बिकवाली के दबाव में बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स आज 63.29 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की गिरावट में 30,609.30 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 10.20 अंक यानी 0.11 फीसदी लुढ़ककर 9,029.05 अंक पर आ गया।

दोनों प्रमुख सूचकांकों में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही जबकि मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली का जोर रहा। बीएसई का मिडकैप 1.21 प्रतिशत की मजबूती के साथ 11,406.58 अंक पर और स्मॉलकैप 0.63 फीसदी चढ़कर 10,590.42 अंक पर बंद हुआ।

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच आरंभ में बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स सुबह के समय 400 अंक से अधिक चढ़ गया था। लेकिन आखिरी डेढ़ घंटे में यह लाल निशान में उतर गया। आईटी और टेक समूहों की दिग्गज कंपनियों टीसीएस और इंफोसिस के साथ ही भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा एचडीएफसी में बिकवाली से यह दबाव में रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में एयरटेल के शेयर साढ़े पाँच प्रतिशत से अधिक लुढ़क गये। टीसीएस और बजाज फाइनेंस में साढ़े तीन प्रतिशत की गिरावट रही। टाइटन के शेयर पाँच प्रतिशत से अधिक चढ़े।

विदेशों में भी अधिकतर प्रमुख शेयर बाजार हरे निशान में रहे। एशिया में जापान का निक्की 2.55 प्रतिशत, हांगकांग का हैंगसेंग 1.88 प्रतिशत, दक्षिण कोरिया का कोस्पी 1.76 प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 1.01 प्रतिशत की बढ़त में बंद हुआ। यूरोप में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफ्टीएसई 1.18 प्रतिशत और जर्मनी का डैक्स 0.43 प्रतिशत मजबूत हुआ।

खिलाएंगे-पिलाएंगे आबकारी विभाग के साथ मिलकर काम कर रही कंपनी

अब ओडिशा में शराब की होम डिलीवरी करेगी जोमैटो

नई दिल्ली। रेस्तरां के बारे में ऑनलाइन जानकारी और खाने की बुकिंग के लिए मंच उपलब्ध कराने वाली कंपनी जोमैटो झारखंड के बाद अब ओडिशा में शराब (अल्कोहल) की होम डिलीवरी करेगी। Zomato इसकी शुरूआत राजधानी भुवनेश्वर से करने जा रही है। जोमैटो ने एक बयान में कहा कि भुवनेश्वर से शुरू करने के बाद कंपनी राउरकेला, बालेश्वर, संबलपुर और कटक जैसे ओडिशा के दूसरे शहरों में भी घरों तक शराब की डिलिवरी करेगी। इससे पहले, जोमैटो और स्विगी ने 21 मई से झारखंड की राजधानी रांची से शराब की घरों तक डिलिवरी शुरू करने की घोषणा कर थी।

जोमैटो के उपाध्यक्ष राकेश रंजन ने कहा, ''हम ओडिशा में लोगों को सेवा देकर खुश हैं। वे अब हमसे किराना और खाने के सामान के अलावा शराब के लिए भी जोमैटो मंच का उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी सुरक्षा निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिये आबकारी विभाग के साथ मिलकर काम कर रही है। साथ ही खपत और पहचान सत्यापन व्यवस्था भी तैयार कर रही है ताकि पात्र व्यक्ति ही इसका आर्डर और उसका सेवन कर सके।

रंजन ने सुरक्षित और दिशानिर्देशों का पालन करते हुए घर तक अल्कोहल पहुंचाने की सेवा शुरू करने में सहयोग को लेकर ओडिशा सरकार और खुदरा शराब उद्योग का आभार जताया। बयान के अनुसार जोमैटो ने शराब की सुरक्षित डिलिवरी को लेकर कई सुरक्षा उपाय तैयार किया है। आर्डर के समय संबंधित व्यक्ति की उम्र के सत्यापन के साथ उसकी आपूर्ति के समय भी इसकी जांच की व्यवस्था की गयी है।

ऐसा मिलेगी शराब

आर्डर करने वाले को अपनी पहचान और उम्र की जानकारी देने को लेकर वैध पहचान पत्र 'अपलोड करना होगा। बाद में शराब की आपूर्ति करते समय उसका सत्यापन किया जाएगा। साथ ही उत्पाद श्रेणी सीमा का भी प्रावधान किया गया है कि ताकि पात्र व्यक्ति ही इसकी सही तरीके से आर्डर कर सके।

जोमैटो के उपाध्यक्ष राकेश रंजन ने कहा, ''हम ओडिशा में लोगों को सेवा देकर खुश हैं। वे अब हमसे किराना और खाने के सामान के अलावा शराब के लिए भी जोमैटो मंच का उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी सुरक्षा निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिये आबकारी विभाग के साथ मिलकर काम कर रही है। साथ ही खपत और पहचान सत्यापन व्यवस्था भी तैयार कर रही है ताकि पात्र व्यक्ति ही इसका आर्डर और उसका सेवन कर सके। रंजन ने सुरक्षित और दिशानिर्देशों का पालन करते हुए घर तक अल्कोहल पहुंचाने की सेवा शुरू करने में सहयोग को लेकर ओडिशा सरकार और खुदरा शराब उद्योग का आभार जताया। बयान के अनुसार जोमैटो ने शराब की सुरक्षित डिलिवरी को लेकर कई सुरक्षा उपाय तैयार किया है।

सोना सस्ता, चांदी महंगी

नई दिल्ली। शुक्रवार के मुकाबले आज यानी मंगलवार 26 मई को सोना 10 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हो गया तो वहीं चांदी की कीमतों में बड़ा उछाल देखने को मिल रहा है। आज सुबह 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 47090 रुपये पर बिका। इससे पहले यह शुक्रवार को 47100 रुपये पर था। आज चांदी के भाव में जबरदस्त इजाफा हुआ है।

940 रुपये प्रति किलो उछाल के साथ चांदी 47985 रुपये पर पहुंच गई है। वहीं 23 कैरेट और 22 कैरेट सोने की कीमतों में भी मामूली गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन दिल्ली के मीडिया प्रभारी राजेश खोसला के मुताबिक द्बड्डद्बद्ब देशभर के 14 सेंटरों से सोने-चांदी का करेंट रेट लेकर इसका औसत मूल्य बताता है। खोसला कहते हैं कि सोने-चांदी का करेंट रेट या यूं कहें हाजिर भाव अलग-अलग जगहों पर अलग हो सकते हैं पर इनकी कीमतों में मामूली अंतर होता है।

पहली बार सोना 9 अप्रैल को 45201 रुपये के नए शिखर पर पहुंच गया। चार दिन बाद यह रिकॉर्ड टूट गया और 13 अप्रैल को सोना पहुंच गया 46034 रुपये प्रति दस ग्राम पर। सोने ने इस दिन ऑल टाइम नया कीर्तिमान स्थापित किया, लेकिन 15 अप्रैल को यह भी ध्वस्त हो गया। सोना 46534 रुपये प्रति 10 ग्राम के एक और नए शिखर पर पहुंच गया। यह भी रिकॉर्ड अगले ही दिन 16 अप्रैल को टूट गया और 10 ग्राम गोल्ड की कीमत हो गई 46928 रुपये। यह कीर्तिमान भी 18 मई को टूट गया। सोना 47861 रुपये पर पहुंच गया। हालमार्क वाली ज्वैलरी पर हॉलमार्क का निशान और कुछ अंक जैसे 999, 916, 875 लिखे होते हैं। इन्ही अंकों में आपके सोने की शुद्धता का राज छुपा होता है।

आज का भविष्यफल

मेषः आज तृतीय पराक्रम भाव में चंद्रमा का प्रबल योग बन रहा है। आज पराक्रम में वृद्धि का दिन है। रूके हुए कार्य गति पकड़ेंगे। लाभ के अवसर दिखाई देंगे। भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

वृषभः आज आपका ध्यान नई योजनाओं में लगेगा। कानूनी विवाद में सफलता, ट्रांसफर की योजना सफल हो सकती है। परिवार में हर्ष मंगलमय परिवर्तन व मनोरथ सिद्धि होगी।

मिथुनः आज का दिन काफी रचनात्मक है। जो काम आपको सबसे ज्यादा प्रिय है आज वही करने को मिलेगा। शत्रुओं पर आपकी विजय सुनिश्चित है।

कर्कः आज का दिन मिश्रित फलदायी होगा। खर्च के योग बन रहे हैं, सोच-समझकर ही धन-निवेश करें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। घर से बाहर न निकलें तो बेहतर होगा। आज का दिन वैसे तो काफी व्यस्त रखने वाला है।

सिंहः आज का दिन काफी सृजनात्मक है। जो भी काम लगन के साथ करेंगे, उसमें पूर्ण लाभ की संभावनाएं सुनिश्चित हैं। मन प्रसन्न रहेगा। धन निवेश में लाभ के प्रबल योग हैं।

कन्याः कार्य व्यापार में आज उन्नति और लाभकारक का दिन है। किया हुआ कार्य दो दिन बाद अथवा लिया गया निर्णय आपको सफलता दिलाएगा। कार्य-व्यवहार से जुड़े सभी विवाद आज सुलझ सकते हैं।

तुलाः भाग्य आज आपका साथ देने को बेताब है। कर्म करते जाएं और सब कुछ भाग्य पर छोड़ दें। कार्यों में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान में वृद्धि का योग बन रहा है।

वृश्चिकः आज का दिन मध्यम फलदायी है। अनावश्यक यात्रा करने से परहेज करें। किसी से अनावश्यक वाद-विवाद अथवा चोट-चपेट की घटना चिंताओं का कारण हो सकती हैं।

धनुः आज का दिन सावधानी और सतर्कता का है। जीवनसाथी अथवा किसी प्रिय व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होगा। मन प्रसन्न रहेगा और रूके हुए कार्य पूर्ण होंगे।

मकरः आज का दिन लाभकारक रहेगा। रूका हुआ धन प्राप्त होगा। अचानक कोई शुभ समाचार मिलेगा। शत्रु एवं विरोधी आपसे दूर भागेंगे। व्यापार में जोखिम उठाने का परिणाम आज हितकर रहेगा।

कुंभः सुबुद्धि के बल पर कार्य बनेंगे और कुबुद्धि के कारण कार्य बिगड़ सकते हैं। सोच-विचारकर बुद्धि बल का प्रयोग करें। साझेदारी में किया व्यापार फायदा पहुंचाएगा।

मीनः आज का दिन मिश्रित फलदायी होगा। आज वाणी पर नियंत्रण रखेंगे तो दिन सुख-शांति से बीतेगा। अन्यथा किसी व्यक्ति से वाद-विवाद के कारण मन दुःखी रह सकता है।

सू- दोकू क्र.034

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है, जिसमें 9 वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भरा जा सकता है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1से9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.33 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -034

बाएं से दाएं : [illegible]

ऊपर से नीचे : [illegible]

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 33 का हल

बूढ़ा तालाब बनेगा शहर के आकर्षण का केन्द्र : सीएम भूपेश

■ मुख्यमंत्री ने किया बूढ़ा तालाब का अवलोकन

■ तालाबों को साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए जनभागीदारी जरूरी

■ साफ-सफाई के बाद योजनाबद्ध रूप से बूढ़ा तालाब का किया जाएगा सौंदर्यीकरण

■ शहर के अन्य तालाबों की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण भी किया जाएगा

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि राजधानी रायपुर का ऐतिहासिक बूढ़ा तालाब विवेकानंद सरोवर आने वाले समय में तेलीबांधा तालाब जैसे ही शहर के आकर्षण का केन्द्र बनेगा। बूढ़ा तालाब की साफ-सफाई के बाद योजनाबद्ध रूप से बूढ़ा तालाब का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने आज दोपहर राजधानी रायपुर के बूढ़ा तालाब का साफ-सफाई के बाद अवलोकन किया। श्री बघेल ने इस माह की 11 तारीख से नगर निगम रायपुर द्वारा बूढ़ा तालाब की साफसफाई के लिए चलाए गए अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि दिन-रात मेहनत कर बूढ़ा तालाब से जलकुंभी और कचरा निकाला गया है। अब तालाब का पानी साफदिख रहा है।

नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ शिव डहरिया, विधायक सत्यनारायण शर्मा, कुलदीप जुनेजा और विकास उपाध्याय, नगर निगम रायपुर के महापौर एजाज ढेबर, सभापति प्रमोद दुबे, मुख्य सचिव आर.पी. मण्डल, प्रधान मुख्य वन संरक्षक राकेश चतुर्वेदी, प्रभारी कलेक्टर और नगर निगम रायपुर के कमिश्नर सौरभ कुमार सहित अनेक पार्षद और जनप्रतिनिधि इस अवसर पर उपस्थित थे।

ज्ञातव्य है कि नगर निगम रायपुर द्वारा 11 मई से 25 मई तक प्रतिदिन 6 घंटे बूढ़ा तालाब से जलकुंभी और गाद निकालने का काम किया गया। इस काम में 11 ट्रक और सात पोकलेन मशीनें लगाई गई थी, 85 सफाई कर्मी, 30 ठेका कर्मी, 50 मछुआरों सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों, दुर्गा कॉलेज के विद्यार्थियों की टीम ने श्रम दान किया। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, नगर निगम रायपुर के महापौर श्री एजाज ढेबर सहित पार्षदों ने भी तालाब की साफ-सफाई के लिए श्रम दान किया। अब तक बूढ़ा तालाब से लगभग 1100 डंपर से अधिक जलकुंभी और गाद बाहर निकाला जा चुका है।

हमारे पूर्वजों द्वारा बनवाए गए प्राचीन तालाब शहर की पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम रायपुर को इसके पहले रायपुर शहर को टैंकर मुक्त शहर बनाने के निर्देश दिए गए थे, जिसमें काफी हदतक सफलता मिली है। अब शहर में टैंकरों की संख्या काफी कम हो गई है। हमारे पूर्वजों द्वारा बनवाए गए प्राचीन तालाब शहर की सुंदर पहचान हैं। बूढ़ा तालाब सहित शहर के अन्य तालाबों को भी सुरक्षित रखने के साथ-साथ उनकी साफसफाई और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। तालाबों को साफ सुथरा बनाए रखने के लिए जनभागीदारी जरूरी है। तालाबों के आसपास के मोहल्लों में लोगों को इसके लिए जागरूक करना होगा। तालाबों में आने वाले सीवरेज के पानी को भी रोका जाना चाहिए।

मुंगेली में सुपर बाजार और मेडिकल को किया गया सील

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। कोरोना वायरस पूरी दुनिया मे कहर ढा रहा हैं वही छत्तीसगढ़ में यह संक्रमण नियंत्रण में था परंतु पिछले कुछ दिनों से प्रदेश में कोरोना मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही हैं, वही जिले में अब तक सबसे ज्यादा 43 कोरोना पॉजिटिव मरीज पाए गए है जिसकी जिला प्रशासन ने पुष्टि की हैं, जानकारी के अनुसार मुंगेली जिले के एक ग्राम पंचायत के सचिव का कोरोना पॉजिटिव आने से मुंगेली प्रशासन में हड़कंप मच गया। कोरोना वायरस सचिव के पॉजिटिव आने के आधार पर जिला प्रशासन उसके कॉन्टेक्ट हिस्ट्री निकालने भीड़ गई थी, सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार वह पीड़ित मुंगेली शहर के गोल बाजार स्थित नरेंद्र मेडिकल और पड़ाव चैक स्थित भैया जी सुपर मार्केट में जाना बताया जा रहा जिसके चलते जिला प्रशासन के अधिकारियों ने इन दोनों प्रतिष्ठानों को सील कर दिया गया हैं, साथ ही विश्वत सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला स्तर के मीटिंग में जाना बताया गया हैं जिसके बाद अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मचा हुआ है वही संबंधित कार्यालय को सील करने की तैयारी करने की जानकारी मिल रही हैं, हालांकि अभी इस मामले में कोई आधिकारिक पुष्टि नही हो पा रही हैं, हो सकता हैं पीड़ितों के कॉन्टेक्ट हिस्ट्री की पूरी जानकारी मिलने के बाद और भी कई संस्थान या जगह जिला प्रशासन को सील करना पड़े. बहरहाल नागरिकों को खुद से सावधानी बरतने की आवश्यकता है। मेडिकल संचालक ने कहा कि पीड़ित नही आया था-बातचीत के दौरान मेडिकल संचालक ने की पुष्टि फ्लिहाल विषय जांच का..वही नरेंद्र मेडिकल दुकान के संचालक ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके द्वारा सम्बंधित पीड़ित व्यक्ति से संपर्क कर पूछा गया कि उनके मेडिकल दुकान वह कब आया था, तो पीड़ित ने मोबाईल पर मेडिकल संचालक को बताया कि मैं अपनी पत्नी को बता कर घर से निकला था कि नरेंद्र मेडिकल से सेनेटाइजर लूंगा और भैया जी सुपर बाजार से किराना समान लाऊंगा, उसके बाद वह पहले भैयाजी सुपर बाजार गया जहां उसे सेनेटाइजर भी मिल गया, जिसके बाद वह मेडिकल नही गया और उस सुपर बाजार से सेनेटाइजर और किराना लेकर घर चला गया। उक्त बातें मेडिकल संचालक ने पीड़ित से बात करने के बाद यह बातें बताई, इस मामलें में जब पीड़ित के परिवार वालों से अधिकारियों ने कॉन्टेक्ट हिस्ट्री के दौरान गए स्थान के सम्बंध में पूछा तो उसकी पत्नी ने उस मेडिकल और सुपर बाजार का नाम बताया जिसके चलते जिला प्रशासन के अधिकारियों ने उन दुकानों को सील कर दिया।

मिनपा मुठभेड़ का नक्सलियों ने जारी किया वीडियो

बीजापुर (नव प्रदेश)। सुकमा 21 मार्च को हुआ था बुर्कापाल इलाके के मिनपा के जंगल में मुठभेड़। सुकमा मिनपा जंगल में हुए मुठभेड़ का नक्सलियों ने जारी किया वीडियो। मिनपा मुठभेड़ में 17 जवान हुए थे शहीद और हथियार भी लुटे थे नक्सली मुठभेड़ के दौरान बड़ी संख्या में थे नक्सली वीडियो बनाकर किया जारी। सुकमा के बुर्कापाल और ताड़मेटला हमला जिसमें 76 जवानों की शहादत हुई थी। और मदनवाड़ा हमला जिसमें एसपी समेत कई जवान शहीद हुए थे। बीजापुर के मुरकिनार हमला। ऐसे घटनाओं की वीडियो फुटेज खुद नक्सली पहले ही जारी कर चुके हैं। मुठभेड़ के बाद नक्सली मौके से 11 नग एके-47, दो नग इंसास राइफल, 2 नग यूबीजीएल, एक नग एसएलआर व 1550 जिंदा कारतूस अलावा अन्य हथियार जवानों से लूटकर ले जाने की कामयाब रहे। मुठभेड़ के बाद नक्सलियों ने पर्चा जारी कर हमले की जिम्मेदारी लेते हुए एनकाउंटर में अपने तीन साथियों के मारे जाने की बात भी कबूल की थी। माओवादियों ने प्रेस नोट के साथ लूट ले गए हथियारों व साथियों की अंतिम संस्कार की तस्वीरें जारी की थी।

वनभैंसा की संख्या बढ़ाने खास कवायद

असम के 2 वन भैंसो की संख्या बढाने बारनवापारा में टेंट, जनरेटर, तम्बू, कूलर की व्यवस्था की जा रही है

शेखर नायडू

पिथौरा। देश के साथ प्रदेश में भी कोरोना महामारी के कारण लगभग आर्थिक आपातकाल जैसे हालात है।परंतु इन सब परिस्थियों को दरकिनार कर प्रदेश का वन विभाग जंगल के अंदर टेंट एवम कूलर लगा कर वनभैंसा की संख्या बढ़ाने का विचित्र प्रयोग कर रहा है।दो वन्य प्राणियों के लिए की गई कूलर एवम टेंट सहित अन्य व्यवस्था में लगभग लाखों रुपयो का खर्च कर रहा है।जानकरो के अनुसार टेंट एवम कूलर में वन्य प्राणियों का लालन पालन करने का शायद यह देश मे पहला मामला हो सकता है।

एक ओर पूरा देश कोरोना महामारी के संकट से बेहाल है।इससे छत्तीसगढ़ भी अछूता नही है।प्रदेश से अन्य प्रांतों में रोजगार करने गए मजदूर वापस नही आ पा रहे है।मजदूरो की वापसी के बाद उन्हें कोरोनटाइन करने के लिए आर्थिक संकट दिखाई दे रहा है।जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण स्कूलों में कोरेंटइन किये गए मजदूरो को खिलाने के लिए भी उन्ही के परिजनों को कहा जा रहा है।राजनैतिक दलों के कार्यकर्ता मुख्यमंत्री एवम प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए धन जुटाने के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहे है ऐसी विषम परिस्थिति में आखिर ऐसी कौन सी एमरजेंसी थी कि वन भैंसों को प्रदेश के बार अभ्यारण्य लाने के लिए 2 माह और प्रतीक्षा भी नही की जा सकी। वर्तमान में विषम परिस्थितियों के चलते जहां प्रदेश भर के अफसर इसी काम मे लगे है और इन पर पानी की तरह धन भी बहाया जा रहा है।जो कि आज की परिस्थिति में कतई उचित नही कहा जा सकता।

काले हिरण, हाथी कॉरिडोर,मगरमच्छ पालन हो चुके असफल

ज्ञात हो कि वनभैंसा लाने के पूर्व काला हिरन बार के जंगलों में छोड़ने लाये गए थे।वे अब चार सालों में भी जंगल मे नही छोड़े जा सके है।इनमे से कुछ हिरणों के मरने की खबरे भी प्रकाशित होती रही है।इसके बाद बार अभ्यारण्य के भीतर ही मगरमच्छ पार्क का निर्माण भी करोड़ो की लागत से करवाया गया था।परंतु यहां लाये गए दोनों मगरमच्छ जल्दी ही देखरेख के अभाव में मारे गए थे।इसके बाद महासमुंद एवम बलौदाबाजार जिले में हाथियों का कॉरिडोर बना कर हाथी समस्या का समाधान करने की बजाय उसे सिरपुर से बार एवम बार से सिरपुर की ओर खदेड़ने में ही वन विभाग ने अपनी पूरी ऊर्जा लगा दी थी।और शासन को इनमे करोड़ो की चपत भी लगाई थी

छत्तीसगढ़ वन्य प्राणी बोर्ड के संचालक अरुण पांडे ने इसके पूर्व वनभैंसो के लाये जाने के सम्बंध में प्रकाशित एक रिपोर्ट के बाद स्वयम एक विज्ञप्ति के माध्यम से वनभैंसा असम से बार तक कैसे लाया गया।कब और कैसे स्वीकृति मिली इस बात की विस्तार से सचित्र जानकारी दी है।परंतु उन्होंने अपनी पूरी विज्ञप्ति में कही भी यह नही बताया कि वनभैंसा अब असम से कही दुगुनी गर्मी में यहां लाया गया है।इन्हें गर्मी से निजात दिलाने के लिए पूर्व में हाथियों को भगाने के अजीबो गरीब तरीके की तरह ही वनभैंसो के लिए भी कूलर और टेंट लगाया गया है।

श्री पांडेय ने अपनी विज्ञप्ति में यह भी बताया कि भारत शासन पर्यावरण एवं मंत्रालय नई दिल्ली के पत्र 16 मार्च 2020 द्वारा मानस टायगर रिजर्व से 1 नर वनभैंसा ट्रांसलोकेट करने की अनुमति दी गयी। ट्रांसलोकेशन हेतु छत्तीसगढ़ वन विभाग की टीम द्वारा मानस टायगर रिजर्व के अधिकारियों/कर्मचारियों की मदद से 1 नर एवं 1 मादा सबएडल्ट वनभैंसे को बाड़ा में घेरने की कार्यवाही की गयी। तत्पश्चात इन दोनों वनभैंसों की डीएनए रिपोर्ट हेतु ब्लड सैम्पल सीसीएमबी हैदराबाद भेजा गया। सीसीएमबी हैदराबाद के द्वारा 20 मार्च 2020 को दोनों वनभैंसों की डीएनए टेस्टिंग की रिपोर्ट दी गयी जिसमें यह अंकित किया गया है कि इन वनभैंसों की डीएनए टेस्टिंग एवं अनुवांशिक मिलान उदन्ती के वनभैंसों से होती है।इसके बाद अन्य प्रक्रिया पूर्ण की गई और लॉक डाउन के दौरान ही मौसम विपरीत होने के बावजूद वन विभाग ने इसे पूरी सुरक्षा के साथ बार के खैरछापर में 18 अप्रेल को शिफ्ट कर दिया गया।श्री पांडेय ने यह बताया सीसीएमबी हैदराबाद की रिपोर्ट 20 मार्च2020 को प्राप्त होते ही जब यह तय हो गया कि इन वनभैंसों का डीएनए जीन छत्तीसगढ़ राज्य के वनभैंसों से मेल खाता है, इन्हें छत्तीसगढ़ राज्य लाने की कार्यवाही प्रारंभ की गयी। किन्तु कोरोना संक्रमण के कारण देशव्यापी लॉकडाउन होने से ट्रांसलोकेशन की कार्यवाही विलंबित हुई। लॉकडाउन अवधि में वनभैंसों को स्थानांतरित किया जाना अतिआवश्यक था, क्योंकि गर्मी बढ़ने के साथ ङ्क साथ जिस बाड़े में वनभैंसों को घेर कर रखा गया था वहाँ घास की उपलब्धता भी कम होती जा रही थी। इसलिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पत्र क्रमांक 1605, 13 अप्रैल 2020 द्वारा अपर मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन गृह विभाग को लॉकडाउन अवधि में वनभैंसों को मानस टायगर रिजर्व असम से लाने की अनुमति बाबत अनुरोध किया था।

इसके बाद प्रमुख वन संरक्षक से अनुमति भी मिल गयी और दोनों वनभैंसो को लाया गया।अब यहां सवाल यह उठता है कि देश भर में लॉक डाउन की स्थिति असम में बारिश एवम ठंड पूरे वर्ष भर रहती है।उसके मुकाबले छत्तीसगढ़ में गर्मी चरम सीमा में पडती है बारिश होने तक इंतजार क्यों नहीं किया गया।

दुकानों में सामाग्री खरीदने उमड़ी भीड़, दो माह बाद लगा बासागुड़ा बाजार

बाजार में महिलाएं वनोंजव व मछली एंव अन्य समाग्री लेकर बेचने पहुंची।

बासागुड़ा का साप्ताहिक हाट बाजार लॉक डाउन व कोरोना वायरस के चलते दो माह बंद रहा।

नव प्रदेश संवाददाता

बीजाापुर। जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र बासागुड़ा में शुक्रवार को लगने वाला साप्ताहिक हाट बाजार लॉक डाउन व कोरोना वायरस के चलते दो माह बंद रहा। बाजार आखिरकार क्षेत्र के लोगों को कुछ राहत मिले सके इस उद्देश्य से बाजार लगा तो आस - पास के गांवों से बड़ी संख्या में बाज़ार पहुंचे लोग दूकानों से किचन में उपयोगी सामाग्री खरीदने के लिए उमड़ पड़े।भीड़ को देखकर अंदाज लगाया जा सकता है कि लोगों को खाने को नहीं हैं बगैर काम काज के घर कैसे चलाये। अंदरूनी क्षेत्र के बीहड़ों में गुजर बसर करने करने वाले गरीब तबके के आदिवासी जंगल से महुआ चिरौंजी तालपेरू नदी में मिलने वाली मछली पकड़कर उसे जलाने के बाद वहीं बाजार में बेचकर रोजमर्रा जीवन से जुड़े सामाग्रियां झूठा पाते हैं। वर्षो पहले की बात करें तो इमली, महूआ चिरौंजी के नाम से देश दुनिया में ख्याति प्राप्त करने वाला बासागुड़ा बाजार एवं क्षेत्र के लोगों के खुशहाल जीवन में सलवा जुडूम ग्रहण लगा दिया। स्थानीय लोग विभिन्न गंतव्यों के ओर पलायन कर गए। जुडूम के पहले यहां की आबादी सैकड़ों में हुआ करती थी आज बासागुड़ा ग्राम पंचायत की कुल आबादी महज 285 पर सिमट गया है। पहले की अपेक्षा दुकानदार बाजार करने पहुंचते नहीं पहुंच भी जाय तो खानापूर्ति हो जाता था। लॉक डाउन के चलते बाजार बंद हो गया।

आपको बता दें कि दो माह बाद का यह पहला बाजार लगा तो आस पास के गांवों से गरीब तबके के आदिवासी महिलाएं मछली एवं वनोंपज (महुआ) आदि लेकर बाजार पहुंचे। लोगों ने गल्ला व्यापारियों महुआ को बेचकर साग, सब्जी, टमाटर मिर्च, हल्दी, नमक, प्याज लहसुन तेल साबुन चावल तथा महिलाएं हाथों में पहनने के लिए चूड़ियां नन्हे मुन्ने बच्चों के लिए कंगन पहनने के लिए कपड़े व तपती धूप में पैदल चलते बच्चों का तकलीफ देख चप्पल आदि खरीदीं करने दुकानों में उमड़ पड़े लोगों के चेहरे में आपबीती एवं कोरोना वायरस का खौफ साफ झलक रहा था। जल्दी - जल्दी जरुरत की वस्तुएं खरीदी कर गंतव्यों के ओर रवानगी हो गए। कोरोना वायरस देश में आहट देते ही इसके बचाव के लिए 22 मार्च रविवार 2020 को एक दिन के लिए सरकार पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया वहीं दूसरे दिन 23 मार्च 2020 सोमवार को लॉक डाउन के साथ धारा 144 लगाया जाकर लोगो को घरों से बाहर नहीं निकलने 31 मई 2020 तक प्रभावशील कर दिया। ताकि कोरोना वायरस के जद में नहीं आने से वाइरस खुद-ब-खुद नष्ट होगा। इस लिहाज़ से केन्द्र सरकार कोरोना वायरस मद्देनजर बताएं गाइडलाइंस के मुताबिक नियमों का पालन करते हुए राज्य व जिले का स्थानीय प्रशासन लॉक डाउन का आमजनों में इसका कड़ाई से पालन करने एवं नगर में फिज़ूल का घूमने-फिरने टहलने वालों को नियंत्रण करने 144 धारा और लॉक डाउन का संदेश नगर व विकासखंडों में बसे बाशिंदों के गली मोहल्लों गलियारों में जाकर स्थानीय नगर पालिका व पंचायतों में प्रचार प्रसार कर जनता को जागरुक करती रही।

वही तपती धूप में चप्पे-चप्पे में तैनात राजकीय जनरक्षक दिन रात सुरक्षा में चौकन्ना और अनावश्यक घूमने वालों पर पैनी नजर रखें हुए हैं यह सोचने वाली बात है जनता करीब दो माह से घरों में है , गरीब तो क्या मध्यम वर्ग की कमर टूट चुकी है। वो खाने व सब्जियों के लिए मोहताज़ हो गए। बावजूद इसके लॉक डाउन का पालन करते हुए करीब दो माह तक जंगली साग सब्जियों पर आश्रित जिले के बीहड़ों में बसे लोग घरों में दुबक कर रहे।